email:mahanadisuperfast20@gmail.com

३ राज्य ओडिशा छत्तीसगढ झारखंड का लाइफ लाइन

महानदी सुपरफास्ट

MAHANADI SUPERFAST

वर्ष:3 अंक:52 | कटक मंगलवार 05 जुलाई 2022 | मूल्य रु.2.00 R.N.I NO. ODIHIN/2020/81174

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की जासूसी! BJP का दावा- KCR का भेजा खुफिया अफसर पकड़ाया

रेड्डी ने कहा, स्थानीय सरकार दुर्भावनापूर्ण मंशा से यहां हो रही सभी बातचीत को सार्वजनिक करने की कोशिश कर रही है। खुफिया अधिकारी सभागार के भीतर आया, जहां प्रवेश की अनुमति नहीं थी।

हैदराबाद। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद की बैठक की कार्यवाही के मसौदा प्रस्ताव की कॉपी की तस्वीरें खींचते हुए एक खुफिया अधिकारी को पकड़ा गया है। भाजपा के पूर्व विधायक एन. इंद्रसेन रेड्डी ने कहा कि उन्होंने खुफिया अधिकारी को उसके वरिष्ठ अधिकारियों को सौंप दिया और उसकी ओर से ली गई तस्वीरों को डिलीट कर दिया।

रेड्डी ने कहा, स्थानीय सरकार दुर्भावनापूर्ण मंशा से यहां हो रही सभी बातचीत को सार्वजनिक करने की कोशिश कर रही है। खुफिया अधिकारी सभागार के भीतर आया, जहां प्रवेश की अनुमति नहीं थी। उसने घटनास्थल पर घुसने के लिए पुलिस पास का इस्तेमाल किया। अधिकारी को दिन की कार्यवाही शुरू होने से पहले मोबाइल फोन से मसौदा प्रस्ताव की प्रतियों की तस्वीरें लेते हुए पकड़ा गया। उसे वरिष्ठ अधिकारियों को सौंप दिया गया।÷

राज्य सरकार का यह रवैया स्वीकार्य नहीं

भाजपा नेता ने कहा कि राज्य सरकार का रवैया स्वीकार्य नहीं है और उन्हें दूसरों की निजता का उल्लंघन नहीं करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, उन्होंने (मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव) इस तरह खुफिया अधिकारियों को क्यों भेजा? अगर कुछ है तो उन्हें सामने आकर निपटना चाहिए। राज्य सरकार इस घटना के लिए माफी मांगे

कोई गुप्त गतिविधि नहीं हो रही- पीयूष गोयल

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार पारदर्शिता में विश्वास करती है। गोयल ने कहा, हमारी सरकार पारदर्शिता में विश्वास करती है, हम खुद सब कुछ वेबसाइट पर डालते हैं, इसलिए जो भी आना चाहता है वह आ सकता है। कोई गुप्त गतिविधि नहीं है। हम लोगों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं।

हिमाचल के कुल्लू में भीषण हादसा, खाई में बस गिरने से 16 की मौत; स्कूली बच्चे समेत 40-50 लोग थे सवार

हिमाचल के कुल्लू में बड़ा हादसा हुआ है। यात्रियों से भरी एक बस गहरी खाई में गिर गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक 16 लोगों की मौत हो गई है। बस में 50 से अधिक लोग सवार थे, कई गंभीर रूप से घायल।

कुल्लू। हिमाचल के कुल्लू में सोमवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हुआ। यात्रियों से भरी एक बस गहरी खाई में गिर गई।शुरुआती जानकारी के मुताबिक हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई है तो कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं। बस में 40-50 लोग सवार थे। दर्जनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है, जिनमें कई की स्थिति बेहद नाजुक है। अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि हादसे का कारण क्या है। कुल्लू में पिछले दो दिनों से बहुत अधिक बारिश हुई है। मौसम बेहद खराब है। सोमवार सुबह करीब 8 बजे कुल्लू जिले में निओली-शंशेर रोड पर पर सैंज घाटी के जंगला इलाके में निजी बस चालक के कंट्रोल से बाहर होकर गहरी खाई में गिर गई। बस के परखच्चे उड़ गए। एक दर्जन से अधिक लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन ने राहत और बचाव का काम शुरू किया। घायलों को तुरंत पास के अस्पतालों में पहुंचाया गया है। बताया जा रहा है कि मृतकों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है।

मानसूनी बारिश के बीच कई जगहों पर उमस

नई दिल्ली। मानसून अब देशभर में रफ्तार पकड़ रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में जमकर बारिश हो रही है। देश के अलग-अलग हिस्सों से बारिश की तस्वीरें भी सामने आ रही हैं। इसी कड़ी में मौसम विभाग ने बताया है कि दिल्ली, यूपी, उत्तराखंड के कुछ हिस्सों, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, लक्षद्वीप और तेलंगाना और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। दरअसल, दक्षिण-पश्चिम मानसून ने सामान्य समय से करीब छह दिन पहले ही पूरे देश को कवर कर लिया है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तरी अरब सागर के हिस्सों, गुजरात व राजस्थान के बाकी इलाकों में भी मानसून पहुंचने के साथ देश भर में छा गया है। देशभर में मानसून पहुंचने की सामान्य तिथि आठ जुलाई है, लेकिन इस बार छह दिन पहले ही मानसून ने समूचे भारत को कवर कर लिया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार को न्यूनतम तापमान 27 डिग्री और अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। बादल छाए रह सकते हैं और हल्की बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में 5 और 6 जुलाई को मध्यम से भारी बारिश देखी जा सकती है। वहीं, 7 जुलाई को दिल्ली में हल्की बारिश हो सकती है। 7 जुलाई तक दिल्ली में तापमान 32 से 36 डिग्री के बीच रहेगा। उधर उत्तर प्रदेश के कई जिलों में आसमान में बादल छाए रह सकते हैं। बिहार के कई इलाकों में बारिश से लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। बिहार में लगातार हो रही बारिश के चलते नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इसके अलावा राजस्थान के भी ज्यादातर जिलों में बारिश की संभावना है।

उधर गुजरात में मौसम विज्ञान विभाग ने अगले पांच दिनों में अलग-अलग हिस्सों में भारी से बहुत बारिश की भविष्यवाणी की है। मानसून की बारिश के साथ देशभर में मौसम का मिजाज बदल गया है। भारत के सभी राज्यों के अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। हालांकि, यूपी, बिहार समेत कुछ राज्यों में उमस भी बढ़ी है।

भारत में मिला ओमिक्रोन का नया सब वेरिएंट हो सकता है बेहद खतरनाक, इजरायली एक्सपर्ट ने किया दावा

नई दिल्ली। भारत के करीब 10 राज्यों में ओमिक्रोन के नए सब वेरिएंट BA.2.75 का पता चला है, जो कि बेहद खतरनाक हो सकता है। यह दावा एक इजरायली एक्सपर्ट ने किया। हालांकि, भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अभी तक आधिकारिक तौर पर देश में ओमिक्रोन के सब वेरिएंट की पुष्टि नहीं की है। ट्वीट्स की एक श्रृंखला में, तेल हाशोमर में शेबा मेडिकल सेंटर में सेंट्रल वायरोलाजी लेबोरेटरी के साथ डा. शाय फ्लीशान ने कहा कि 8 देशों के 85 अनुक्रम अब तक जीनोमिक डेटा के एक ओपन-सोर्स प्लेटफार्म नेक्स्टस्ट्रेन पर अपलोड किए गए हैं। इसमें 69 भारत से शामिल हैं (दिल्ली से 1, हरियाणा से 6, हिमाचल प्रदेश से 3, जम्मू से 1, कर्नाटक से 10, मध्य प्रदेश से 5, महाराष्ट्र से 27, तेलंगाना से 2, उत्तर प्रदेश से 1 और पश्चिम बंगाल से 13)।

नेक्स्टस्ट्रेन डेटा के अनुसार, भारत के अलावा, सात अन्य देशों द्वारा भी स्ट्रेन की सूचना दी गई है। इसमें जापान में 1, जर्मनी में 2, यूके में 6, कनाडा में 2, यूएस में 2, आस्ट्रेलिया में 1 और न्यूजीलैंड में 2 मामले सामने आए हैं।

कई क्षेत्रों में फैला वेरिएंट

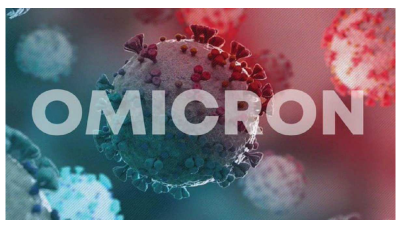

फ्लीशान ने समझाया कि हाल के महीनों में, ओमिक्रोन के उप-वंशों BA.1, BA.2, BA.3, BA.4, और BA.5 पर आधारित दूसरी पीढ़ी के वेरिएंट का चलन रहा है। यह ओमिक्रोन पर आधारित है। स्पाइक प्रोटीन के S1 खंड में उत्परिवर्तन के साथ वंशावली और विशेष रूप से स्पाइक प्रोटीन के हिस्से में जिसका उपयोग वायरस कोशिकाओं से जुड़ने और प्रवेश पाने के लिए करता है।

यह पहली बार है जब ओमिक्रोन से दूसरी पीढ़ी का वेरिएंट कई क्षेत्रों में फैल गया है।

तथ्य यह है कि इस तरह के एक अलग दूसरी पीढ़ी के संस्करण इंटर-होस्ट सफल हो सकते हैं।

इसका मतलब है कि अगर BA.2.75 सफल नहीं होगा और यहां तक कि अगर ऐसा होता है, तो दूसरी जेनेरेशन समय के साथ बेहतर हो सकती है।

वेरिएंट पर रखनी होगी नजर

इंपीरियल कालेज लंदन के वैज्ञानिक थामस पीकाक ने ट्विटर पर कहा कि ओमिक्रोन के सब-वेरिएंट पर नजर रखनी होगी। अमेरिका में फ्रेड हच अनुसंधान संस्थान के ब्लूम लैब (Bloom Lab) के मुताबिक, G446S वर्तमान टीकों द्वारा प्राप्त एंटीबाडी से बचने के सबसे शक्तिशाली स्थलों में से एक है जो अभी भी ब्क्र2 को बेअसर करता है। इसलिए टीकों या शुरुआती संक्रमणों से प्रतिरक्षा के लिए G446S को BA.2 में जोड़ने से न्यूट्रलाइजेशन कम हो जाएगा।

पटना में बड़ा हादसा, गंगा नदी में डूबी स्कॉर्पियो; दो लोग लापता

पटना। बिहार की राजधानी पटना में स्कॉर्पियो गाड़ी गंगा नदी में डूब गई। यह हादसा फतुहा के जेठूली गंगा घाट पर रविवार रात को हुआ। स्कॉर्पियो में कुल 8 लोग सवार थे, जिनमें से 6 को बचा लिया गया। दो अन्य लोग लापता हैं। उनकी तलाश जारी है। यह हादसा स्कॉर्पियो को नाव में चढ़ाने के दौरान हुआ। गाड़ी में सवार सभी लोग वैशाली जिले में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। जानकारी के मुताबिक फतुहा के जेठुली गंगा घाट पर रविवार रात नाव पर लदी बारात की एक स्कॉर्पियो गंगा नदी में समा गई। हादसे में गाड़ी में सवार छह लोग तैरकर नदी से निकल गए, जबकि दो का पता नहीं चल सका। घटनास्थल पर डीएसपी राजेश कुमार मांझी के अलावा नदी, रुस्तमपुर और राघोपुर के थानाध्यक्ष पहुंचे। रात में पहुंची एनडीआरएफ की टीम की मदद से गंगा में तलाशी अभियान शुरू किया गया, मगर उनका पता नहीं चल पाया। दरअसल, पटना के इंदिरा नगर रोड नम्बर 4 से उपेंद्र राय के पुत्र शम्भू की बारात निजी वाहन से वैशाली के राघोपुर के लिए निकली थी। वहां रामपुर निवासी सिकंदर राय की पुत्री सविता की शादी में बारात पहुंचनी थी। सभी बाराती जेठुली घाट पर पहुंचे। इसके बाद गंगा के उस पर जाने के लिए बड़ी नाव पर दो स्कॉर्पियो को लोड कर दिया गया। नाव खुलते ही वर्षा शुरू हो गई, इस कारण आठ लोग स्कॉर्पियो में बैठ गए। इसी दौरान नाव के लड़खड़ाने से स्कॉर्पियो गंगा में समा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक छह लोग तैरकर बाहर आ गए, जबकि दो लोग स्कॉर्पियो के साथ लापता बताए जाते हैं। डीएसपी राजेश कुमार मांझी ने बताया कि एनडीआरएफ की मदद से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

कन्हैयालाल हत्याकांड का विरोध करने पर जान से मारने की धमकी, बजरंग दल के कार्यकर्ता को मिली सुरक्षा

चुरू। राजस्थान के उदयपुर में दर्जी कन्हैयालाल की हत्या के बाद जिले में हालात अब धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। लेकिन अब इस बीच बजरंग दल के एक कार्यकर्ता को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि बजरंग दल के कुछ कार्यकर्ताओं ने उदयपुर जघन्य हत्याकांड को लेकर विरोध प्रदर्शन किया था जिसके बाद इस कार्यकर्ता को धमकी दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चुरू जिले के राजगढ़ तहसील के गांव सरदारपुरा में रहने वाले प्रवीण कुमार को यह धमकी दी गई है। प्रवीण कुमार के बारे में बताया जा रहा है कि वो बजरंग दल के सक्रिय सदस्य हैं। धमकी दिये जाने की खबर सामने आने के बाद यहां पुलिस-प्रशासन के बीच हड़कंप मच गया है। आननफानन में प्रवीण कुमार को पुलिस की तरफ से सुरक्षा मुहैया कराई गई है।

खुद को बताया गैंग का सदस्य

प्रवीण कुमार ने थाने में अपनी शिकायत भी दर्ज करवाई है। उन्होंने बताया है कि उदयपुर मर्डर केस के विरोध में बीते 1 जुलाई को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने मिलकर चुरू में शहर बंद का ऐलान किया था। प्रवीण का कहना है कि फोन पर उन्हें धमकी देने वाले ने अपना नाम कालू बताया है। कालू ने यह भी बताया था कि वो संपत नेहरा गैंग का सदस्य है।

गोली मारने की धमकी

प्रवीण के मुताबिक, फोन करने वाले कथित शख्स कालू ने उनसे कहा, तू बाजार बंद करवाने वाला कौन है, तूने कैसे बाजार बंद करवाया...तुझ गोली मारूंगा। अब इस मामले में शिकायत मिलने के बाद पुलिस तत्पर हो गई है। यहां के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सादुलपुर अशोक कुमार बुटोलिया ने पुलिस को जांच के आदेश दिये हैं। अब पुलिस फोन नंबर के जरिए धमकी देने वाले तक पहुंचने की कोशिश में लगी है।

कन्हैयालाल की हुई थी जघन्य हत्या

बता दें कि 28 जून को उदयपुर में टेहल कन्हैयालाल की गला काट कर हत्या कर दी थी। मुख्य आरोपी मोहम्मद रियाज और गौस मोहम्मद उस दिन कपड़े सिलवाने के लिए उनकी दुकान पर गये थे। इसके बाद अचानक उन्होंने धारदार हथियार से उनकी हत्या कर दी थी।

भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा दिये गये एक विवादास्पद बयान का कन्हैयालाल ने सोशल मीडिया पर कथित तौर से समर्थन किया था। जिसके बाद उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया। इस मामले में पुलिस ने अब तक 4 आरोपियों को पकड़ा है। सभी आरोपी अभी पुलिस रिमांड पर है। इस जघन्य हत्याकांड की आतंकी एंगल से भी जांच की जा रही है।

गुजरात में अरविंद केजरीवाल का ऐसा है प्लान, बीजेपी से ज्यादा कांग्रेस को नुकसान

अहमदाबाद। दिल्ली के बाद पंजाब में सत्ता हासिल कर चुकी आम आदमी पार्टी (आप) की निगाहें अब गुजरात पर है। दशकों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सबसे बड़े गढ़ में 'झाड़ू' फेड़ने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल एक तरफ जहां संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं तो दूसरी तरफ वह भाजपा विरोधी वोटरों को एकजुट करके अपनी ओर लाने की कोशिश में हैं। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को अहमदाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें सत्ता हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, हमें विपक्ष में नहीं बैठना है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने रविवार को यहां 6988 पदाधिकारियों को ईमानदारी से लोगों की सेवा करने की शपथ दिलाई।

भाजपा विरोधी वोटों को खींचने की कोशिश-दो दिवसीय गुजरात दौरे पर पहुंचे केजरीवाल ने लोगों से अपील की कि वे गुजरात के आगामी विधानसभा चुनाव में अपना मत आप को दें। कांग्रेस को मत देकर बेकार न करें। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा से नाराज उन सभी लोगों के मत उसे मिल जाए,

जो कांग्रेस को अपना मत नहीं देना चाहते हैं तो आप गुजरात में अगली सरकार बना सकती है। आप गुजरात में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरे जोर-शोर से जुट गई है।

केजरीवाल का प्लान, कांग्रेस को ज्यादा नुकसान

केजरीवाल ने कहा कि आप कार्यकर्ताओं को उन लोगों का समर्थन पार्टी के पक्ष में हासिल करने की कोशिश करनी चाहिए जो भाजपा शासन से नाराज हैं, लेकिन कांग्रेस को मत नहीं देना चाहते हैं। पिछली बार लोगों ने उम्मीद के साथ कांग्रेस को मत दिया था, लेकिन गुजरात में अब तक 57 विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, भाजपा के खिलाफ एंटी इंकम्बेंसी की बातें हर चुनाव में होती हैं, लेकिन भगवा दल की जड़ें यहां काफी गहरी हैं। केजरीवाल भाजपा विरोधी वोटों पर फोकस कर रहे हैं, जो अभी कांग्रेस को मिलता रहा है। ऐसे में आप बीजेपी से पहले और ज्यादा कांग्रेस को नुकसान पहुंचा सकती है।

दिल्ली, पंजाब के कामों को जनता तक पहुंचाएं-केजरीवाल ने दावा किया कि हाल में दिल्ली के दौरे पर गुजरात से गया भाजपा का प्रतिनिधिमंडल वहां के स्कूलों और अस्पतालों में एक भी कमी निकालने में असफल रहा। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि वे गुजरात के मतदाताओं से उनका मत मांगने के दौरान दिल्ली और पंजाब की आप सरकारों द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी दें।

आप का संगठन मुख्य विपक्षी पार्टी से कई गुना बड़ा

केजरीवाल ने कहा कि कांग्रेस गुजरात में केवल कागजों पर ही अस्तित्व में है जबकि आप का संगठन मुख्य विपक्षी पार्टी से कई गुना बड़ा हो चुका है। बहुत कम समय में लाखों लोग आप से जुड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि एक महीने में बूथ स्तर का संगठन बनाने के बाद आप का गुजरात में भाजपा से भी बड़ा संगठन होगा।

संपादकीय

तेज आर्थिक बदलाव

भारत जैसी विशाल अर्थव्यवस्था में बहुत तेज आर्थिक बदलावों का दिखना आश्चर्यजनक नहीं है। महंगाई की मार भी लगातार बनी हुई है, तो रुपये का मूल्य सार्वकालिक निचले स्तर पर है। हालांकि, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि दुनिया की अन्य मुद्राओं की तुलना में अब भी रुपया बेहतर स्थिति में है। साथ ही, वह यह भी मान रही हैं कि हम कुछ ही हद तक बेहतर स्थिति में हैं। चूंकि हमने अपनी अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से खोल दिया है, इसलिए वैश्विक अर्थव्यवस्था का असर यहां आए दिन होता है। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल डी पात्रा कह तो रहे हैं कि आरबीआई रुपये में ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं होने देगा, लेकिन सच यह है कि इसके लिए सरकार को भी ठोस प्रयास करने पड़ेंगे। रुपया पहली बार ७९ के पार पहुंचा है, तो यह कोई प्रशंसनीय बात नहीं है। इस गिरावट के बारे में समग्रता में सोचना चाहिए। शायद हमारी अर्थव्यवस्था बुनियादी रूप से मजबूत होती, तो रुपया यूं लगातार न गिरता। शेयर बाजार या अर्थव्यवस्था में अगर थोड़ा भी सुधार दिखता है, तो जल्दी ही कोई गिरावट मुंह चिढ़ाने लगती है।

वित्त मंत्रालय को यह ध्यान रखना होगा कि जो भी आर्थिक सुधार हो रहे हैं, वे जनता के अनुरूप होने चाहिए। आज से देश में भुगतान संबंधी कुछ नियम बदल जाएंगे, ताकि लेन-देन या कर भुगतान में बेईमानी न हो। आधार-पैन को लिंक करने के लिए कड़ाई, क्रिप्टोकरेंसी पर टीडीएस, ऑनलाइन भुगतान के लिए टोकन व्यवस्था, उपहार पर १० प्रतिशत टीडीएस की व्यवस्था शुरू हो गई। जीएसटी में भी कर वसूली का विस्तार किया गया है। अनेक जरूरी उत्पादों एवं सेवाओं पर कर लगाया या बढ़ाया गया है। सरकार का ध्यान कर वसूली पर है और होना भी चाहिए, पर जहां बेईमानों को दंडित किया जाना चाहिए, वहीं ईमानदारों को प्रोत्साहित करने की क्या व्यवस्था है? लोगों के बीच यह धारणा है कि सरकारों का झुकाव उद्योग जगत की ओर ज्यादा होता है और आम लोगों या नौकरीपेशा लोगों के प्रति अर्थव्यवस्था दशकों से अनुदार ही रही है। जहां से आसानी से वसूली संभव हो, वहां से कर वसूल लेने के प्रवृत्ति नई नहीं है।

उर्फी जावेद ने टॉपलेस होकर पढ़ा अखबार! जींस का बटन खुला देखकर लोग बोले- पेपर कितने का दिया?

अर्थव्यवस्था में कुछ विरोधाभास भी हैं। जैसे, सरकार डेयरी उद्योग को कई तरह से बढ़ावा देने की कोशिश कर रही है, मगर डेयरी मशीन पर जीएसटी को १२ से बढ़ाकर १८ प्रतिशत कर दिया गया है। नीतियों में स्पष्टता से अर्थव्यवस्था को बल मिलता है। अनेक ऐसे उत्पाद हैं, जिन पर जीएसटी अभी बढ़ाने की जरूरत नहीं थी, लेकिन सरकार की भी मजबूरी है, उसने तेल के मद में राजस्व से कुछ समझौता किया है, तो वह कहीं न कहीं से भरपाई करेगी। हर मोर्चे पर करों में कमी किसी सरकार के लिए संभव नहीं। फिर भी यह बार-बार दोहराए जाने की जरूरत है कि आम आदमी की तकलीफ का ज्यादा ध्यान रखना चाहिए। सरकार उद्योग जगत को उदारता से साथ लेकर चल रही है, तो उसका फायदा देश को रोजगार व निवेश के रूप में होना चाहिए। यह भी देखना होगा कि काले धन का देश से पलायन बढ़ा है या घटा है। महंगाई अगर बढ़ रही है, तो क्या किसानों व मजदूरों तक उसका सीधा लाभ पहुंच रहा है? मिसाल के लिए, कई जगह टमाटर की कीमत ६० रुपये बढ़कर १०० रुपये हो गई है, तो यह सुनिश्चित करना होगा कि अधिकतम लाभ टमाटर उत्पादकों तक पहुंचे।

क्या जोड़ता है नीरज चोपड़ा-ऋषभ पंत को

आर.के. सिन्हा

ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा और चमत्कारी क्रिकेटर ऋषभ पंत उस भारत की नुमाइंदगी करते हैं, जो विश्वास से लबरेज है। वह अपने हिस्से के आसमान को छू लेना चाहते हैं। ये दोनों उस नए भारत से संबंध रखते हैं जो अपनी विरोधी टीम के खिलाड़ियों की आंख में आंख डालकर खेलना जानते हैं। ऋषभ तो बचपन से मेरे द्वारा स्थापित द इंडियन पब्लिक स्कूल, देहरादून से ही १०० प्रतिशत स्कालरशिप पर पढ़ा है और उसने टेस्ट क्रिकेटर बनने का सपना मेरे यहां रहकर ही देखा है, अतः मैं जानता हूं कि आसमान छू लेने वाले खिलाड़ियों का जज्बा कैसा होता है। पिछले साल टोक्यो ओलंपिक खेलों की जेवलिन थ्रो स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा को पूरा यकीन है कि वो इस साल के अंत तक जेवलिन थ्रो में ९० मीटर की दूरी तय कर लेंगे। उनकी प्रैक्टिस में सुधार लगातार जारी है। उधर, रुड़की में पैदा हुए और देहरादून के इंडियन पब्लिक स्कूल में पढ़े ऋषभ पंत ने चालू भारत-इंग्लैंड सीरीज के पहले ही दिन अपने टेस्ट करियर का ५वां शतक जड़ा। उन्होंने मेजबान टीम के गेंदबाजों की कसकर कुटाई की। वे हर बार की तरह से बेखौफ तरीके से बल्लेबाजी करते रहे। यही उनका स्टाइल बचपन से रहा है। कई क्रिकेट के ज्ञानी समीक्षक उन्हें समझाते हैं कि वे किस तरह से खेलें। पर पंत का अपना अलग स्टाइल है। वे दिल से खेलते हैं, दिमाग से नहीं। वे बड़े से बड़े गेंदबाज की सबसे बेहतर गेंद पर भी छक्का मारने की क्षमता रखते हैं। ये उनका आत्म विश्वास है जो उन्होंने अपने देहरादून स्कूल के ध्यानचंद ग्राउंड पर देसी गायों का दूध पीकर विकसित किया है।

दरअसल नीरज चोपड़ा और पंत का संबंध छोटे शहरों से है। नीरज चोपड़ा हरियाणा के रोहतक के एक सामान्य से गांव से आते हैं। उस गांव में खेल का मैदान तक नहीं है। उन्हें आगे बढ़ने के मौके तब मिले जब वे अपने गांव से बाहर निकले। उन्हें सरकार और निजी क्षेत्र ने हर संभव मदद दी। उधर, पंत रुड़की से अंडर-१३ एस.पी. सिन्हा टूर्नामेंट में भाग लेने मेरे देहरादून कैंपस आया और उसे स्कूल ने १०० प्रतिशत स्कालरशिप देकर यहीं रख लिया। यहां से दसवीं का बोर्ड पासकर उसने क्रिकेट की बारीकियों को संवारने के लिए दिल्ली का रुख किया। वे दिल्ली में खेलने के लिए मंदिरों- गुरुद्वारों में रात गुजारने लगे। देखिए कि अगर धीरे-धीरे भारत खेल के मैदान में अपनी जगह बना रहा है तो उसका कुछ श्रेय तो निजी क्षेत्र को भी देना होगा। नीरज चोपड़ा और पंत यह सिद्ध करते हैं कि प्रतिभा बड़े शहरों की गुलाम नहीं है। छोटे शहरों-कस्बों के नौजवानों में भी आगे बढ़ने की अदम्य इच्छा शक्ति होती है। उन्हें अगर अवसर मिले तो वे दुनिया को अपनी मुट्ठी में कर सकते हैं।

नीरज चोपड़ा के जेवलिन थ्रो को ९० मीटर की दूरी तक फेंकने संबंधी दावे को सही परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है। जेवलिन थ्रो में ९० मीटर एक अहम मानक माना जाता है और लगातार इस दूरी तक जेवलिन फेंकने वाले खिलाड़ियों की संख्या काफी कम है। कहते ही हैं कि अगर आप कोई सपना देखोगे तो उसे पूरा भी कर लोगे। हां, उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आपको कड़ी मेहनत तो करनी ही होगी। नीरज चोपड़ा सपने देखने के बाद उन्हें साकार करने में जुट जाते हैं। पंत मूल रूप से बिग मैच प्लेयर बनकर उभरे हैं। बोल्ट, डिएगो माराडोना, पेले, लारा, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर बिग मैच प्लेयर रहे हैं। ये उन मैचों में छा जाते हैं जो मैच अपने आप में खास होते हैं। इस तरह के मैच किसी चैंपियनशिप का फाइनल भी हो सकते हैं। पंत बार-बार सिद्ध करते हैं कि वे बिग मैच प्लेयर हैं। माराडोना तो पक्के बिग मैच प्लेयर थे। वे बड़े और अहम मैचों में छा जाते थे। तब उनका जलवा देखते ही बनता था। बड़े खिलाड़ी का यही सबसे बड़ा गुण होता है कि वे खास मैचों या विपरीत हालातों में भी पूरे मैच में छा जाता है। माराडोना छोटी-कमजोर टीमों के खिलाफ अपने जौहर नहीं दिखा पाते थे। अगर बात फिर से नीरज चोपड़ा की करें तो उनकी सारी बॉडी लैंग्यूज को देखकर ही समझ आ जाता है कि वे भीड़ का हिस्सा नहीं हैं। जरा याद करें जब उन्होंने टोक्यो में अपनी स्पर्धा के फाइनल में जेवलिन हाथ में लिया तब उनके चेहरे के भावों को पढ़ा जा सकता था। साफ लग रहा था कि वे देश की झोली में कोई मेडल तो अवश्य डालेंगे, पर उन्होंने तो देश को सोना देकर आनंदित कर दिया था। खेलों की जननी मानी जाती है एथलेटिक्स। उसमें भारत के हिस्से में ओलंपिक खेलों में कभी कोई शानदार सफलता नहीं आई थी। हम मिल्खा सिंह, पीटी ऊषा, जीएस रंधावा तथा श्रीराम सिंह के ओलंपिक खेलों में ठीक-ठाक प्रदर्शन को याद करके खुश हो जाते थे। पर भारत को अभी नीरज चोपड़ा और पंत जैसे सैकड़ों विश्वास से लबरेज खिलाड़ियों की दरकार है। अभी तो बस शुरुआत है। ये सिलसिला जारी रहना चाहिए।

किसी भी देश का विकास इस बात से साबित होता है कि वहां खेलों की दुनिया में किस तरह की उपलब्धियां अर्जित की जा रही हैं। कहीं नीरज चोपड़ा और ऋषभ पंत की उपलब्धियों के आगे नेपथ्य में न चली जाएं। भारत की पुरुष बैडमिंटन टीम ने हाल ही इतिहास रचा है। आप जानते हैं कि भारत ने थामस कप के फाइनल में १४ बार के चैंपियन इंडोनेशिया को ३-० के अंतर से हराकर ये उपलब्धि हासिल की। लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत, सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी ने भारत को थामस कप जितवाया। इसे बैडमिंटन की विश्व चैंपियनशिप माना जाता है। थामस कप में विजय से पहले भारत के बैडमिंटन सेंसेशन लक्ष्य सेन ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गए थे। और अंत में बात भारतीय मुक्केबाज निखत जरीन की। उन्होंने कुछ समय पहले इस्तांबुल में महिला विश्व चैंपियनशिप के फ्लाइवेट (५२ किलोग्राम) वर्ग के एकतरफा फाइनल में थाईलैंड की जिटपोंग जुटामस को ५-० से हराकर विश्व चैंपियन बनीं। तेलंगाना की मुक्केबाज जरीन ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान प्रतिद्वंद्वियों पर दबदबा बनाए रखा और फाइनल में थाईलैंड की खिलाड़ी को सर्वसम्मत फैसले से हराया। जरीन इस जीत के साथ २०१९ एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता जरीन विश्व चैंपियन बनने वाली सिर्फ पांचवीं भारतीय महिला मुक्केबाज बनीं। छह बार की चैंपियन एमसी मैरीकोम (२००२, २००५, २००६, २००८, २०१० और २०१८), सरिता देवी (२००६), जेनी आरएल (२००६) और लेखा केसी इससे पहले विश्व खिताब जीत चुकी हैं। तो बात यह है कि भारतीय खिलाड़ी एकल और टीम खेलों में भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। उनको जीत का स्वाद रास आने लगा है। अब उन्हें आगे से कोई रोक नहीं सकता।(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

आस्था और अविश्वास के बीच

सर्वोच्च न्यायालय ने ज्ञानवापी विवाद वाराणसी के जिला जज को वापस करते हुए इसे प्राथमिकता के आधार पर सुनने का आदेश दिया है। आला अदालत ने जिला प्रशासन से वुजूखाने को सुरक्षित रखने के साथ यह भी कहा है कि नमाजियों को किसी तरह की कोई दिक्कत न हो। हिंदू पक्ष का कहना है कि वुजू के लिए प्रयुक्त होने वाले हौज से शिवलिंग मिला है, जबकि मुस्लिम इसे फव्वारा बता रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट इस मसले को अब जुलाई के दूसरे सप्ताह में सुनेगा।

यह एक दुरूह कानूनी लड़ाई की शुरुआत भर है, फिर मामला सिर्फ ज्ञानवापी तक नहीं सिमटा रह बचा है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान, कुतुब मीनार, ताजमहल, भोजशाला सहित तमाम विवादों के तंदूर फिर से गरम होने लगे हैं। क्या हम १९८९ से ९२ के बीच के उथल-पुथल वाले दौर में प्रवेश कर रहे हैं? वे लोग, जो यह मानते हैं कि समस्या की जड़ महज एक धर्म के बाशिंदे हैं, उन्हें याद दिलाना चाहूंगा कि ईसा और मोहम्मद साहब के पैदा होने से पहले भी हमारे देश में विभिन्न पंथों के लोग आपस में टकराते रहते थे। जनश्रुति है कि चाणक्य को अपने शिष्य चंद्रगुप्त और उनके दरबार को कुछ समय के लिए छोड़ना पड़ा था। वजह? युवा सम्राट जैन मुनि भद्रबाहु के प्रभाव में आ गए थे।

वापस ज्ञानवापी पर लौटते हैं। जरा सोचिए, जिस औरंगजेब ने भगवान महादेव के मंदिर का ध्वंस किया, उसी ने काशी के अपारनाथ मठ और टेकरा मठ के निर्माण में आर्थिक सहयोग दिया। बाबा अपारनाथ ने विश्वनाथ मंदिर तोड़ने और मस्जिद बनाने का विरोध किया था। इसके बाद यह शाही करम क्यों? क्या वह आस्था के एक केंद्र के ध्वस्तीकरण और अन्यों को शाही इमदाद देकर काशी की रिआया को भरमाए रखना चाहता था, ताकि बगावत को रोका जा सके? या, वह हिंदू धर्म की अंतरधाराओं में अपनी निष्कृति खोज रहा था?

यह भी सोचने की बात है कि जब औरंगजेब शहजादा हुआ करता था, तब उसने एक हुक्मनामा जारी किया था। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के भारत कला भवन में महफूज इस दस्तावेज में लिखा है- 9अबुल हसन (वाराणसी में तैनात सिपहसालार) को यह जानकारी हो...हमारे धार्मिक कानून द्वारा यह निर्णय किया गया है कि पुराने मंदिर न तोड़े जाएं और नए मंदिर भी न बनें। इन दिनों हमारे अत्यंत आदर्श एवं पवित्र दरबार में यह खबर पहुंची है कि कुछ लोग द्वेष और वैमनस्यता के कारण बनारस एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में कुछ ब्राह्मणों को परेशान कर रहे हैं। साथ ही, मंदिर की देखभाल करने वाले ब्राह्मणों को उनके पदों से हटाना चाहते हैं, जिससे उस समुदाय में असंतोष पैदा हो सकता है। इसलिए हमारा यह शाही आदेश है कि फरमान के पहुंचते ही तुम यह चेतावनी जारी करो कि भविष्य में ब्राह्मणों और अन्य हिंदुओं को किसी प्रकार के अन्याय का सामना न करना पड़े। वे सभी शांतिपूर्वक अपने व्यवसाय में लगे रहें और अल्लाह द्वारा दिए गए साम्राज्य (जो हमेशा बरकरार रहेगा) के लिए पूजा-पाठ करते रहें। इसे शीध्रातिशीध्र लागू होना चाहिए।“

शहजादे ने यह खत क्यों लिखा? क्या वह शाहजहां द्वारा मंदिरों को जमींदोज किए जाने से नाराज था? डॉक्टर मोतीचंद्र ने काशी का इतिहास में बादशाहनामा के हवाले से लिखा है कि शाहजहां ने इलाहाबाद के सूबेदार हैदर बेग को मंदिर तोड़ने का हुक्म दिया था। ताजमहल के तौर पर दुनिया को प्रेम की अमिट निशानी देने वाले शाहजहां के राज में काशी के ७६ धर्मस्थल तोड़े गए थे। अगर औरंगजेब इससे क्षुब्ध था, तो गद्दी संभालने के बाद वह धर्मांध क्यों हो गया? कुछ विद्वान इसे दरबार का दबाव, तो कुछ तत्कालीन सियासत का तकाजा बताते हैं। यह भी एक तथ्य है कि उसने गोलकुंडा के शासक से नाराज होकर वहां की जामा मस्जिद तोड़ने का हुक्म दिया था। बात चली है, तो बता दूं कि दक्कन का इलाका उसकी दुखती रग था। उसने इसे जीतने में अपनी लंबी हुकूमत का अधिकांश समय और संसाधन झोंक दिए। शाहजहां का इमारत प्रेम और औरंगजेब की दक्कन पिपासा शाही खजाने पर भारी पड़ी। ऊपर से औरंगजेब ने ईस्ट इंडिया कंपनी को माफी और फिर से तिजारत की इजाजत दे दी। बताने की जरूरत नहीं कि उसके बाद मुगलिया सल्तनत और हिन्दुस्तान का क्या हुआ?

इसमें कोई दो राय नहीं है कि हिंदुओं के तीन सर्वाधिक पवित्र धार्मिक स्थलों सहित हजारों की संख्या में मंदिर तोड़कर उनकी जगह मस्जिदें बना दी गई थीं। इसकी वजह से देश के बहुसंख्यकों में सदियों से गम और गुस्से का संचार है। उनकी भावनाओं पर मरहम कैसे लगाया जाए? राम मंदिर आंदोलन के दौरान लालकृष्ण आडवाणी और स्वर्गीय अशोक सिंघल ने सुझाया था कि अगर हमें अयोध्या, मथुरा और काशी मिल जाएं, तो आगे इस तरह की मांग नहीं रखेंगे। इस पर मुस्लिम राजनेता और धार्मिक 9एक्टिविस्ट“ यकीन नहीं रखते। उनका मानना है कि अगर वे इस दावे को सच मान भी लें, तो इसकी कोई गारंटी नहीं कि आने वाले सालों में तीन हजार से अधिक तथाकथित विवादग्रस्त मुस्लिम धार्मिक स्थलों से छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की मांग है कि १८ सितंबर, १९९१ के अधिनियम को हर हाल में व्यावहारिक धरातल पर लाया जाए। इस अधिनियम के अनुसार, भारत में १५ अगस्त, १९४७ को जो धर्मस्थल जिस स्वरूप में था, उसे संरक्षित रखा जाना है।

तय है, बात अविश्वास की है। अगर हम अपनी साझी संस्कृति और इतिहास के सही उदाहरणों पर अमल करें, तो बीच का रास्ता निकल सकता है। मध्य प्रदेश की भोजशाला में झगड़ा थामने के लिए यही तो किया गया था। वहां मंगलवार को हिंदू पूजा करने जाते हैं और शुक्रवार को मुस्लिम नमाज अदा करते हैं, लेकिन पिछले दिनों भोजशाला में नमाज रोकने के साथ सरस्वती प्रतिमा की स्थापना का वाद दायर किया गया है।

तय है, मामला सिर्फ धार्मिक स्थलों का नहीं है। हमें आपसी खाइयों को पाटना होगा। सदियों से शहंशाहों और राजनेताओं ने बड़े शातिर तरीके से ये खाइयां खोदी हैं। देश के समझदार लोग और खुद को जिम्मेदार बताने वाले राजनेता क्यों न इस संबंध में कोई पहल करें?

ऐसा नहीं है कि जाती दुनिया अनुसरण के लिए कोई नेक उदाहरण नहीं छोड़ गई है। इतिहास की कंदराओं में बहुत दूर भटके बिना द्वितीय विश्व युद्ध का एक उदाहरण देता हूं। उन दिनों जापान के पर्ल हार्बर नरमेध का जवाब अमेरिका ने हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराकर दिया था। नतीजतन, दो लाख से अधिक लोग मारे गए और जापान तबाही के कगार पर पहुंच गया, मगर दोनों देशों ने लंबे समय तक नफरत नहीं पाली। अमेरिका ने जापान को आर्थिक और सामाजिक तौर पर खड़ा होने में मदद की। यही वजह है कि कुछ साल पहले तक यह देश संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति हुआ करता था।

हमें महापंडित राहुल सांकृत्यायन की नसीहत भूलनी नहीं चाहिए। उन्होंने कहा था- 9जो लोग इतिहास को नहीं समझते, वे खुद इतिहास बन जाते हैं।“ अब यह हमें तय करना है कि २१वीं सदी का भारत इतिहास रचना चाहता है या इतिहास में समा जाना चाहता है?

नूपुर दोषी, तो भगवान शिव का मजाक उड़ाने वाले क्यों नहीं?

बिक्रम उपाध्याय

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा को देश में सांप्रदायिक वैमनस्य के लिए सीधे-सीधे जिम्मेदार ठहराया है। यहां तक कि उदयपुर में जिन दो जिहादियों ने कन्हैया कुमार का गला रेता, उसके लिए भी नूपुर के बयान को जिम्मेदार ठहराया है। अदालत की प्रक्रिया और निर्णय का सम्मान हर नागरिक का कर्तव्य है। इस नाते यह मान लिया जाए कि भाजपा की पूर्व प्रवक्ता ने एक खास मजहब के रसूल के लिए अभद्र टिप्पणी कर देश का माहौल बिगाड़ दिया और उसी के कारण हर जगह फसाद हो रहे हैं, क्योंकि उस मजहब के मानने वालों के लिए उनके रसूल के खिलाफ बोलना सिर तन से जुदा होने का हकदार होना है। अदालत की बात को यहीं छोड़ते हैं। बात करते हैं विभिन्न संप्रदायों के कथित जानकारों, ठेकेदारों, नेताओं और उनके अनुयायियों के व्यवहार और बयानों की। फिर तय करते हैं कि किसने किस संप्रदाय या मजहब का कितना सम्मान किया और कितना अपमान किया। और उस सम्मान और अपमान को किस समुदाय ने कितना सहा और किसने किस तरह से प्रतिकार किया। किस समाज या संप्रदाय ने कितनी हिंसक और कितनी अहिंसक प्रतिक्रिया दी। २६ मई को नूपुर शर्मा ने एक टीवी बहस के दौरान पैगंबर मोहम्मद के लिखाफ कथित टिप्पणी की थी। २७ मई को एक ऑनलाइन पोर्टल का सह स्वामी इस मामले को एक ट्वीट के जरिए उठाता है। इस ट्वीट पर देश के कथित लिबरल और अंतरराष्ट्रीय मुस्लिम बिरादरी उठ खड़ी होती है। २९ मई को रजा अकादमी मुंबई की शिकायत पर महाराष्ट्र पुलिस नूपुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लेती है। उसके तुंरत बाद से नूपुर को फोन पर सिर तन से जुदा करने से लेकर बलात्कार की धमकियां मिलनी शुरू हो जाती है। नूपुर शर्मा महिला आयोग से इसकी शिकायत करती हैं। २८ मई को दिल्ली पुलिस के पास सैकड़ों ई-मेल और आवेदन आते हैं कि मुकदमा दर्ज कर नूपुर को गिरफ्तार किया जाए। ...और एफआईआर दर्ज भी हो जाती है। ०१ जून को एआईएमआईएम के नेता असुद्दीन ओवैसी के कहने पर हैदराबाद में भी नूपुर शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज होती है।

नूपुर शर्मा ०५ जून को अपने वक्तव्य पर माफी मांगती हैं। उसके बावजूद भाजपा उसे निलंबित कर देती है। लिबरल्स और कानून इसे नाकाफी समझता है। समझने की जरूरत है कि जो लोग देश में असहिष्णुता का माहौल कह कर भारत की छवि एक कट्टर देश के रूप में बनाने में लगे हैं वे नूपुर शर्मा के प्रति कितने सहिष्णु हैं और कितने उदार। औरंगाबाद से ओवैसी के सांसद इम्तियाज जलील की उदारता देखिए। कहते हैं- इस्लाम शांति का मजहब है, लेकिन लोग गुस्से में हैं, इसलिए मांग करता हूं कि नूपुर शर्मा को फांसी दे देनी चाहिए। क्या किसी ने बैरिस्टर ओवैसी से पूछा कि उन्होंने इम्तियाज का क्या किया। कुछ बेहूदे लोग प्रचार कर रहे हैं कि कांग्रेस शासित राजस्थान के उदयपुर में कन्हैया लाल का गला धड़ से अलग कर देने वाले भाजपा की हेट की राजनीति की उपज हैं। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री और आरएसएस को इस हत्याकांड के लिए जिम्मेदार बता दिया लेकिन खुद को कांग्रेस का समर्थक कहलाने वाली ज्योत्सना धनकड़ गुलिया के नूपुर शर्मा के बारे में इस ट्वीट पर कि ये रांड (नूपुर शर्मा) मर जाती इससे अच्छा तो, पर किसी कांग्रेस के नेता के मन में भारत की सभ्यता नहीं जगी। यही ज्योत्सना पहले से ही प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री स्मृति के बारे में खुलेआम गालियां देती रही है।

किसी ने किसी कोर्ट को नहीं बताया कि पैगंबर की तौहीन जिस तारीख को नूपुर ने की, उसके महीने भर पहले से रोज ही किसी न किसी द्वारा ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाने में मिले कथित शिवलिंग के आकार को लेकर सरेआम मीडिया पर मजाक उड़ाया गया। ओवैसी के ही एक नेता सरेआम टीवी पर यह कहते सुनाई दिए कि ज्ञापवापी से जो शिवलिंग मिला है बताओ किसी पुरुष या महापुरुष के लिंग का घाट ऐसा होता है। किसी सलमान हिंगवाने ने मसाला कूटने वाले पत्थर के खल मूसल की तस्वीर शेयर करते हुए कटाक्ष किया- आज मैं बाजार आया हूं इसे खरीदने, देख लो यह मिर्च मसाला कूटने वाली ओखली ही है ना। कहीं बाद में मेरे घर पर कब्जा न हो जाए। कवीश मिक्सी दिखाकर कर पोस्ट करती हैं- अम्मा कहती हैं इसे छुपा लो। एक मोहम्मद सैफुद्दीन सड़क के किनारे काले पत्थर की लगी रेलिंग का फोटो डाल कर कहते हैं- अगर यह सब हिंदुस्तान (आशय हिंदू राज्य से) में होता तो वाजिब उल मंदिर हो जाता। अंधभक्ति की कोई सीमा होती है। हर चीज में शिवलिंग ही तुम्हें दिखता है। एक शादाब चौहान इसी तरह की सफेद पत्थर की रेलिंग को दिखा कर कहते हैं- जज साब कैन सील दिस एरिया, व्हेन समऑन क्लेम इट एज शिवलिंग। ऐसे हजारों पोस्ट ज्ञानव्यापी के नाम मिले जाएंगे। क्या वे कहीं से भाईचारा बिगाड़ने के जिम्मेदार नहीं हैं।

भाईचारा कौन कितना बढ़ाता है और कितना बिगाड़ता है इसकी एक नहीं कई बानगी हैं। उदाहरण जाहिलों के नहीं, पढ़े-लिखों के भी हैं। देश में मुस्लिमों को दबाने और भाजपा के शासनकाल में भेदभाव होने का सबसे ज्यादा आरोप लगाने वाले मुस्लिम नेता ओवैसी और उनके भाई का भाषण क्या नहीं सुना किसी ने। औरंगाबाद का एक मौलवी सितंबर २०१९ में अपनी तकरीर में कहता है कि मुसलमानों के लिए किसी और धर्म के लिए विश करना या उनका बनाया खास खाना भी हराम है। उत्तर प्रदेश का मौलाना जरजिस अंसारी खुले मंच से कहता है कि भगवान कृष्ण भी इस्लाम के समर्थक थे। उन्होंने अर्जुन को पांच वक्त की नमाज पढ़ने का हुक्म दिया था। यही मौलवी प्रधानमंत्री मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को ललकारते हुए कहता है कि हम मुसलमान भारत से नहीं भागेंगे, भागोगे तुम। फिर कहता है कि हमारे पास विकल्प जेहाद का है- मुसलमान तलवार उठाएगा।

आज नूपुर को कहा जा रहा है कि उसके कारण देश की एकता खतरे में पड़ गई है। क्या कोई दो साल पहले जनवरी २०२० में शाहीन बाग का धरना और वहां का भाषण याद करना चाहेगा, जहां कहा गया था कि यदि मुसलमानों को अपनी बात कहने और मनवाने का हक नहीं मिलता तो मुसलमान आइडिया ऑफ इंडिया को रिजेक्ट कर देंगे। क्या कोई यूपी के बड़े नेता आजम खान से कोई पूछेगा कि उन्होंने सेना को हिंदू-मुसलमान में बांट कर यह क्यों कहा कि कारगिल में हिंदू सैनिकों ने नहीं मुसलमान सैनिकों ने भारत को जीत दिलाई। क्या कोई ओवैसी से पूछेगा कि उन्होंने हिंदुओं को बच्चा पैदा करने की शक्ति को लेकर यह क्यों कहा- 'माशा अल्लाह हमारी जनसंख्या पर आरएसएस परेशान है। विश्व हिंदू परिषद की धर्म संसद में कहा गया कि चार- चार बच्चा पैदा करो। खुद एक भी पैदा नहीं करते। अच्छा नहीं कर सकते तो औरंगाबाद में एक पान की दुकान है सारा पान शॉप। सारा का पान खाओ और टन टना फायदा होगा।' ओवैसी इसी तरह से भाईचारा बढ़ाते हैं। वे किसी की भावना को ठेस नहीं पहुंचाते। कौन भूल गया अकबरूद्दीन ओवैसी की वह बात कि मुसलमान २५ करोड़ हैं और हिंदू १०० करोड़। १५ मिनट के लिए पुलिस को हटा लो बता देंगे किसमें हिम्मत है।

तीन जून को तमिलनाडु में डीवीके, वीसीके और सीपीआई एक जुलूस निकालकर भगवान कृष्ण को रेपिस्ट बताते हैं और भगवान अयप्पा की पूजा का मजाक उड़ाते हैं और वहां की डीएमके की सरकार कुछ नहीं करती। कोई अदालत इसका संज्ञान लेती है क्या? नहीं लेती। तो हमारे बुद्धिजीवियों की तरह अदालत भी मानती है कि दूसरे मजहब, पूजा पद्धति या पीर पैगम्बर के प्रति सम्मान या संयम सिर्फ हिंदुओं को रखना है, बाकी सभी को हिंदुत्व या हिंदू देवी-देवताओं के प्रति असहिष्णु होने और अपमान करने का अधिकार है।(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

भारत प्लास्टिक मुक्त कैसे हो?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

प्लास्टिक पर ०१ जुलाई से सरकार ने प्रतिबंध तो लागू कर दिया है लेकिन उसका असर कितना है? फिलहाल तो वह नाम मात्र का ही है। वह भी इसके बावजूद कि १९ तरह की प्लास्टिक की चीजों में से यदि किसी के पास एक भी पकड़ी गई तो उस पर एक लाख रुपये का जुर्माना और पांच साल की सजा हो सकती है। इतनी सख्त धमकी का कोई ठोस असर दिल्ली के बाजारों में कहीं दिखाई नहीं पड़ा है। अब भी छोटे-मोटे दुकानदार प्लास्टिक की थैलियां, गिलास, चम्मच, काड़िया, तश्तरियां आदि हमेशा की तरह बेच रहे हैं। ये सब चीजें खुले-आम खरीदी जा रही हैं। इसका कारण क्या है?

यही है कि लोगों को अभी तक पता ही नहीं है कि प्रतिबंध की घोषणा हो चुकी है। सारे नेता लोग अपने राजनीतिक विज्ञापनों पर करोड़ों रुपया रोज खर्च करते हैं। सारे अखबार और टीवी चैनल हमारे इन जन-सेवकों को महानायक बनाकर पेश करने में संकोच नहीं करते लेकिन प्लास्टिक जैसी जानलेवा चीज पर प्रतिबंध का प्रचार उन्हें महत्वपूर्ण ही नहीं लगता। नेताओं ने कानून बनाया, यह तो बहुत अच्छा किया लेकिन ऐसे सैकड़ों कानून ताक पर रखे रह जाते हैं। उन कानूनों की उपयोगिता का भली-भांति प्रचार करने की जिम्मेदारी जितनी सरकार की है, उससे ज्यादा हमारे राजनीतिक दलों और समाजसेवी संगठनों की है। हमारे साधु-संत, मौलाना, पादरी वगैरह भी यदि मुखर हो जाएं तो करोड़ों लोग उनकी बात को कानून से भी ज्यादा मानेंगे। प्लास्टिक का इस्तेमाल एक ऐसा अपराध है, जिसे हम 9सामूहिक हत्या“ की संज्ञा दे सकते हैं। इसे रोकना आज कठिन जरूर है लेकिन असंभव नहीं है। सरकार को चाहिए था कि इस प्रतिबंध का प्रचार वह जमकर करती और प्रतिबंध-दिवस के दो-तीन माह पहले से ही १९ प्रकार के प्रतिबंधित प्लास्टिक बनानेवाले कारखानों को बंद करवा देती। उन्हें कुछ विकल्प भी सुझाती ताकि बेकारी नहीं फैलती। ऐसा नहीं है कि लोग प्लास्टिक के बिना नहीं रह पाएंगे। अब से ७०-७५ साल पहले तक प्लास्टिक की जगह कागज, पत्ते, कपड़े, लकड़ी और मिट्टी के बने सामान सभी लोग इस्तेमाल करते थे। पत्तों और कागजी चीजों के अलावा सभी चीजों का इस्तेमाल बार-बार और लंबे समय तक किया जा सकता है। ये चीजें सस्ती और सुलभ होती हैं और स्वास्थ्य पर इनका उल्टा असर भी नहीं पड़ता है। लेकिन स्वतंत्र भारत में चलनेवाली पश्चिम की अंधी नकल को अब रोकना बहुत जरूरी है। भारत चाहे तो अपने बृहद अभियान के जरिए सारे विश्व को रास्ता दिखा सकता है।

(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं।)

बैकुण्ठपुर विधानसभा क्षेत्र में १९ कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

रायपुर, ४ जुलाई (हि.स.)। मुख्यमंत्री द्वारा सोमवार को बैकुण्ठपुर विश्राम गृह में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा सोमवार को बैकुण्ठपुर विधानसभा क्षेत्र के कुल ८७ करोड़ २० लाख रुपए की लागत के १९ कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया। जिनमें ५८ करोड़ ९६ लाख रुपए लागत के ८ कार्यों का लोकार्पण तथा २८ करोड़ २५ लाख रुपए की लागत के ११ कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

खड़गवां के ग्राम गिद्धमुड़ी में उपस्वास्थ्य केंद्र भवन का निर्माण कार्य २८.१६ लाख रुपए की लागत राशि से, बैकुण्ठपुर में नवीन आयुष पॉलिटेक्निक भवन निर्माण कार्य २५५.०० लाख रुपए की लागत राशि से, बैकुण्ठपुर में जिला चिकित्सालय में हमर लैब की स्थापना एवं अधोसंरचना हेतु २५ लाख रुपए की लागत राशि, आमापारा में नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण कार्य हेतु २८.५१ लाख रुपए की लागत राशि से, चिरमी से पेटमा मार्ग पर गेज नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुच मार्ग का निर्माण कार्य ७६४.८३ लाख रुपए की लागत राशि से, एन एच ४३ मुक्तिधाम के पास गेज नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण ३१३.७५ लाख रुपए लागत राशि से, जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत पेजयल व्यवस्था हेतु ४९ नग सोलर ड्यूल पंप की स्थापना ५१५.०० लाख रुपए लागत राशि से, सरडी शिवपुर तेंदुपारा पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य २७९.०० लाख रुपए लागत राशि से, डोहड़ा से टेंगनी के ७ किमी मार्ग का निर्माण २७६.२८ लाख रुपए लागत राशि से, ग्राम पंचायत खरवत में स्वामी आत्मानन्द शासकीय उत्कृष्ठ हिंदी माध्यम विद्यालय का नव निर्माण एवं जीर्णोद्धार १३७.३८ लाख रुपए की लागत राशि के तथा प्रकाश व्यवस्था हेतु ५० नग सोलर हाई मास्ट स्थापना हेतु २०२.०० लाख रुपए की लागत राशि के कार्यों का भूमिपूजन किया गया।

जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत पेजयल व्यवस्था हेतु १४० नग सोलर ड्यूल पंप की स्थापना २१४१.०० लाख रुपए लागत राशि से, सौर सुजला योजनान्तर्गत ४९१ नग सोलर पंप की स्थापना १३६५.०० लाख रुपए लागत राशि से, खाडा से एन.एच. रनई व्हाया अमहर- चिरगुडा- तेन्दुआ के १८.४० किमी सड़क का निमार्ण कार्य ११५१.९९ लाख रुपए लागत राशि से, नगर से सलका व्हाया गदबदी - डोडीबहरा- सारा १७.४० किमी का निमार्ण ६०९.३९ लाख रुपए लागत राशि से, ग्राम भण्डारपारा से शंकरपुर मार्ग से लोटानपारा पहुँच मार्ग लं. ०३ किमी पुल-पुलियों निमार्ण २८७.८५ लाख रुपए लागत राशि से, केनापारा एन. एच. से नरसिंहपुर-देवरी-भण्डारपारा तक १.५० किमी मार्ग २४१.५४ लाख रुपए लागत राशि से, बैकुण्ठपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मनसुख में स्टाफ क्वाटर निर्माण ६२.०० लाख रुपए की लागत राशि से, बैकुण्ठपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना में १० बिस्तरीय आइसोलेशन वार्ड निर्माण कार्य ३७.२८ लाख रुपए लागत राशि के कार्यों का लोकार्पण किया गया।

खेलों को बढ़ावा देकर प्रतिभावान खिलाड़ियों को उचित अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे : डीसी

खूंटी: उपायुक्त शशि रंजन की अध्यक्षता में सोमवार को जिला स्तरीय खेल संचालन समिति की बैठक आयोजित की गयी। इस दौरान जिले के खेल पदाधिकारी, खेल संघों के सदस्य, डे बोर्डिंग और आवासीय प्रशिक्षक सहित अन्य उपस्थित थे। मौके पर उपायुक्त ने खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किये जा रहे कार्यों की जानकारी अधिकारियों और खेल संघों से ली। डीसी ने कहा कि खूंटी जिले में खेल के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर उचित स्पोर्ट्स पॉलिसी तैयार की जाय।

खिलाड़ियों के बेहतर व उचित प्रशिक्षण देकर उन्हें जिला प्रशासन द्वारा पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा। इस दौरान खेलकूद के क्षेत्र में कार्य कर रहे खेल संघ, संस्थाओं और खेल प्रशिक्षकों के साथ खेलकूद से सम्बन्धित विषयों पर चर्चा की गई। सभी संस्था व खेल प्रशिक्षक और खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सहयोग और सामग्री उपलब्ध कराने का निर्देश उपायुक्त ने जिला खेल पदाधिकारी को दिया। जिले के सभी प्रखण्डों में मैदान के साथ-साथ फेंसिंग, हॉकी गोल पोस्ट निर्माण करने का निर्णय लिया गया। उपायुक्त ने कहा कि जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने एवं सम्बन्धित कार्यों के उचित संचालन के लिए अपर समाहर्ता को नोडल बनाया गया है।

जिला स्तर पर ५० आर्चरी खिलाड़ी खेल से जुड़े हैं। आर्चरी प्रशिक्षक द्वारा जिला स्तरीय आर्चरी आवासीय प्रशिक्षण केंद्र और प्रखण्ड स्तरीय डे-बोर्डिंग की व्यवस्था की मांग की गई, जिसमें आवासीय एवं डे बोर्डिंग की व्यवस्था के लिए विभाग से स्वीकृति प्राप्त करने का निर्णय लिया गया। उपायुक्त ने कहा कि बिरसा कॉलेज फुटबॉल स्टेडियम परिसर में जिले के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों मारंग गोमके, निक्की प्रधान और अन्य खिलाड़ियों की उपलब्धियों को प्रचारित किया जाएगा, जिससे जिले के अन्य खिलाड़ी प्रेरित हों।

उपायुक्त ने जिले के विभिन्न खेलों आर्चरी, हॉकी, बैडमिंटन, फुटबॉल, कराटे, क्रिकेट, बास्केटबॉल व अन्य खेलों के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी खिलाड़ियों का आईडी कार्ड बनाने का भी निर्देश दिया। उनके लिए परिवहन की सुविधा, विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों के लिए हेल्थ क्लब के माध्यम से मिलने वाली सुविधा और मेडिकल सेवाएं भी सुगम रूप से उपलब्ध हो पाएंगी। उन्होंने जिला खेल पदाधिकारी को निर्देश दिया कि जिला स्तर पर भी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करें, ताकि खिलाड़ियों की प्रतिभानिखरे और उनका मनोबल बढ़े।

१५ श्रद्धालुओं का जत्था अमरनाथ और वैष्णव देवी की यात्रा पर रवाना

खूंटी, ४ जुलाई (हि.स.)। कर्रा रोड खूंटी से १५ श्रद्धालुओं का जत्था सोमवार को अमरनाथ, वैष्णव देवी और, शिवखौड़ी की यात्रा के लिए रवाना हुआ। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार और वार्ड पार्षद अनूप कुमार साहू के अलावा अन्य समाजसेवियों ने अंगवस्त्र, फल और भोजन पैकेट के साथ जरुरत की सामग्री देकर भक्तों के जत्थे को रवाना किया। श्रद्धालुओं की अगुवाई जयपाल महतो, चंद्रशेखर महतो, सरस्वती देवी, राजेश्वरी देवी, मीना देवी, सावित्री देवी और ललिता देवी कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की रवानगी के मौके पर वयोवृद्ध भाजपा नेता मुनिनाथ मिश्रा, ज्योतिष भगत, परमेश्वर प्रसाद, जय प्रकाश भाला, नकुल भगत, बजरंग बाहेती, अशोक अग्रवाल, सुनील साहू, राजू गुप्ता, कृष्णा लाल, सूरज महतो आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस विधायकों ने सोरेन सरकार की कार्यशैली पर जताई नाराजगी

रांची, ४ जुलाई (हि.स.)। राज्य कांग्रेस के विधायक राज्य सरकार के कामकाज से निराश हैं। विधानसभा परिसर में सोमवार को हुई विधायक दल की बैठक में कई विधायकों ने अपना दुखड़ा रोया। इस बैठक में बैठक में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई।

विधायक दल के नेता और राज्य के मंत्री आलमगीर आलम की अध्यक्षता में हुई बैठक में विधायकों ने कहा कि सरकारी कार्यक्रमों में उन्हें वाजिब तरीके से आमंत्रण और सम्मान नहीं मिल रहा है। सरकार को अपनी कार्यशैली सुधारनी चाहिए। बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा की जीत की संभावनाओं को लेकर विचार-विमर्श हुआ।

बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने बताया कि पार्टी विधायकों

में सरकार के कार्यों को लेकर थोड़ी नाराजगी है। विधायकों ने अपने-अपने स्तर से मुद्दों को लेकर बातें रखी हैं। विधायकों ने प्रखंडों में सीएचसी और पीएचसी को भी दुरुस्त करने, पानी-बिजली व्यवस्था सुधारने की मांग रखी। बैठक में कांग्रेस के मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, बादल पत्रलेख, बन्ना गुप्ता, विधायक दीपिका पांडे सिंह, ममता देवी, अंबा प्रसाद, राजेश कच्छप, विक्सल कोनगाड़ी और शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुई।

१३ जिलों के २६ प्रखंड के मुखिया को दिया गया प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण

खूंटी:समेति, झारखंड और एनसीएनएफ की झारखंड इकाई के संयुक्त तत्वावधान में नवनिर्वाचित ग्राम पंचायत के मुखिया का प्राकृतिक खेती के ऊपर ऑनलाइन प्रशिक्षण की शुरुआत सोमवार को हुई। प्रशिक्षण के प्रथम दिन में १३ जिलों के २६ प्रखंडों के मुखिया को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में रांची, खूंटी, रामगढ़, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम, पाकुड़, गिरिडीह, गोड्डा, देवघर, पलामू, गुमला, दुमका और हज़ारीबाग जिले के २६ प्रखंडों के नवनिर्वाचित मुखिया ने भाग लिया। मौके पर ३० गैर सरकारी संस्थाओं के मास्टर ट्रेनर (रिसोस पर्सन) द्वारा मुखियाओं को प्राकृतिक खेती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी।

गैर सरकारी संस्थाओं में प्रदान, सर्व सेवा समिति संस्था, सीएसडब्लू, टीएसआरडी, अराउज, ग्रामिका इंडिया, बदलाव फाउंडेशन, सपोर्ट, अग्रगति, अभियुक्ति फाउंडेशन, आशा, एफ़डीएफ़, ग्रामीण भारती, ग्राम ज्योति, जीवीटी, जंगल बचाओ अभियान, कला मंदिर, लोक प्रेरणा, महिला मंडल, प्रवाह, आरडीए, सोर्ड, आरजेएसएस, एसपीडब्लूडीटी. आरआइएफ़, वैदिक सोसाइटी, विकल्प, वासन, वाटर और विकास सहयोग केंद्र के मुख्य प्रशिक्षक द्वारा मुखिआयों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी कार्यक्रम प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद स्थित मैनेज संस्था के सहयोग से देश के विभिन्न राज्यों में प्रदान किया जा रहा है।

रायपुर : छत्तीसगढ़ में बेटियां सुरक्षित नहीं, कानून व्यवस्था है बदहाल : पूजा विधानी

रायपुरः महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य पूजा विधानी ने छत्तीसगढ़ में बेटियों के साथ बढ़ते अपराध के मामलों में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जिस तरह से प्रदेश में अनाचार व दुष्कर्म के मामले बढ़ रहे हैं यह बेहद ही चिंता का विषय है। मस्तूरी क्षेत्र के एक युवती के साथ अनाचार का मामला सामने आया है वह बेहद ही दुखद व पीड़ादायक है। इस मामले के आरोपियों को पुलिस पकड़ने में भी नाकाम है। भिलाई के तहसीलदार पर रेप का आरोप है।

बिलासपुर के एक रेंजर सहित कुछ लोगों के सामूहिक अनाचार का मामला दर्ज हुआ हैं। वहीं जशपुर की एक युवती के अनाचार की घटना घटित हुआ है। भिलाई की एक चार वर्षीय बच्ची के साथ दुराचार हुआ है। जांजगीर के पोड़ीभाटा के एक महिला की संदिग्ध हालत में लाश मिली है जिसके साथ दुष्कर्म की आशंका है। इसी तरह से चारामा में दुष्कर्म के एक मामले में आरोपित द्वारा पीड़िता को धमकाने का मामला सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है कि १ जनवरी २०१९ से १५ फरवरी २०२२ तक प्रदेश में ५१५३ अनाचार के मामले दर्ज हुए है जो बेहद ही दुखद आंकड़ा है। औसतन इन १११० दिनों में लगभग हर दिन ५ महिलाओं के साथ अनाचार की घटनाएं हुई है जो बताता है कि हर पाचवें घंटे में एक महिला अनाचार की शिकार हुई है जो बेहद ही दुखद व चिंताजनक है।

महिला मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य पूजा विधानी ने कहा कि प्रदेश में लगातार नशा की वजह से महिला अपराध के मामले बढ़ते जा रहे हैं। जिसके कारण प्रदेश की महिलाओं में भय का वातावरण व्याप्त है। उन्होंने कहा कि नेशनल क्राइम इन इंडिया के रिपोर्ट के मुताबिक बलात्कार के मामले में प्रदेश ६वें क्रम में है तो वहीं सामूहिक दुराचार के मामले में १२वें स्थान पर है। ये सब आंकड़े बताते है कि प्रदेश में महिला अपराध के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे है इस पर अंकुश लगाने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार को तत्काल महिला सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाना चाहिए। महिला सुरक्षा के नाम पर प्रदेश की कांग्रेस सरकार केवल राजनीति कर रही है।

रायपुर : प्रदेश की कांग्रेस सरकार युवाओं के हर मोर्चे पर छल रही है : ओपी चौधरी

रायपुर, :भाजपा के प्रदेश मंत्री ओपी चौधरी ने यूपीएससी प्री परीक्षा उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थियों को एक लाख रुपये प्रोत्साहन राशि नहीं मिलने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार युवाओं को लेकर जरा भी संवेदनशील नहीं है। पहले बेरोजगारी भत्ता के नाम पर युवाओं को छला है और अब यूपीएससी प्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के युवाओं को एक लाख रुपए प्रोत्साहन राशि देने का वादा किया गया था जो अब तक नहीं मिला है। समय रहते यह राशि नहीं मिलता है तो अभ्यर्थियों के मुख्य परीक्षा की तैयारी पर भी इसका असर पड़ सकता है। लेकिन इस संबंध में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं और आगे की तैयारी के युवाओं के परिवार को कर्ज लेकर लेने को विवश है जिससे कि अपनी तैयारी पूर्ण कर सके।

व्यापार

कैट ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध का पालन करने के लिए और वक्त मांगा

नई दिल्ली, ०३ जुलाई (हि.स.)। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर लागू प्रतिबंध का पालन करने के लिए सरकार से एक साल का वक्त देने की मांग की है। कारोबारी संगठन ने रविवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को इसके लिए एक पत्र भेजा है। कैट ने पर्यावरण मंत्री से व्यापारियों के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध के कार्यान्वयन के लिए बाध्यकारी तरीकों के बजाय एक सुलह दृष्टिकोण के साथ एक साल की लीन अवधि का आग्रह किया है।

कैट ने जारी एक बयान में कहा कि जन-धन योजना की तर्ज पर सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध के लिए एक जन जागरूकता आंदोलन चलाया जाए, ताकि व्यापारियों के साथ-साथ लोगों को इस प्रतिबंध को पूरी तरह लागू करने का कुछ वक्त मिल सके। वहीं, इसका समुचित विकल्प तलाशने और एक राष्ट्रव्यापी बृहद जागरूकता अभियान चलाये जाने की जरूरत है।

कारोबारी संगठन ने कहा कि इसके लिए अधिकारियों और स्टेकहोल्डर्स की एक संयुक्त समिति, निर्माण इकाइयों के लिए अपने व्यवसाय को अन्य विकल्पों में बदलने के लिए सरकार की एक नीति बनें, जिससे बेरोजगारी न फैले।

कैट के राष्ट्रीय राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने भूपेंद्र यादव को भेजे पत्र में कहा कि चूंकि यह परिवर्तन का समय है इसलिए सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम से कम हो। इसको चरणबद्ध तरीके से लागू करने के लिए गंभीर पहल की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार का काम नीति बनाना और आदेशों को लागू करना है, जिससे लक्ष्य को हासिल किया जा सके। लेकिन, इसके लिए एक व्यापक सहयोग और भागीदारी दृष्टिकोण को अपनाने की जरूरत है, जिसका जिक्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'सहभागी शासन' के तहत किया है। इसके साथ ही खंडेलवाल ने मैन्युफैक्चरिंग यूनिटों से भी सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने जैसी बाध्यकारी कदम उठाने का आग्रह किया है।

खंडेलवाल ने पर्यावरण मंत्री से प्रतिबंध को लेकर संबंधित विभागों को निर्देश देने का आग्रह किया है ताकि, वे इसको लेकर किसी भी व्यापारी या इकाई के खिलाफ कम से कम पहले वर्ष में कोई सख्त कार्रवाई न करें। कैट महामंत्री ने सभी स्टेकहोल्डर्स के सहयोग से एक प्रभावी राष्ट्रीय अभियान की शुरुआात करने का आग्रह किया, जिससे यह जन-धन योजना अभियान की तरह एक राष्ट्रीय आंदोलन बन सके। उन्होंने इसके लिए सरकारी अधिकारियों और स्टेकहोल्डर्स के प्रतिनिधियों की एक संयुक्त समिति गठित करने का भी सुझाव दिया, जिसमें सिंगल यूज प्लास्टिक के लिए समान विकल्प सुझाने और विकसित करने के लिए समयबद्ध सीमा तय हो। इससे बिना किसी व्यवधान के देशभर में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद हो सके।

कैट महामंत्री ने कहा कि दुनिया के अन्य देशों ने भी प्लास्टिक प्रदूषण से अपने को मुक्त करने के लिए चरणबद्ध तरीका ही अपनाया है। खंडेलवाल ने कहा कि पिछले चार दशकों से ज्यादा की अवधि में एकल उपयोग प्लास्टिक का प्रचलन लोगों के जीवन का अभिन्न अंग बन गया है। इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल सामानों की पैकेजिंग में होता है क्योंकि, इसकी कीमत कम होती है, जो आसानी से उपलब्ध है। लेकिन, अभी तक इसका विकल्प या तो उपलब्ध नहीं हैं या फिर सिंगल यूज प्लास्टिक की कीमत की तुलना में बहुत महंगा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल व्यापक है, जिसमें खाद्य प्रबंधन, भंडारण, सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन, ऊर्जा प्रबंधन, भवन निर्माण और पैकेजिंग आदि जैसे उद्योग शामिल हैं। ऐसे में एकल उपयोग प्लास्टिक के उपयोग पर तत्काल प्रतिबंध लगने से विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित कई आर्थिक गतिविधियों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा। इसलिए चरणबद्ध तरीके से इसका कार्यान्वयन जरूरी है।

खंडेलवाल ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक देश में लाखों लोगों को रोजगार देने और ६० हजार करोड़ रुपये से जयादा का सालाना कारोबार करने वाला एक बड़ा उद्योग बन गया है। इसके लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों ने बड़े पैमाने पर कर्ज दिया हुआ है। इस लिहाज से बिना कोई समुचित और वैकल्पिक व्यवस्था के सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध से आर्थिक और कारोबारी गतिविधियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा वित्तीय नुकसान के साथ बेरोजगारी भी बढ़ने की संभावना है। ऐसे में इन इकाइयों के लिए वैकल्पिक उत्पादों में बदलने या अर्थव्यवस्था से संबंधित किसी अन्य गतिविधि के लिए सरकार के समर्थन से एक नीति बनाने का आग्रह उन्होंने किया है।

बढ़ी कीमती : जेवराती सोना ५४ हजार के करीब, चांदी ६० हजारी

जोधपुर, ०४ जुलाई (हि.स.)। कीमती धातुओं सोना चांदी में अब भाव लगातार बढ़ रहे है। इसका सीधा असर घरेलु बाजार पड़ता दिख रहा है। सावों की सीजन के बीच सोना चांदी के भाव मानों आसमान छू रहे हो। हाल ही में केंद्र सरकार ने सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाई है। केंद्र सरकार द्वारा सोने पर बढ़ाई गई इंपोर्ट ड्यूटी का असर घरेलू बाजार पर नजर आने लगा है। इधर प्रदेश में बीते ४ दिनों में सोने की कीमत में १४०० रुपए का इजाफा हुआ है। जिसके बाद सोमवार को स्टैंडर्ड सोने की कीमत बढ़ कर ५३ हजार ७०० रुपए पर पहुंच गई है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में हुई गिरावट की वजह से चांदी की कीमत घटकर ५९ हजार ८०० रुपए पर बरकरार है।

सर्राफा कमेटी की और से जारी भाव के अनुसार जोधपुर में १० ग्राम २४ कैरेट सोने की कीमत बढक़र ५३ हजार ७०० रुपए पर आ गई है। जबकि २२ कैरेट प्रति १० ग्राम सोने की कीमत सोने की कीमत ५१ हजार ५०० रुपए पहुंच गई है। जबकि सोना १८ कैरेट ४३ हजार ५०० रुपए प्रति दस ग्राम और १४ कैरट ३५ हजार २०० रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी रिफाइन की कीमत ५९ हजार ८०० रुपए प्रति किलो पर बरकरार है। जोधपुर के सर्राफा व्यापारी दीपक सोनी के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार की वजह से सोने की कीमत कम हुई थी। लेकिन इंपोर्ट ड्यूटी बढ ? की वजह से सोने की कीमतों में इजाफे का दौर शुरू हो गया है। जो अगले कुछ वक्त तक जारी रहेगा। ऐसे में स्टैंडर्ड सोने की कीमत बढक़र ५५ हजार तक पहुंच सकती है।

आईटी के ई-फाइलिंग पोर्टल पर फिर आई दिक्कत

नई दिल्ली, ०२ जुलाई (हि.स.)। आयकर विभाग के नए ई-फाइलिंग पोर्टल पर करदाताओं को इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने में एक बार फिर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, इंफोसिस इन दिक्कतों को दूर करने का प्रयास कर रहा है। आयकर विभाग ने शनिवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी।

आयकर विभाग की ओर से ट्वीट कर दी गई जानकारी में कहा गया है, यह देखा गया है कि करदाताओं को आईटीडी ई-फाइलिंग पोर्टल तक पहुंचने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इंफोसिस ने पोर्टल पर कुछ अनियमित गतिविधियां देखी हैं, जिसकी सूचना दी है। इससे निपटने के लिए सक्रिय कदम उठाए जा रहे हैं। इस बीच कुछ यूजर्स को असुविधा हो सकती है, जिसका खेद है।

दरअसल, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल को लेकर करदाताओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गत जून महीने में भी इंफोसिस को ई-फाइलिंग पोर्टल में 9सर्च" विकल्प में खामियों को दूर करने का निर्देश आयकर विभाग ने दिया था। इससे पहले कई करदाताओं और पेशेवरों को आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल के उपयोग के दौरान उत्पन्न समस्या की शिकायत की थी।

उल्लेखनीय है कि आयकर विभाग ने नए ई-फाइलिंग पोर्टल ीजजचेः//ूूू.पदबवउमजंग.हवअ.पद को ७ जून, २०२१ को लॉन्च किया था। नए ई-फाइलिंग पोर्टल पर शुरुआत में करदाताओं और पेशेवरों को शुरू में कई बार टैक्स रिटर्न फाइल करने और अन्य फॉर्म को जमा करने में दिक्कतें हुई थी। इस वेबसाइट को दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस ने ही डेवलप किया है।

कोरोना काल में इस एक चीज की बिकीं खूब बढ़ी, लेकिन ऑफिस खुलते ही गिर गई सेल

नई दिल्लीः बुरे दिनों में लोगों को भगवान की याद आती है। कोरोना काल में जब लोग घर से काम कर रहे थे तो देश में अगरबत्ती की बिक्री बढ़ गई थी। जानकारों का कहना है कि उस दौरान अगरबत्ती इंडस्ट्री की बिक्री में ३० फीसदी तक उछाल आई थी। लेकिन कोरोना का प्रकोप कम होने के साथ ही लोगों ने ऑफिस जाना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही अगरबत्ती की बिक्री की ग्रोथ भी घटकर सिंगल डिजिट पर आ गई है। अगरबत्ती का ज्यादातर कारोबार असंगठित क्षेत्र में है।

ऑल इंडिया अगरबत्ती मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के प्रेजिडेंट अर्जुन रंगा ने कहा कि कोरोना महामारी से पहले घर में पूजा करने का समय एक तरह से फिक्स था। लेकिन लॉकडाउन हटने और सप्लाई चेन की चुनौतियां दूर होने के बाद पूजा का समय बदल गया। लोग घर से काम कर रहे थे और वे किसी भी समय पूजा कर सकते थे। अब अगरबत्ती का मल्टीपल यूज कम हो गया है। अब इंडस्ट्री की सालाना ग्रोथ ५-६ फीसदी रह गई है। रंगा ने कहा कि महामारी के बाद अगरबत्ती की पैनिक बाइंग भी देखने को मिली। इसलिए भी इसकी मांग में उछाल देखने को मिला। पूरे देश में इसका पेनिट्रेशन करीब ८० फीसदी है। इसे देखते हुए पांच से छह फीसदी की ग्रोथ अच्छी है।

इन अगरबत्तियों की सबसे ज्यादा मांगमैसूर डीप परफ्यूमरी हाउस (एमडीपीएच) के मैनेजिंग पार्टनर अंकित अग्रवाल ने कहा कि कोरोना की पहली लहर के बाद अगरबत्ती इंडस्ट्री की मांग में ३० फीसदी उछाल आई। लोग घर से काम कर रहे थे और उनके पास पूजा करने का पूरा समय था। अग्रवाल ने कहा कि महामारी से लोगों के व्यवहार में बदलाव आया है और अगरबत्ती के मामले में भी यह देखने को मिला है। गुलाब और चंदन की खुशबू वाली अगरबत्तियों की अब भी सबसे ज्यादा मांग है। लेकिन अनानास, ग्रीन ऐपल और खरबूजे की खुशबू वाली अगरबत्तियों की मांग में भी तेजी आ रही है।

इंडिविजुअल ब्रैंड्स का परफॉरमेंस बेहतर

हालांकि इसमें इंडिविजुअल ब्रैंड्स का परफॉरमेंस बेहतर रहा। आईटीसी के चीफ एग्जीक्यूटिव (अगरबत्ती और माचिस) गौरव तयाल ने कहा कि कंपनी के फ्लैगशिप ब्रैंड मंगलदीप की बिक्री में पिछले दो साल में १२ फीसदी की दर से बढ़ी। आईटीसी के तयाल ने कहा कि कोरोना काल में घर को ज्यादा महकाने की जरूरत थी। इसलिए आईटीसी ने उपावेदा रेंज को लॉन्च किया। इसमें कर्पूर और तुलसी की खुशबू थी। देश में अगरबत्ती इंडस्ट्री का कुल बिजनस १० से १२ हजार करोड़ रुपये का है। इसमें असंगठित क्षेत्र भी शामिल है।

नूपुर शर्मा को गिरफ्तार करो आप आग से नहीं खेल सकते: ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सोमवार को एक बार फिर से मांग की कि नूपुर शर्मा को गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि आखिर अब तक नूपुर शर्मा को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार क्यों नहीं किया है। उन्होंने कहा कि पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी से जुड़ा विवाद भाजपा की ओर से रची गई साजिश का नतीजा है, जिसके तहत वह देश के लोगों को बांटना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक साजिश है- भाजपा की एक नफरत भरी नहीं है और लोगों में विभाजन कराने की पॉलिसी है। नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि 'आप आग से नहीं खेल सकते हैं'। हम विभाजनकारी राजनीति में यकीन नहीं करते। हम हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन और बौद्ध सभी लोगों के लिए हैं। ममता बनर्जी की ओर से नूपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग ऐसे समय में की गई है, जब कुछ दिन पहले ही कोलकाता पुलिस ने उनके खिलाफ केस दर्ज किया था। यही नहीं कोलकाता पुलिस ने नूपुर शर्मा को नोटिस जारी कर पूछताछ में शामिल होने के लिए भी कहा था। कोलकाता के अलग-अलग थानों में नूपुर शर्मा पर दो केस दर्ज किए गए हैं। दोनों थानों की पुलिस ने नूपुर शर्मा को पूछताछ के लिए 20 और 25 जून को बुलाया गया था। नूपुर शर्मा ने नोटिसों के जवाब में कहा था कि यात्रा करने पर उनकी जान को खतरा है। ऐसे में वह पूछताछ के लिए कोलकाता नहीं आ सकती हैं। बता दें कि नूपुर शर्मा ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि देश के अलग-अलग हिस्सों में उनके खिलाफ दर्ज केसों को दिल्ली ट्रांसफर कर दिया जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इसी कोर्ट में अर्जी दाखिल करने को कहा था। इसके साथ ही उन्हें फटकार लगाते हुए जस्टिस परदीवाला और जस्टिस सूर्यकांत ने कहा था कि उनके एक बयान के चलते देश में आग लग गई और उदयपुर में कन्हैयालाल की हत्या भी उनके चलते ही हुई थी

अग्निपथ स्कीम के खिलाफ दायर अर्जी पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सेना में भर्ती के लिए लाई गई अग्निपथ स्कीम के विरोध में दायर अर्जी को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। शीर्ष अदालत में अगले सप्ताह गर्मियों की छुट्टियां समाप्त होने के बाद इस पर सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका में एयरफोर्स कर्मियों का कहना है कि इसके चलते उनका करियर 20 साल की बजाय महज 4 साल का ही हो जाएगा। याचिका दायर करने वाले एडवोकेट एम.एल शर्मा ने कहा, 'मेरी अर्जी है कि सरकार की ओर से भर्ती के लिए जो नोटिफिकेशन जारी किया गया है, उसे कैंसिल किया जाए। सरकार कोई भी स्कीम ला सकती है, लेकिन यहां बात सही और गलत की है। अब भी 70 हजार लोग ऐसे हैं, जो नियुक्ति पत्र का इंतजार कर रहे हैं।' यह अर्जी जस्टिस इंदिरा बनर्जी और जस्टिस जेके माहेश्वरी की वैकेशन बेंच के समक्ष दाखिल की गई है। याची का कहना है कि अग्निपथ स्कीम कम से कम उन लोगों पर लागू नहीं होनी चाहिए, जो पहले से चल रही भर्ती प्रक्रिया में शामिल हैं और नियुक्ति पत्र का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस मसले पर तत्काल सुनवाई होनी चाहिए क्योंकि यह सैनिकों के करियर का सवाल है। वकील ने कहा कि कई बार कोशिशों के बाद भी रजिस्ट्री विभाग की ओर से तारीख नहीं दी गई है। शर्मा ने कहा कि अदालत को 14 जून को रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन को कैंसिल करना चाहिए, जिसमें अग्निपथ स्कीम का ऐलान किया गया था। इस मामले में एक और अर्जी अधिवक्ता विशाल तिवारी की ओर से दायर की गई है। उन्होंने अदालत से मांग की गई है कि अग्निपथ स्कीम के परीक्षण के लिए एक एक्सपर्ट कमिटी का गठन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कमेटी यह तय करे कि इस स्कीम का युवाओं के भविष्य और देश की सुरक्षा व्यवस्था पर क्या असर होगा। अग्निपथ स्कीम के विरोध में दायर याचिकाओं को देखते हुए केंद्र सरकार की ओर से भी एक परिवाद दाखिल किया गया है। इसमें सरकार ने कहा कि अदालत कोई भी फैसला सुनाने से पहले इस मसले पर सरकार का पक्ष भी सुन ले।

ज्ञानवापी केस: पूरी हुई मुस्लिम पक्ष की दलील, अब 12 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली। ज्ञानवापी मामले को लेकर आज एक बार फिर से स्थानीय अदालत में सुनवाई हुई। आज की सुनवाई में मुस्लिम पक्ष की ओर से अपनी दलीलें पेश की गई हैं। खबर के मुताबिक मुस्लिम पक्ष ने आज अपने दलीलों को रखा है। इस मामले को लेकर अब अगली सुनवाई 12 जुलाई को होगी। ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद आज एक बार फिर से इस मामले की सुनवाई हुई है। मुस्लिम पक्ष के वकील अभय नाथ यादव ने पूरे 51 बिंदुओं पर अपनी दलील रखी है। आज की सुनवाई के दौरान कोर्ट रूम में सिर्फ 40 लोगों को ही जाने की अनुमति दी गई थी। आज की सुनवाई को देखते हुए सुरक्षा के भी कड़े बंदोबस्त किए गए थे। आपको बता दें कि 17 अगस्त 2021 को 5 महिलाओं ने श्रृंगार गौरी में पूजन और विग्रहों को लेकर एक याचिका डाली थी। इसी याचिका पर सुनवाई जारी है। सिविल जज सीनियर डिवीजन रवि कुमार दिवाकर ने कोर्ट कमिश्नर की नियुक्ति कर ज्ञानवापी का सर्वे-वीडियोग्राफी का काम भी करवाया था। सर्वे-वीडियोग्राफी के बाद मुस्लिम और हिंदू पक्ष के अपने-अपने अलग-अलग दावे हैं। फिलहाल मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इसे जिला कोर्ट को ही वापस भेज दिया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से 23 मई से जिला कोर्ट में इसको लेकर सुनवाई लगातार जारी है। खबर के मुताबिक 12 जुलाई को जब एक बार फिर से इसकी सुनवाई होगी तो उस दिन हिंदू पक्ष अपनी दलीलें रखेगा।

अमरनाथ यात्रा के बीच अनंतनाग में आतंकी हमला, पुलिसकर्मी को मारी गोली, घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में चल रही अमरनाथ यात्रा में आतंकी अपने एजेंडे के तहत बड़ी घटना को अंजाम देने की कोशिश में लगे हुए हैं। पर भारतीय सेना की सख्त मौजूदगी की वजह से उनके नापाक इरादे कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। हालांकि इस बीच कुछ आतंकी घटना सामने आ रही हैं। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में रविवार को आतंकवादियों ने एक पुलिसकर्मी पर हमला किया। आतंकियों ने पुलिसकर्मी को गोली मार दी।

अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि राहत की बात यह रही कि पुलिस कर्मी हमले में घायल हुआ है और उसे पास के अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर जिले के श्रीगुफवाड़ा में शाम करीब साढ़े सात बजे आतंकवादियों ने कांस्टेबल फिरदौस अहमद पर हमला किया। अधिकारियों ने बताया कि अहमद को तुरंत श्रीगुफवाड़ा अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें श्रीनगर स्थित सेना के अस्पताल रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चलाया गया है। दूसरी तरफ जम्मू कश्मीर के रियासी जिले से भी एक बड़ी खबर सामने आई। यहां ग्रामीणों ने लश्कर के दो खूंखार आतंकियों को पकड़ा और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। सुरक्षाबलों के लिए यह एक बड़ी सफलता है क्योंकि पकड़े गए दोनों आतंकियों में से एक मोस्ट वांटेड था। आतंकियों के पास से 2 एके सिरीज की राइफल, 7 हैंडग्रेनेड और भारी मात्रा में गोलाबारूद बरामद हुआ।

सिद्धू मूसेवाला को गोली मारने वाला शूटर अंकित सिरसा गिरफ्तार

नई दिल्ली। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल/एनडीआर (नई दिल्ली रेंज) की एक टीम ने लॉरेंस बिश्नोई-गोल्डी बराड़ गैंग के दो मोस्ट वांटेड अपराधियों को गिरफ्तार किया है। एक गिरफ्तार अपराधी का नाम अंकित है। अंकित सिद्धू मूसेवाला की हत्या में शामिल शूटर्स में से एक है। उसपर राजस्थान में हत्या के प्रयास के दो अन्य जघन्य मामले दर्ज हैं। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने इनके पास से पंजाब पुलिस की तीन वर्दी के अलावा एक 9 एमएम की पिस्टल, एक .3एमएम की पिस्टल और डोंगल के साथ दो मोबाइल भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, अंकित सिरसा ने सिद्धू पर गोली चलाई थी। प्रियव्रत फौजी के साथ अंकित उसकी गाड़ी में मौजूद था। शुरुआत में अंकित और फौजी दोनों एक साथ भागे थे। पुलिस प्रियव्रत को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। स्पेशल सेल ने अंकित के साथ सचिन भिवानी को गिरफ्तार किया है। भिवानी पर मूसेवाला के शूटरों को पनाह देने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि भिवानी राजस्थान में लॉरेंस बिश्नोई गैंग का पूरा काम संभालता था। पुलिस ने इन्हें रविवार रात को 11 बजे कश्मीरी गेट के पास से गिरफ्तार किया था।

द्रौपदी मुर्मू वादा करें कि राष्ट्रपति बनने पर नहीं होंगी सरकार की रबर स्टांप: यशवंत सिन्हा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

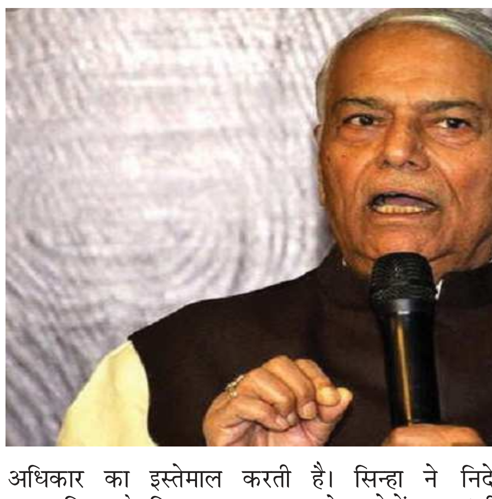

राष्ट्रपति पद के लिए विपक्षी दलों के संयुक्त उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने एनडीए की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू से खास अपील की है। सिन्हा ने उनसे यह वादा करने के कहा कि अगर वह राष्ट्रपति बनती हैं, तो 'नाम मात्र की (रबर स्टांप) राष्ट्रपति' नहीं होंगी। सिन्हा ने मुर्मू से कहा, 'मैंने संकल्प लिया है कि अगर मैं निर्वाचित होता हूं, तो मैं केवल संविधान के प्रति जवाबदेह बनूंगा। जब भी कार्यपालिका या अन्य संस्थाएं संवैधानिक नियंत्रण व संतुलन को नुकसान पहुंचाएंगी, तो मैं बिना किसी भय या पक्षपात के और ईमानदारी से अपने अधिकार का इस्तेमाल करूंगा। कृपया आप भी ऐसा ही वादा करें।'- सिन्हा ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि राष्ट्रपति के रूप में वह मोदी सरकार के 'अधिनायकवाद' और संविधान पर 'हमले' का विरोध करेंगे और वह राष्ट्रपति भवन में 'रबर स्टांप' नहीं होंगे। भारत का राष्ट्रपति देश का सर्वोच्च संवैधानिक कार्यालय है, लेकिन लगातार सत्ताधारियों पर उस समय की सरकार का पक्षपात करने का आरोप लगाया गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वह केंद्र सरकार की ओर से नामित है और इसलिए भी कि कार्यपालिका सत्तारूढ़ व्यवस्था है जो वास्तविक अधिकार का इस्तेमाल करती है। सिन्हा ने न्यायपालिका के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की पूर्व पदाधिकारी नुपुर शर्मा के खिलाफ उच्चतम न्यायालय की कुछ टिप्पणियों के बाद न्यायपालिका पर घटिया आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने इन आरोपों को अप्रत्याशित और भारत के लोकतंत्र में अत्यंत निराशाजनक घटनाक्रम बताया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने केंद्र सरकार पर राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग करने का भी आरोप लगाया। सिन्हा अपने चुनाव प्रचार अभियान के तहत बेंगलुरु में हैं। उन्होंने रविवार को कांग्रेस विधायक दल की बैठक में भी भाग लिया। बैठक में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस विधायक दल के नेता सिद्धरमैया, पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख डी के शिवकुमार और पार्टी के कई नेता और विधायक शामिल हुए।

मानहानि मामले में संजय राउत के खिलाफ वारंट जारी

मुम्बई। मानहानि केस में शिवसेना नेता सांसद संजय राउत के खिलाफ वारंट जारी हुआ है बीजेपी नेता किरीट सोमैया की पत्नी ने संजय राउत पर मानहानी का केस दर्ज किया था जनकी शिकायत पर मुंबई की सेवरी कोर्ट ने ये वारंट जारी किया गया है बताया जा रहा है कि किरीट सोमैया की पत्नी मेधा के बारे में संजय राउत ने सामना में एक लेख लिखा था इस लेख में दावा किया गया था कि मीरा भांडर कॉरपोरेशन में एक प्राइवेट स्कैम हुआ है जिसे मेधा सोमैया ने किया है

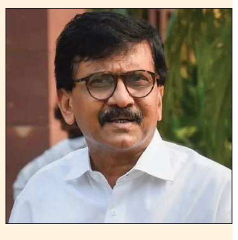

जिसकी शिकायत दंपत्ति ने की थी इस मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी सेवरी मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने पिछले महीने ही शिवसेना सांसद संजय राउत के खिलाफ समन जारी कर उन्हें 4 जुलाई को पेश होने को कहा था, लेकिन राउत पेश नहीं हुए शिवसेना सांसद संजय राउत ने मेधा सोमैया पर 100 करोड़ रुपये के शौचालय घोटाले का आरोप लगाया था राउत के अनुसार मेधा सोमैया ने अपने मीरा-भयंदर नगर निगम द्वारा अपने गैर-सरकारी संगठन युवा प्रतिष्ठान के माध्यम से शौचालयों के निर्माण के लिये आवंटित धन का दुरुपयोग किया इसके बाद मेधा सोमैया ने वकील विवेकानंद गुप्ता के माध्यम राउत के बयान को निराधार बताते हुये शिकायत दर्ज की, और आरोपी संजय राउत के खिलाफ आईपीसी की धारा 499 और 500 के तहत कार्रवायी करने की मांग की।

'आजादी का संग्राम सिर्फ कुछ लोगों का नहीं है इतिहास', -पीएम मोदी बोले- भारत के कण-कण के त्याग और बलिदान का है इतिहास

अमरावती। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भीमावरम में स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू की 125वीं जयंती समारोह में हिस्सा लिया। इस मौके पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी भी मौजूद रहे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज एक ओर देश आजादी के 75 वर्ष का अमृत महोत्सव मना रहा है, तो साथ ही अल्लूरी सीताराम राजू जी की 125वीं जयंती के अवसर भी है।

उन्होंने कहा कि संयोग से इसी समय देश की आजादी के लिए हुए रम्पा क्रांति के 100 साल भी पूरे हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं आंध्र की इस धरती की महान आदिवासी परंपरा को, इस परंपरा से जन्मे सभी महान क्रांतिकारियों और बलिदानियों को भी आदरपूर्वक नमन करता हूं।

उन्होंने कहा कि अल्लूरी सीताराम राजू गारू की 125वीं जन्मजयंती और रम्पा क्रांति की 100वीं वर्षगांठ को पूरे वर्ष सेलिब्रेट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पंडरंगी में उनके जन्मस्थान का जीर्णोद्धार, चिंतापल्ली थाने का जीर्णोद्धार, मोगल्लू में अल्लूरी ध्यान मंदिर का निर्माण, ये कार्य हमारी अमृत भावना के प्रतीक हैं। इसी बीच प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आजादी का संग्राम केवल कुछ वर्षों का, कुछ इलाकों का, या कुछ लोगों का इतिहास नहीं है। उन्होंने कहा कि ये इतिहास, भारत के कोने-कोने और कण-कण के त्याग, तप और बलिदानों का इतिहास है। उन्होंने कहा कि हमारे स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास हमारी विविधता की शक्ति का, हमारी सांस्कृतिक शक्ति का, एक राष्ट्र के रूप में हमारी एकजुटता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अल्लूरी सीताराम राजू गारू भारत की सांस्कृतिक और आदिवासी पहचान, भारत के शौर्य, आदर्शों और मूल्यों के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि सीताराम राजू गारू के जन्म से लेकर उनके बलिदान तक, उनकी जीवन यात्रा हम सभी के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपना जीवन आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए, उनके सुख-दुःख के लिए और देश की आज़ादी के लिए अर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के आध्यात्म ने सीताराम राजू गारू को करुणा और सत्य का बोध दिया। आदिवासी समाज के लिए समभाव और मम्भाव दिया, त्याग और साहस दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में देश की आजादी के लिए युवाओं ने आगे आकर नेतृत्व किया था। आज नए भारत के सपनों को पूरा करने के लिए आज के युवाओं को आगे आने का ये सबसे उत्तम अवसर है। उन्होंने कहा कि आज देश में नए अवसर हैं, नए नए आयाम खुल रहे हैं, नई सोच है, नई संभावनाएं जन्म ले रही हैं। इन संभावनाओं को साकार करने के लिए बड़ी संख्या में हमारे युवा ही इन जिम्मेदारियों को आने कंधों पर उठाकर देश को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश वीरों और देशभक्तों की धरती है। यहां पिंगली वेंकैया जैसे स्वाधीनता नायक हुये, जिन्होंने देश का झंडा तैयार किया। ये कन्नेगंटी हनुमंतु, कन्दुकूरी वीरेसलिंगम पंतुलु और पोट्टी श्रीरामुलु जैसे नायकों की धरती है।

पंजाब: भगवंत मान ने अपनी कैबिनेट का किया विस्तार, पांच विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब में सरकार गठन के लगभग 3 महीने बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपने कैबिनेट का विस्तार किया है। आज आम आदमी पार्टी के 5 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली है। इन सभी विधायकों को राज्य के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। जिन नेताओं ने आज मंत्री पद की शपथ ली उसमें फौजा सिंह सारारी, इंद्बीर सिंह निज्जर, अमन अरोड़ा, अनमोल गगन मान और चेतन सिंह जौरामाजरा शामिल हैं।

आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा पंजाब में सरकार बनाने के तीन महीने से ज्यादा समय बाद यह पहला मंत्रिमंडल विस्तार हो रहा है। पांच और मंत्रियों के शपथ लेने के बाद, मान के मंत्रिमंडल में मंत्रियों की संख्या मुख्यमंत्री समेत 15 हो गई है। इस वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद राज्य में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार बनने के बाद, मान के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में 10 विधायकों को मंत्री के रूप में शामिल किया गया था। मई में स्वास्थ्य मंत्री विजय सिंगला को भ्रष्टाचार के आरोप में राज्य मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया गया था। 'आप' ने राज्य विधानसभा चुनाव के दौरान 117 सदस्यीय राज्य विधानसभा में 92 सीट जीतकर सत्ता में वापसी की थी।

बदरुद्दीन अजमल की मुस्लिम समुदाय से अपील, -बकरीद पर न दें गायों की कुर्बानी, सनातन धर्म इसे एक पवित्र प्रतीक के रूप में पूजता है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने मुस्लिम समुदाय से 10 जुलाई को मनाई जाने वाली ईद अल-अधा (बकरीद) त्योहार के दौरान गायों की बलि देने से बचने का आग्रह किया। असम के धुबरी निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सांसद और जमीयत उलमा के प्रदेश अध्यक्ष बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि हिंदू गायों को एक मां के रूप में पूजते हैं और इसलिए, किसी को भी इसे नुकसान पहुंचाने से बचना चाहिए।

असम के कछार जिले में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि हिंदू गाय को मां मानते हैं, सनातन धर्म इसे एक पवित्र प्रतीक के रूप में पूजता है। यहां तक कि इस्लाम भी कहता है कि किसी जानवर को नुकसान न पहुंचाएं। अजमल ने कहा कि मैं मुसलमानों से अपील करता हूं कि ईद के दौरान गायों को न मारें, हम इस प्रथा का कड़ा विरोध करते हैं। मैं मुस्लिम समुदाय से अन्य जानवरों की कुर्बानी देने का अनुरोध करूंगा और अल्लाह इसे स्वीकार करेगा।

भारत के सबसे बड़े इस्लामिक मदरसा दारुल उलूम देवबंद ने भी जनता से दो साल पहले ईद पर गायों की कुर्बानी से बचने की अपील की है, और मैं वही दोहरा रहा हूं, कृपया गायों की बलि न दें। बता दें कि मुस्लिम धर्म में पवित्र माह रमजान के 70 दिन बाद बकरीद का त्यौहार मनाया जाता है। इसे ईद-उल-अजहा के नाम से भी जानते हैं। इस साल भारत में बकरीद का त्यौहार 10 जुलाई मनाया जाएगा। बकरीद पर मुस्लिम समुदाय के लोग बकरे की कुर्बानी देने की परंपरा है।

दिल्ली में अमित शाह के साथ एनआईए डीजी की बैठक, उदयपुर-अमरावती की घटना पर हुई हाईलेवल मीटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गृह मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को राजस्थान के उदयपुर और महाराष्ट्र के अमरावती में नृशंस हत्याओं की जांच करना का निर्देश दिए जाने के कुछ दिनों बाद दिल्ली में एनआईए प्रमुख दिनकर गुप्ता ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ उनके कार्यालय में बैठक की। बता दें कि 28 जून को उदयपुर में दिन के उजाले में एक दर्जी कन्हैयालाल कुमार की दुकान के अंदर दो लोगों ने सिर कलम कर दिया जबकि 21 जून को अमरावती में एक केमिस्ट दुकान के मालिक उमेश कोल्हे की हत्या कर दी गई।

अमरावती हत्याकांड में अमरावती की एक जिला अदालत ने मुख्य आरोपी और हत्याकांड के मास्टरमाइंड इरफान शेख को 7 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। आरोपी की पहचान इरफान शेख के रूप में की गई है, जिसे रविवार को नागपुर में अमरावती पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। छह आरोपियों की पहचान मुदस्सिर अहमद (22), शाहरुख पठान (25), अब्दुल तौफिक (24), शोएब खान (22), आतिब राशिद (22) और युसुफकान बहादुर खान (44) के रूप में हुई है। जांचकर्ताओं का अब तक मानना ??है कि केमिस्ट की हत्या कथित तौर पर एक सोशल मीडिया पोस्ट के बदले में की गई थी, जिसमें बीजेपी की नूपुर शर्मा का समर्थन किया गया था।

उदयपुर मामले में हमलावरों ने वीडियो में अपनी पहचान रियाज अख्तरी और गौस मोहम्मद के रूप में बताई है। वीडियो में, रियाज 47 वर्षीय कन्हैया लाल पर धारदार हथियार से हमला करते हुए देखा गया, जबकि दूसरे, आरोपी ने अपने मोबाइल फोन पर अपराध रिकॉर्ड किया। एनआईए ने गुरुवार को कहा कि उसे 'आतंकवादी संगठन' नहीं बल्कि एक आतंकवादी गिरोह' की भूमिका पर संदेह है। हालांकि, आतंकवाद विरोधी एजेंसी ने यह स्पष्ट किया कि इस नृशंस हत्या के पीछे एक बड़े गिरोह की भूमिका है और यह सिर्फ दो व्यक्तियों द्वारा किया गया एक कार्य नहीं है।

मोदी पर कमलनाथ का तंज, पीएम अगर किसी स्कूल में पढ़ने गए होंगे, वह भी तो कांग्रेस ने बनाया होगा

भोपाल (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश में नगर निगम चुनाव को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी है। भाजपा और कांग्रेस एक दूसरे पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। भाजपा की ओर से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रचार की कमान संभाल रखी है और कांग्रेस पर तीखे हमले कर रहे हैं। कांग्रेस की ओर से भी पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पलटवार कर रहे हैं। इसी कड़ी में कमलनाथ ने एक बार फिर से जबरदस्त तरीके से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा है। कमलनाथ ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री किसी स्कूल में पढ़ने गए होंगे तो वह भी कांग्रेस ने ही बनाया होगा। हालांकि यह बात उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के लिए भी कही। उन्होंने कहा कि जिस स्कूल में शिवराज सिंह चौहान जी गए, वह स्कूल कांग्रेस ने बनाया था। दरअसल, कमलनाथ से शिवराज सिंह चौहान के उस बयान पर जवाब मांगा गया था जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने 70 साल में गरीबी खत्म नहीं की। कमलनाथ के इस बयान पर भाजपा ने भी पलटवार किया है। मध्य प्रदेश भाजपा प्रवक्ता पंकज चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस ने क्या रचनात्मक और विनाशकारी काम किया है, यह देशवासियों को अच्छी तरह से पता है। यही कारण है कि कांग्रेस 2014 से चुनावों में हार रही है और भाजपा लगातार जीत रही है। उन्होंने कहा कि मोदीजी के असाधारण कार्यों से दुनिया में भारत का डंका बज रहा है और पूरे विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। इससे कांग्रेस और कमलनाथ परेशान हो गये हैं। इसलिए, वे बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं और मोदी जी पर व्यक्तिगत रूप से हमले कर रहे हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में कमलनाथ ने कहा कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी मध्य प्रदेश में इस महीने होने वाले नगर निगम एवं नगर पालिका चुनाव में भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए राज्य का दौरा कर रहे हैं। जब उनसे सवाल किया गया कि ओवैसी ने आरोप लगाया है कि कमलनाथ और भाजपा एक ही है, तो इस पर कमलनाथ ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "ये खुद का आरोप मुझ पर लगा रहे हैं। ये ओवैसी आए किस लिए थे? ये भाजपा को फायदा पहुंचाने का दौरा कर रहे हैं। केवल यही उनका लक्ष्य है।'' एआईएमआईएम मध्यप्रदेश में इस महीने दो चरणों छह जुलाई और 13 जुलाई को होने वाले नगर निगम एवं नगर पालिका चुनाव में पहली बार चुनाव लड़ रही है और ओवैसी अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने के लिए जन सभाएं कर रहे हैं। ओवैसी ने शनिवार को खंडवा में नगर निगम चुनाव लड़ रहे अपने उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाने के लिए एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर आरोप लगाया था कि कमलनाथ और मोदी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

घर की सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से कुछ इस तरह करें डेकोरेट हरा-भरा लगेगा घर

आज के समय में हर व्यक्ति अपने घर में प्लांट्स को जगह देने लगा है। भले ही उसका घर स्पेशियस हो या फिर छोटा, यह प्लांट्स किसी भी घर को बेहद खूबसूरत बनाते हैं। इतना ही नहीं, अमूमन लोग अपनी सुविधा व स्पेस को देखते हुए हैंगिंग गार्डनिंग से लेकर बालकनी व टेरेस में भी गार्डनिंग करना काफी पसंद करते हैं। लेकिन घर का एक एरिया ऐसा भी है, जहां पर अगर प्लांट्स लगाए जाएं तो पूरे घर का मेकओवर हो सकता है और फिर इसके बाद आपको अलग से किसी अन्य एरिया में प्लांट्स लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यह एरिया है आपकी सीढ़ियां। घर की सीढ़ियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन वास्तव में यही सीढ़ियां आपके पूरे घर का लुक बदल सकती हैं। अगर आप इन्हें एक नेचुरल व ब्यूटीफुल टच देना चाहती हैं तो वहां पर गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। आप सीढ़ियों पर उन प्लांट्स को लगाएं, जिन्हें सीधी धूप या बहुत अधिक रख-रखाव की आवश्यकता ना हो। तो चलिए आज इस लेख में हम जानते हैं कि आप अपने घर में सीढ़ियों को प्लांट्स की मदद से किस तरह और भी अधिक खूबसूरत बना सकती हैं-

वर्टिकल गार्डनिंग

जब सीढ़ियों पर प्लांटिंग करने की बात हो तो ऐसे में वर्टिकल गार्डनिंग करना एक अच्छा आईडिया है। यह वास्तव में काफी कम स्पेस लेता है, लेकिन इस तरह आप अपनी सीढ़ियों के एरिया को पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म कर सकती हैं। आप कोशिश करें कि सीढ़ियों की एक साइड की दीवार पर आप वर्टिकल गार्डनिंग के लिए स्टैंड को हैंग करें और उसमें बेहद ही खूबसूरत स्मॉल साइज के पौधे लगाएं। यह देखने में बेहद ही ब्यूटीफुल लगेगा।

यूं दें एलीगेंट लुक

अगर आप अपनी सीढ़ियों को एक बेहद ही एलीगेंट तरीके से सजाना चाहती हैं तो आप पॉटेड प्लांट्स को सीढ़ियों पर रखें। खासतौर से, अगर आपकी सीढ़िया वुडन की हैं तो आप कॉन्ट्रास्टिंग कलर के एक बिग साइज पॉट को सीढ़ी पर रख सकती हैं। हालांकि, अगर आप ऐसे अपनी सीढ़ियों को सजा रही हैं तो अन्य पॉट्स को घर के किसी दूसरे कोने में प्लेस करें।

स्नेकप्लांट्स लगेंगे बेहद खूबसूरत

यह भी एक तरीका है सीढ़ियों को सजाने का। इसके लिए आप कई पॉट्स में केवल स्नेकप्लांट्स ही लगाएं। अब आप इन पॉट्स को अपनी हर सीढ़ी के उपर रखती जाएं। यह ना केवल देखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि आपके घर की हवा को भी नेचुरली प्यूरिफाई करने में मदद करते हैं। इसके बाद आपको अलग से एयर प्यूरिफायर खरीदने की जरूरत महसूस नहीं होगी।

रेलिंग पर करें फोकस

जब आप सीढ़ियों पर गार्डनिंग कर रही हैं तो सिर्फ उसकी साइड की दीवार या स्टेप्स के साथ ही आप क्रिएटिव नहीं हो सकतीं, बल्कि रेलिंग का लुक भी बदल सकती हैं। आप मनी प्लांट्स से लेकर अन्य कई प्लांट्स को रेलिंग पर लगा सकती हैं। हालांकि, आप रेलिंग के लिए ऐसे प्लांट्स को चुनें, जिनकी लताएं नीचे की ओर बढ़ती जाएं, ताकि यह आपकी पूरी रेलिंग को कवर कर सकें और देखने में भी खूबसूरत लगे।

सीढ़ियों के नीचे का स्पेस

अगर आपकी सीढ़िया घर में कुछ इस तरह बनी हुई हैं कि उनके नीचे आपके पास काफी सारा स्पेस बचता है, तो वहां पर भी प्लांटिंग करना अच्छा आईडिया है। अगर आप चाहें तो इस एरिया में एक मिनी गार्डन तैयार कर सकती हैं। आप यहां पर तरह-तरह के खूबसूरत प्लांट्स रख सकती हैं। साथ ही कुछ पेबल्स व लाइटिंग के जरिए इस लुक को और भी खास बनाएं। यकीन मानिए, इस एरिया में जब आप कुछ फुरसत के पल बिताएंगी, तो आपको बेहद ही अच्छा लगेगा।

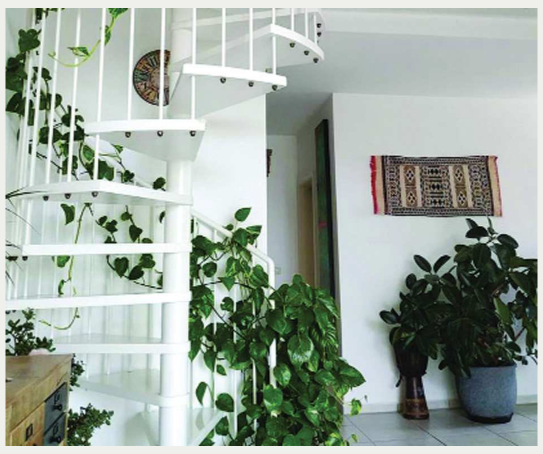

...अगर आपका बच्चा भी करता है बिस्तर गीला

कई बार बच्चे 1 साल से बड़े होने के बाद भी बिस्तर पर ही पेशाब कर देते है। अक्स पेरेंट्स बच्चे की इस आदत को लेकर परेशान रहते है लेकिन बच्चे का बार-बार ऐसा करना किसी परेशानी के कारण भी हो सकता है। कई बार तो बच्चे रात में डर के कारण बिस्तर गीला कर देते है लेकिन इसके अलावा बच्चे यूरिन इंफेक्शन, तनाव, पुरानी कब्ज या असंतुलित हार्मोन के कारण ऐसा करते है।

अगर आपका बच्चा भी ऐसा कर रहा है तो इससे आपको परेशान होने की जरुरत नहीं। इस समस्या को आप कुछ असरदार घरेलू नुस्खे से दूर कर सकते हैं। आइए जानते है किन उपायों द्वारा बच्चे की इस परेशानी को दूर किया जा सकता है।

बच्चों को बार-बार यूरिन आने के कारण

- ब्लैडर में इंफेक्शन
- ब्लड शुगर के कारण
- प्रॉस्टेट ग्रंथि में यूरिन का बढ़ना
- ज्यादा कॉफी या चाय का सेवन
- पेट में कीड़े की समस्या
- मूत्राशय में पेशाब जमा करने की क्षमता कम होना

इसके घरेलू उपचार

अखरोट
2 अखरोट और 20 किशमिश को पीसकर चूर्ण बना लें। 3 हफ्ते तक बच्चे को इसका सेवन कराने से यह समस्या दूर हो जाएगी।

पिस्ता
5 काली मिर्च, 3 पिस्ता और मिनका पीस लें। दिन में दो बार बच्चे को यह चूर्ण खिलाने से उसकी यह परेशानी दूर हो जाएगी।

काले तिल
50 ग्राम काले तिल, 25 ग्राम अजवाइन और 100 ग्राम गुड़ को मिलाकर 8-8 ग्राम के लड्डू बना लें। बच्चे को रोजाना सुबह-शाम 1 लड्डू खिलाने से उसकी पेशाब की बीमारी ठीक हो जाएगी।

शहद का सेवन
रोजाना रात को सोने से पहले बच्चे को नियमित रूप से शहद चटा दें।

कुख हफ्तों में ही बच्चे को बार-बार यूरिन आने की परेशानी से छुटकारा मिल जाएगा।

अजवाइन
1 चम्मच अजवाइन में नमक मिलाकर बच्चें को गर्म पानी से सात खिला दें। दिन में 2 बार इसका सेवन बार-बार यूरिन आने की समस्या से निजात दिलाता है।

बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डालें

बच्चे और हैल्दी फूड तो मानों एक दूसरे से मेल ही नहीं खाते लेकिन बच्चों के विकास के लिए संतुलित भोजन बहुत जरूरी है। इससे न सिर्फ शारीरिक विकास होता है बल्कि भविष्य के लिए भी खाने की अच्छी आदतें फायदेमंद साबित होती हैं। जंक फूड, पिज्जा,बर्गर, चिप्स आदि बच्चे बहुत चाव से खाते हैं लेकिन खाने में ये टेस्टी तो होते हैं लेकिन सेहत को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाने का काम करते हैं। जो आने वाले समय में मोटापा,डायबिटिज,हाई बीपी, स्ट्रोक,दिल की बीमारियां आदि होने का कारण बनते हैं। शुरू से ही अगर बच्चे को घर की बनी चीजें खाने की आदत डाल दी जाए तो उसके लिए बहुत अच्छा होगा।

बताएं हैल्दी चीजों का महत्व

बच्चे में अनुशासन,पढ़ाई के साथ-साथ खाने की अच्छी आदतों का होना भी बहुत जरूरी है। उन्हें बताएं कि घर का बना खाना खाना आपके लिए कितना अच्छा है। बाहर का खाना न तो हैल्दी होता है और न ही साफ-सुथरा। कभी-कभी बच्चों को उनकी पसंद का खाना घर पर ही बना कर खिलाएं।

एक जगह बिठा कर करवाएं भोजन

ज्यादातर बच्चों को खाना खाते समय घूमने की आदत होती है जो एक गलत आदत है। बच्चे को रोजाना एक ही जगह पर बिठा कर खाना खिलाएं और बार-बार की बजाए एक ही बार में खाना खाने को कहें लेकिन जबरदस्ती न करें।

टेस्ट में करें बदलाव

एक ही तरह का खाना खाकर बच्चे बोर हो जाते हैं, खाना का टेस्ट बरकरार रखने के लिए उनके डाइट प्लान में कभी स्नैक्स, जूस, सूप, फ्रूट सलाद आदि के साथ खाने में ट्विस्ट लाएं।

कामकाजी महिला हैं तो इस तरह रहें बच्चे के करीब

औरतों को घर और ऑफिस के काम एक साथ संभालने का हुनर बहुत अच्छी तरह से आता है। कई बार समय की कमी के कारण वह अपने बच्चों को उतना समय नहीं दे पाती, जितना कि उसके बच्चों को मां के साथ की जरूरत होती है।

बच्चों के साथ समय बिताकर आप उनके दिल की बातों को अच्छी तरह से जान सकते हैं लेकिन आप भी काम के तनाव की वजह से परेशान हैं और बच्चों के कटी-कटी रहती हैं तो कुछ स्मार्ट टिप्स आपके काम आ सकते हैं जो बच्चे के साथ आपके रिश्तों के पहले से भी ज्यादा मजबूत बना देंगे।

बच्चों से करें दिनभर की बातें

रात को आपके पास परिवार के साथ समय बिताने के सबसे अच्छा बहाना होता है। डिनर के समय पति और बच्चों के साथ ही खाना खाएं। दिन भर की बातें परिवार के साथ शेयर करें और उनकी बातें सुनें। इससे बच्चों का आपके साथ प्यार बढ़ेगा और वह आपसे बातें करने के लिए बेताब रहेगा।

काम में लें बच्चों की मदद

बच्चे तब बहुत खुश होते हैं जब आप उनसे किसी बात के लिए मदद मांगते हैं। कभी-कभी प्यार से बच्चे को आपकी मदद करने के लिए कहें जैसे खाना बनकर तैयार है तो उसे डाइनिंग टेबल सजाने के लिए कह सकते हैं। उसकी पसंद की डिश बना रही हैं तो उससे परोसने के लिए मदद ली जा सकती है।

मस्ती भी जरूरी

बच्चों के करीब आने के लिए उनके साथ कभी-कभी खुद भी बच्चे बनना पड़ता है। आप परिवार के साथ कुछ ऐसे गेम्स खेल सकते हैं जिसे बच्चे पूरी तरह से एंज्वाय भी करें और उन्हें कुछ सीखने के लिए भी मिले। जैसे हॉट सीट, पर्ची पर सारे सदस्यों का नाम लिखें, जिसके नाम की पर्ची निकले वह हॉट सीट पर बैठे और बाकी के सदस्य उससे सवाल पूछें। जो सबसे ज्यादा सही जवाब दे उसे शॉपिंग या पिंकनिक का गिफ्ट दिया जा सकता है।

जुड़वां बच्चे होने पर दिखते हैं ये लक्षण!

प्रैग्नेंसी हर महिला की जिंदगी का सबसे अहम पल होता हैं। जब किसी औरत को मां बनने की खुशी मिलती है तो उसके साथ पूरा परिवार खुश हो उठता है। हर औरत के मन में सबसे पहला सवाल उठता है कि उसका होने वाला बच्चा कैसा होगा, वहीं अगर गर्भ में जुड़वां बच्चों के पलने की खबर मिल जाए तो खुशी दोगुणा बढ़ जाती है। जुड़वा बच्चों के होने पर गर्भवती महिला के शरीर में कुछ लक्षण दिखाई देते है, जिनके बारे में अक्सर महिलाओं को नहीं पता होता। आज हम आपको उन्ही लक्षणों के बारे में बताने जा रहे है, जिनसे पता जलता है कि गर्भ में जुड़वा बच्चे पल रहे है।

मॉर्निंग सिकनेस

गर्भवती महिला को मॉर्निंग सिक्नेस रहना भी एक संकेत हो सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं को गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में ही मतली और जी मिचलाना महसूस हो सकती है। जिन गर्भवती महिलाओं को जुड़वा बेबी होने वाले होते है उन्होंने बाकी गर्भवती महिलाओं की तुलना में अधिक मार्निंग सिक्नेस रहती है।

ब्लीडिंग और स्पॉटिंग

जिस महिला को जुड़वा होने वाली होती है, उन्हें स्पॉटिंग और ब्लीडिंग अधिक होती है। यदि ब्लीडिंग के साथ बुखार और लाल खून के धब्बे पड़ रहे है तो इसमें डरने की कोई बात नहीं है क्योंकि यह जुड़वा बच्चों की निशानी हो सकती है।

वजन बढ़ना

अगर वजन सामान्य गर्भावस्था की तुलना से अधिक है तो भी जुड़वां बच्चे होने का संकेत हो सकता है। एक औसत गर्भावस्था में सामान्य वजन 25 पाउंड होता है, जबकि जुड़वां गर्भावस्था में वजन 30 से 35 पुांड के बीच होता है।

अधिक भूख लगना

जुड़वां बेबी होने पर गर्भवती महिला को अधिक भूख लगती है। इसलिए जब आपको साथ भी ऐसा हो तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें क्योंकि यह कोई और बात भी हो सकती है।

पेट में दर्द होना

जुड़वां गर्भवती महिला के सामान्य से ज्यादा पेट में दर्द रहने लगता है यह दर्द शरीर को अधिक वजन होने के कारण भी हो सकता है। इसलिए इस बात के बारे में एक बार डॉक्टर से जरूर बात करें।

बच्चों के मां-बाप नहीं दोस्त बनें

हर मां- बाप चाहते हैं कि उनकी बेटिया पढ़ लिखकर जिंदगी में कामयाब बने। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए पेरेंट्स उन्हें घर से बाहर दूसरे शहरों में भी पढ़ने के लिए भेजते हैं लेकिन दिन-प्रतिदिन लड़कियों के खिलाफ बढ़ते अपराध को देखकर कुछ मां- बाप अच्छी नौकरी या पढ़ाई के लिए उन्हें बाहर भेजने से डरने लगे हैं। उन्हें हर पल यही फिक्र सताती है कि उनकी बच्ची सही सलामत है या नहीं। अगर आपके घर में लड़किया हैं और वह पढ़ाई करने, नौकरी करने या किसी अन्य काम से रोजाना घर से बाहर जाती हैं या घर से दूर कहीं बाहर रहती हैं। तो माता- पिता होने के नाते आपको कुछ सावधानियां बरतने की खास जरूरत है ताकि वह हर छोटी से छोटी बात भी आपसे शेयर कर सके। तो आइए जानते हैं उन बातों के बारे में जो आपकी बच्ची को घर के बाहर भी सुरक्षित रख सकती हैं।

मोबाइल भी जरूरी

कुछ मां- बाप की सोच है कि मोबाइल फोन से बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वह पढ़ना-लिखना छोड़ देंगे और पूरा दिन सिर्फ मोबाइल फोन पर ही लगे रहेंगे लेकिन बेटियों के पास मोबाइल फोन होना जरूरी है। वह कहीं बाहर गई हो और घर वापसी में लेट हो जाए तो आपको फोन करके बता सकती हैं। इसके अलावा अगर कभी कोई मुसीबत आती है तब भी वह आपको फोन कर सकती हैं। बच्चों का दोस्त बनना बहुत जरूरी है अगर आप उनके साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करेंगे तो वह खुल कर आप से हर बात शेयर कर पाएंगे। जब आपको उसके बारे में हर बात पता होगी तो आप अपनी बच्ची को परेशानियों से बचा सकते हैं।

थोड़ी दूरी भी बनाएं

बच्चों को स्पेस देना भी जरूरी है हर वक्त उनके पीछे परछाई की तरह लगने रहने से वह परेशान हो जाएगी। इससे आपका बच्चा धीरे-धीरे आप से दूर होता चला जाएगा और कभी आप पर भी भरोसा नहीं करेगा। खुद का भरोसा बच्चे पर बनाने के लिए कुछ समय उसे अकेले भी समय बिताने का मौका दें ताकि उन्हें पता चल सके कि क्या सही है और क्या गलत।

दोस्तों की जानकारी

आपको उनके दोस्तों के बारे में पता होना जरूरी है वह पूरा दिन कौन से दोस्तों के साथ रहती है इस बात की पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात को सुनिश्चित करें की उसकी संगत अच्छी हो। अपने बच्चे ही नहीं बल्कि उनके दोस्तों से भी दोस्ती बनाएं।

आत्मरक्षा के तरीके

बेटियों को आत्मरक्षा करने के लिए तरीके बताएं। आजकल तो बहुत से स्कूलों और कॉलजों में बच्चों को कराटे और बहुत-से ऐसे टिप्स बताए जाते है जिनसे वह अकेली होने पर अपनी रक्षा कर सके। लड़कियों को कभी भी कमजोर या अकेला महसूस न होने दें।

अपनी राय न थोपें

बच्चों को अच्छी बुरी के बातों के बीच फर्क बताना जरूरी है लेकिन उन पर अपनी राय थोपना गलत है। जब आप उनकी हर बात पर अपनी राय थोपेंगे तो वह बहुत-सी बातों को आप छीपाएगी। जो उसके लिए बाद में परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

श्रीलंका को इस महीने कुछ और खेप आने से ईंधन की उपलब्धता में सुधार की उम्मीद

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने रविवार को उम्मीद जतायी कि देश में ईंधन की उपलब्धता में एक सप्ताह के भीतर सुधार होगा और इस महीने डीजल की तीन खेप सहित ईंधन की चार खेप आने की संभावना है। बिजली और ऊर्जा मंत्री कंचना विजेसेकरा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि डीजल की खेप 8-9 जुलाई, 11-14 जुलाई और तीसरी खेप 15-17 जुलाई को श्रीलंका पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि पेट्रोल की खेप 22-23 जुलाई को श्रीलंका पहुंच जाएगी। ईंधन की कमी के कारण शिक्षा मंत्रालय ने अगले सप्ताह चार जुलाई से आठ जुलाई तक सभी सरकारी और राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के लिए अवकाश घोषित किया है। संसद के सत्र को भी चार दिनों के बजाय तीन दिन का कर दिया गया है। पिछले हफ्ते से, सरकारी ईंधन कंपनी सिलोन पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीपीसी) ने निजी वाहनों को ईंधन जारी करना बंद कर दिया और केवल आवश्यक सेवाओं तक ही इसकी आपूर्ति की जा रही है। इंडियन ऑयल कंपनी (आईओसी) प्रबंधित लंका आईओसी ने सीमित आधार पर निजी ग्राहकों को ईंधन की आपूर्ति की जिससे एलआईओसी के 200 से अधिक स्टेशन के पास मीलों लंबी कतार लग गई। विजेसेकरा ने कहा कि सरकार ने पूर्वी जिले त्रिंकोमाली में एलआईओसी के भंडारण से ईंधन खरीदने की व्यवस्था की है। श्रीलंका सरकार रूस से रियायती तेल खरीदने के विकल्प भी तलाश रही है। विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आने के कारण अभूतपूर्व आर्थिक संकट के बीच द्वीपीय राष्ट्र ईंधन भंडार को फिर से भरने के लिए कई कदम उठा रहा है। पिछले सप्ताह लंबी अवधि तक ईंधन की आपूर्ति को लेकर समझौते के लिए विजेसेकरा कतर गए थे।

श्रीलंका की नौसेना ने 12 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

कोलंबो। श्रीलंकाई नौसेना ने कथित तौर पर अपने जल क्षेत्र में मछली पकड़ रहे कम से कम 12 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने रविवार को इसकी जानकारी दी। श्रीलंकाई नौसेना के प्रवक्ता कैप्टन इंडिका डी सिल्वा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''मछुआरों को आज शाम पांच से साढ़े पांच बजे के बीच (स्थानीय समयानुसार) प्वाइंट पेड्रो के पास गिरफ्तार किया गया।'' उन्होंने कहा कि गिरफ्तार मछुआरों को उत्तरी जाफना प्रायद्वीप के मायलादी लाया जा रहा है, जहां उन्हें मत्स्य निदेशालय को सौंप दिया जाएगा। हाल के सप्ताहों में, भारतीय मछुआरों द्वारा श्रीलंकाई जल क्षेत्र में अवैध शिकार की शिकायतें बढ़ गयी हैं। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि देश में जारी ईंधन संकट के कारण मछली पकड़ने जाने वाले स्थानीय लोगों की संख्या कम है और भारतीय मछुआरे इस अवसर का लाभ उठा रहे हैं। मछुआरों का मुद्दा दोनों देशों के बीच संबंधों में एक विवादास्पद मुद्दा है। श्रीलंकाई नौसैनिकों द्वारा पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी करने और उनकी नौकाओं को जब्त करने की कई घटनाएं हुई हैं।

धीरे-धीरे श्रीलंका बनने की राह पर आगे बढ़ रहा है पाकिस्तान

- व्यापार घाटा समाप्त वित्त वर्ष में 48.66 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

इस्लामाबाद । आर्थिक संकट में फंसा पाकिस्तान भी धीरे-धीरे श्रीलंका बनने की राह पर आगे बढ़ रहा है। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान का व्यापार घाटा समाप्त वित्त वर्ष में 48.66 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यह एक साल पहले के 30.96 अरब डॉलर की तुलना में 57 प्रतिशत अधिक है। बताया जा रहा है ?कि आयात उम्मीद से कहीं अधिक रहने से व्यापार घाटा उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। पाकिस्तान का वित्त वर्ष जुलाई से जून होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार शहबाज शरीफ सरकार ने मई में 800 से अधिक गैरजरूरी विलासिला के सामान के आयात पर प्रतिबंध लगाया था। इसके बावजूद व्यापार घाटा काफी ऊंचा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जून माह में पाकिस्तान का व्यापार घाटा 32 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 4.84 अरब डॉलर पर पहुंच गया । एक साल पहले समान महीने में यह 3.66 अरब डॉलर था। समाप्त वित्त वर्ष के लिए व्यापार घाटा 2017-18 के 37 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर से कहीं अधिक रहा है। उस समय आयात मुख्य रूप से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के रास्ते बढ़ा था।

वहीं वित्त वर्ष 2018-19 में व्यापार घाटा घटकर 31.8 अरब डॉलर रह गया था। यह 2019-20 में और कम होकर 23.2 अरब डॉलर पर आ गया था। 2020-21 में व्यापार घाटा फिर बढ़कर 30.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की गई है। यह फैसला लागू होने के बाद से सभी पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में करीब 14-19 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी एक नोटिफिकेशन के अनुसार, सरकार ने पेट्रोल पर 10 रुपये प्रति लीटर और हाई-स्पीड डीजल मिट्टी के तेल और हल्के डीजल तेल पर 5 रुपये प्रति लीटर पेट्रोलियम लेवी लगाई है। इसी साल अप्रैल में सत्ता संभालने वाली मौजूदा सरकार के तहत पेट्रोलियम में यह चौथी बढ़ोतरी है। इस फैसले के बाद पेट्रोल की कीमत में 14.85 रुपए, डीजल में 13.23 रुपये, मिट्टी के तेल में 18.83 रुपये और एलडीओ में 18.68 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। पेट्रोल की एक्स-डिपो कीमत अब 248.74 रुपए प्रति लीटर, एचएसडी 276.54 रुपए, केरोसिन 230.26 रुपए और एलडीओ 226.15 रुपए है।

अंतरिक्ष से दिखा सूर्यग्रहण का अनोखा नजारा, तीन महीने बाद धरती से आएगा नजर

वॉशिंगटन। नासा के पास कुछ ऐसे उपकरण हैं जिनसे सूरज को सीधे तौर पर देखा जा सकता है। अंतरिक्ष में ऐसे ही एक खास उपकरण ने आंशिक सूर्य ग्रहण की तस्वीर ली। जब चंद्रमा सूरज के करीब से गुजर रहा था। नासा की सोलर डायनेमिक्स ऑब्जर्वेटरी 24 घंटे सूरज पर नजर रखती है। 29 जून को ऑब्जर्वेटरी और सूर्य के बीच चंद्रमा आया, जिसकी तस्वीर कैप्चर कर ली गई। ग्रहण के चरम पर, चंद्रमा ने सूर्य के 67 प्रतिशत हिस्से को कवर कर लिया था। सोलर डायनेमिक्स ऑब्जर्वेटरी (एसडीओ) ने अंतरिक्ष में अपने खास विंटेज पॉइंट से ग्रहण की तस्वीर ली। यह ग्रहण पृथ्वी से दिखाई नहीं दे रहा था। पृथ्वी से ग्रहण 25 अक्टूबर को नजर आएगा, जो अधिकांश यूरोप, उत्तरी अफ्रीका, मध्य पूर्व और एशिया के पश्चिमी हिस्सों से दिखाई देगा। एसडीओ यह अध्ययन कर रहा है कि सौर गतिविधि अंतरिक्ष के मौसम का निर्माण और संचालन कैसे करती है, जैसे कि कोरोनल मास इजेक्शन पृथ्वी पर सौर तूफान कैसे पैदा कर सकते हैं। सूर्य अभी भी इस सोलर साइकल की पीक एक्टिविटी से तीन साल दूर है, जिसके जुलाई 2025 में होने की उम्मीद है। हालांकि, यह कुछ तेज फ्लेयर्स, सनस्पॉट्स, सीएमई और यहां तक ????कि हाल ही में हो रहे दुर्लभ को-रोटेटिंग इंटरैक्शन रिजन के साथ पहले से ही असामान्य रूप से सक्रिय है।

पाकिस्तान में बस के खाई में गिरने से 20 की मौत, 13 घायल

- 20 शव बरामद, 13 घायलों का अस्पताल में चल रहा उपचार

इस्लामाबाद । दक्षिण-पश्चिमी पाकिस्तान में एक यात्री बस खड्डे में गिर गई, जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई। शेरानी जिले के उपायुक्त एजाज जाफर का कहना है ?कि सड़क दुर्घटना में रावलपिंडी के गैरीसन शहर से दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा जा रही बस में सवार 13 अन्य लोग भी घायल हो गए। क्वेटा से लगभग 350 किलोमीटर उत्तर में ये हादसा हुआ। खराब सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर और जल्दबाजी में गाड़ी चलाने से अक्सर पाकिस्तान में घातक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। सहायक आयुक्त सैयद मेहताब शाह ने कहा कि जैसे ही बस क्वेटा के पास पहुंची, तो उस मोड़ का बस चालक आकलन ना लगा पाया जिस वजह से वाहन ने नियंत्रण खो दिया और बस एक खाई में गिर गई। 20 शव बरामद किए हैं, जबकि 13 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सहायक आयुक्त ने कहा कि सूचना मिलने के तुरंत बाद बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचा और शवों को अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी पहचान करने की प्रक्रिया चल रही है। सिविल अस्पताल झोब के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर नूरुल हक ने कहा कि घायलों की हालत गंभीर है और मृतक संख्या बढ़ सकती है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर अब्दुल कुदूस बिजेंजो ने हादसे पर दुख जताया। उन्होंने घायलों का इलाज सुनिश्चित करने के लिए सिविल अस्पताल झोब में आपात स्थिति घोषित करने का आदेश दिया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी दुखद हादसे पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की।

बांग्लादेश के सुनामगंज इलाकेम में बाढ़ के पानी में डूबा एक इलाका।

फ्लोरिडा के समुद्र तट पर जगन्नाथ रथ यात्रा का वीडियो वायरल

फ्लोरिडा । अमेरिका के फ्लोरिडा बीच पर भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। रथ यात्रा 1 जुलाई को पूरे भारत में मनाई गई थी। कोविड-19 महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद रथ यात्रा ओडिशा के पुरी में शुरू हुई। भगवान जगन्नाथ के रथों के साथ बहन देवी सुभद्रा और बड़े भाई भगवान बलराम को उनके पारंपरिक मार्गों पर निकाला गया। अमेरिका से आए वीडियो में, विभिन्न देश के भक्तों को समुद्र के किनारे रथ खींचते हुए भगवान कृष्ण की स्तुति करते हुए गाते और नाचते हुए देखा गया। वीडियो को फ्लोरिडा के टाम्पा में शूट किया गया था। रथ यात्रा गुंडिचा मंदिर में भगवान जगन्नाथ और उनके भाई-बहनों के 8 दिनों के प्रवास का प्रतीक है। यह त्यौहार मूल रूप से ओडिशा राज्य का है। यह दुनिया भर में धूमधाम और खुशी के साथ मनाया जाता है। हर साल आयोजन के लिए भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र के तीन रथ बनाए जाते हैं। जैसे ही देवता गुंडिचा मंदिर की ओर बढ़ते हैं, लाखों भक्त इन रथों को खींचते हैं। यह उत्सव 15 दिनों तक चलता है। भक्तों का मानना है कि भगवान जगन्नाथ के रथ की रस्सी को छूने से उनके पाप धुल जाएंगे और उन्हें मोक्ष मिल जाएगी, जैसा कि हिंदू धर्म में माना जाता है।

ब्रिटेन में कोरोना कहर, जून में 23 लाख मामले सामने आए, अधिकांश को सिरदर्द की शिकायत

लंदन (एजेंसी)।

कोरोना महामारी एक बार फिर जोर पर है। दुनिया में वैक्सीनेशन के कारण कोविड से मौतों की दर में काफी कमी आई है। कई देशों में अब कोरोना मरीजों में सर्दी-खांसी और हल्के बुखार के रूप में देखा जा रहा है। इन सबके बीच ब्रिटेन में एक सप्ताह में कोविड के मामलों की संख्या में लगभग एक तिहाई की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। नए आंकड़ों से रोगियों में सबसे आम लक्षण सामने आए हैं। ब्रिटेन में महारानी एलिजाबेथ शासन के जुबली समारोह के बाद से कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। जून के अंतिम सप्ताह में करीब 23 लाख लोगों को कोरोना वायरस का संक्रमण हुआ। कोविड एनालिसिस ऐप जेडओई की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि कोरोना के मरीजों में सिरदर्द सबसे आम लक्षण बन गया है।

ओएनएस डेटा के मुताबिक, साल 2020 की गर्मियों में इंग्लैंड में 0.1 प्रतिशत से नीचे की आबादी कोविड पॉजिटिव पाई गई, जबकि 2021 में यह दर 1.57 प्रतिशत थी। अब इस साल इंग्लैंड में करीब 3.35 प्रतिशत लोग कोरोना संक्रमित हैं। जून के अंत में इंग्लैंड में कोविड से संक्रमित 8,928 लोग अस्पताल में थे। पिछले सप्ताह ऐसे मरीजों की संख्या 6,401 थी। कोरोना मामलों में बढ़ोतरी की वजह ओमिक्रॉन के सबवेरिएंट बीए.4 और बीए.5 बताया जा रहा है। जेडओई कोविड स्टडी ऐप का इस्तेमाल वॉलंटियर्स ग्रुप करता है। इसमें लोगों की डिटेल डालकर उनका हेल्थ अपडेट बताया जाता है। इससे ये भी पता किया जा सकता है कि संबंधित व्यक्ति कोविड पॉजिटिव है या नहीं। इस ऐप के डेटा का एनालिसिस किंग्स कॉलेज लंदन के रिसर्चर्स करते हैं, जो पूरे यूके में कोविड केस को ट्रैक करते हैं। साथ ही इस ऐप के जरिए ये भी पता लगाया जाता है कि कोरोना के लिए कौन से इलाके हाई-रिस्क जोन में हैं।

ऐप का इस्तेमाल करने वाले औसतन तीन मरीजों से दो ने कोरोना टेस्टिंग से पहले सिरदर्द होने की शिकायत की थी। कुछ को सांस लेने में तकलीफ होने से पहले सिरदर्द भी हुआ। ऐप आगे बताता है कि कैसे यह दर्दनाक लक्षण अन्य कोविड संकेतों की तुलना में 'अधिक सामान्य' है। इस स्टडी ऐप का नेतृत्व करने वाले प्रोफेसर टिम स्पेक्टर ने बताया, 'निश्चित रूप से बहुत सारे लोग हैं जिन्हें साल की शुरुआत में कोविड हुआ। फिर दोबारा से कोरोना संक्रमित हुए। इनमें से कुछ बीए.4/5 के सबवेरिएंट से संक्रमित हैं।'

डेनमार्क : कोपेनहेगन के मॉल में अंधाधुंध फायरिंग, 3 की मौत, 3 की हालत नाजुक

कोपेनहेगन। (एजेंसी)।

डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन के मॉल में रविवार को हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। कोपेनहेगन पुलिस निरीक्षक सोरेन थॉमसन ने बताया कि मारे गए तीन लोगों में से एक व्यक्ति की उम्र 40 के आसपास थी और ''दो अन्य युवा थे।'' थॉमसन ने पत्रकारों को बताया कि गोलीबारी करने वाले संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसकी पहचान डेनमार्क के 22 वर्षीय नागरिक के तौर पर हुई है। हमले में किसी अन्य के शामिल होने के कोई संकेत नहीं मिले हैं।

हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। डेनमार्क में बंदूक हिंसाए दुर्लभ ही देखी जाती हैं। थॉमसन ने बताया कि अभी गोलीबारी करने की वजह पता नहीं चल पाई है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने कहा, ''हमला समझ से परे...हृदयविदारक है। हमारी सुंदर और आमतौर पर लोगों के लिए हमेशा सुरक्षित रही राजधानी में हालात कुछ ही सेकंड में बदल गए।'' घटनास्थल से जो तस्वीरें सामने आई हैं, उसमें लोग मॉल से भागते हुए बाहर निकलते नजर आ रहे हैं। डेनमार्क के प्रसारक 'टीवी2' ने एक तस्वीर साझा की, जिसमें एक व्यक्ति 'स्ट्रेचर' पर नजर आ रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लोग शोर मचाते हुए बाहर निकलने का प्रयास कर रहे थे और कुछ लोग दुकानों के भीतर भी छिप गए थे।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने सैन्य अधिकारियों को राजनीति से दूर रहने का निर्देश दिया

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने आईएसआई समेत अपने कमांडरों और अधिकारियों को राजनीति से दूर रहने का नया निर्देश जारी किया है। सोमवार को मीडिया में आई एक खबर में यह बात कही गई। खबर में कहा गया कि बाजवा का निर्देश अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व वाली पार्टी के नेताओं के इन आरोपों के बाद आया है कि देश की खुफिया एजेंसी पंजाब में आगामी उपचुनाव में ''हेरफेर'' करने की कोशिश कर रही है। पाकिस्तानी सेना ने पहले कहा था कि उसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है और वह भविष्य में भी गैर-राजनीतिक ही रहेगी।

द न्यूज अखबार ने कहा कि सेना प्रमुख जनरल बाजवा ने अपने सभी कमांडरों और प्रमुख अधिकारियों को राजनीति से दूर रहने तथा राजनीतिक नेताओं के साथ बातचीत से बचने के लिए नए निर्देश जारी किए हैं। खबर में कहा गया है कि ये निर्देश इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सैन्य प्रतिष्ठान के खिलाफ दुष्प्रचार के मद्देनजर दिए गए हैं, जिसमें आईएसआई के कुछ अधिकारियों पर आरोप लगाया गया है कि वे पार्टी को नुकसान पहुंचाने के लिए पंजाब में आगामी उपचुनाव में हेरफेर करने की कोशिश कर रहे हैं। रक्षा सूत्रों का कहना है कि आईएसआई सेक्टर कमांडर-लाहौर, ब्रिगेडियर राशिद, जिन्हें पीटीआई नेताओं द्वारा बदनाम किया जा रहा है, इस्लामाबाद में अपने कुछ पेशेवर काम की वजह से एक पखवाड़े से अधिक समय से लाहौर में नहीं हैं।

पीटीआई नेता और पंजाब की पूर्व स्वास्थ्य मंत्री यास्मीन राशिद ने हाल ही में सेक्टर कमांडर का नाम लिया था और उन पर पंजाब में उपचुनाव में हेरफेर करने के लिए राजनीति में शामिल होने का आरोप लगाया था। पंजाब विधानसभा की 20 रिक्त सीटों पर 17 जुलाई को उपचुनाव होगा।

अमेरिका में भारतीय सशस्त्र बलों के रियायर्ड सैनिकों के सम्मान में 'वरिष्ठ योद्धा' कार्यक्रम संपन्न

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

भारतीय सशस्त्र बलों के रिटायर्ड सैनिकों के योगदान को स्वीकार करते हुए यहां भारतीय दूतावास ने सोमवार को अमेरिका में रह रहे पूर्व सैनिकों को सम्मानित करने के लिए 'वरिष्ठ योद्धा' कार्यक्रम का आयोजन किया। विभिन्न युद्धों को लड़ चुके कुछ विशिष्ट पूर्व सैनिकों और परिवारों के सदस्यों सहित 140 से अधिक लोगों ने यहां इस कार्यक्रम में भाग लिया। अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा, 'दोस्तों, आपने अपने कर्तव्य का पालन करते हुए निस्वार्थ भाव से भारत माता की सेवा और बलिदान किया है। आप और आपके परिवार के सदस्य 40 लाख भारतीय समुदाय के हिस्से के रूप में भारत-अमेरिका संबंधों को विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।'

उन्होंने भूतपूर्व सैन्यकर्मियों की प्रशंसा करते हुए कहा, 'कोई भी मान्यता और पुरस्कार आपके योगदान के साथ न्याय नहीं कर सकता है, आज का कार्यक्रम आपके प्रति हमारा सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का छोटा सा तरीका है और आपको यह भी बताना है कि हम यहां आपके लिए हैं।' संधू ने कहा, 'इस विशेष सभा का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व और सम्मान की बात है।' उन्होंने कहा कि यहां ऐसे लोग हैं, जिन्होंने 1948, 1962, 1965 या 1971, 1985, 1999 में करगिल युद्ध और कई अन्य अभियानों में भारत के लिए लड़ाई लड़ी है। राजदूत ने कहा, 'आज का वरिष्ठ योद्धा कार्यक्रम हमारे पूर्व सैनिकों के बलिदान और सेवा को मान्यता देने और उन्हें देशभक्ति, समर्पण, देशसेवा और बलिदान करने की इच्छा के लिए सम्मानित करने का हमारा विनम्र प्रयास है।'

उन्होंने कहा, हम अपने वरिष्ठ सैन्यकर्मियों की उसी तरह देखभाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जैसे उन्होंने हमारे देश की सुरक्षा का ख्याल रखा है। संधू ने कहा कि भारतीय पूर्व सैनिक, जहां भी जाते हैं, कर्तव्य, अनुशासन और पेशेवर रवैये के उच्चतम मानकों को निभाते हैं, जिसके लिए भारतीय सशस्त्र बलों को जाना जाता है। उन्होंने कहा, अमेरिका में रहने वाले हमारे पूर्व सैनिक हमारे सशस्त्र बलों की परंपराओं के ध्वजवाहक बने हुए हैं और भारतीय समुदाय को प्रेरित करना जारी रखे हैं। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी उनकी बुद्धिमत्ता, कड़ी मेहनत और उच्च नैतिक मूल्यों से समृद्ध है।

संधू ने अपने संबोधन में कहा कि अमेरिका और भारत के बीच रक्षा साझेदारी ने दोनों देशों के बीच कई तरह के समझौतों को तेज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो रक्षा प्रौद्योगिकी साझा करने और समुद्री सुरक्षा और 'काउंटर-पाइरेसी' में सहयोग से संबंधित हैं। भारत को अमेरिका ने 'प्रमुख रक्षा भागीदार' के रूप में नामित किया है और वह किसी भी अन्य देश की तुलना में अमेरिका के साथ अधिक सैन्य अभ्यास करता है।

संधू ने बताया कि वर्तमान में, एक भारतीय नौसैनिक दल, जिसमें एक नौसैनिक जहाज भी शामिल है, रिमपैक नौसेना अभ्यास में भाग लेने के लिए हवाई में है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने अमेरिका से 20 अरब डॉलर से अधिक के रक्षा संबंधी अधिग्रहण किए हैं। भारतीय दूत ने कहा, आज, भारतीय सेना अमेरिकी रक्षा मंचों का संचालन कर रही है, जिसमें परिवहन विमान, हेलीकॉप्टर, हॉवित्जर, जहाज और कई अन्य हल्के उपकरण शामिल हैं, जिनमें से कई को पूरी तरह से परिचालन और मानवीय उपयोगों में तैनात किया गया है, जिसमें कोविड-19 महामारी के दौरान सहायता और चिकित्सा आपूर्ति परिवहन प्रदान करना शामिल है। उन्होंने कहा, 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत हम अपने तुलनात्मक लाभों और रक्षा औद्योगिक सहयोग के अवसर लाभ उठाते हुए विशेष रूप से भारत और दुनिया के लिए नवाचार, सह-विकास और सह-उत्पादन करने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

रूस ने अपनी ऑनलाइन गतिविधियों पर नकेल कसी, वैश्विक इंटरनेट को खतरा

लूमिंगटन (अमेरिका) (एजेंसी)।

रूस द्वारा फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से रूसी इंटरनेट उपयोगकर्ता डिजिटल नियंत्रण (डिजिटल आयरन कर्टेन) के बढ़ने का अनुभव कर रहे हैं। 'डिजिटल आयरन कर्टेन', सोशल मीडिया पर एक राजनीतिक, सैन्य और वैचारिक अवरोधक है जो किसी खास क्षेत्र या वर्ग से अलग कर देता है।

रूसी प्राधिकारियों ने सभी प्रमुख विपक्षी समाचार साइट के साथ फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर तक पहुंच अवरुद्ध कर दी। फर्जी खबरों से निपटने के लिए नए कठोर कानूनों के तहत इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने यूक्रेन में रूस की कार्रवाई के बारे में कथित तौर पर ऑनलाइन भ्रामक सूचना फैलाने के लिए प्रशासनिक और आपराधिक आरोपों का सामना किया। एआरबीएनबी से लेकर एप्पल तक प्रमुख पश्चिमी प्रौद्योगिकी कंपनियों ने रूस में अपनी गतिविधियों को सीमित कर दिया। कई रूसियों ने युद्ध के पहले सप्ताह में प्रतिबंधित साइट और सेवाओं तक पहुंच बनाने की कोशिश करने के लिए वर्चुअल निजी नेटवर्क सॉफ्टवेयर डाउनलोड किया।अप्रैल के अंत तक 23 प्रतिशत रूसी इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने अलग-अलग नियमितता के साथ वीपीएन का इस्तेमाल करने की सूचना दी थी। सरकारी मीडिया पर निगरानी रखने वाले रोस्कोमनाद्जोर लोगों को सरकार की सेंसरशिप का उल्लंघन करने से रोकने के लिए वीपीएन को ब्लॉक कर रही है और उसने जून 2022 में अपने प्रयास बढ़ा दिए।

डिजिटल संप्रभुता के अग्रणीः रूस ने 1990 की शुरुआत से सूचना और दूरसंचार पर सरकारी संप्रभुता बरकरार रखने की पैरवी की थी। शीत युद्ध के बाद कमजोर पड़ गया रूस आर्थिक, प्रौद्योगिकी या सैन्य स्तर पर अमेरिका के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सका। इसके बजाय रूसी नेताओं ने अमेरिका के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को रोकने और रूस की महान शक्ति की स्थिति को बनाए रखने का आह्वान किया।

साल 2000 में अपनी शक्तियों के फिर से उभरने को प्रदर्शित करने के लिए चीन की सेना के साथ रूस इंटरनेट संप्रभुत्ता के लिए वैश्विक आंदोलन की अगुवाई में शामिल हो गया। पुतिन के मार्च 2012 में राष्ट्रपति बनने के बाद क्रेमलिन ने रूसी साइबरस्पेस पर नियंत्रण करने पर अपना ध्यान लगाया।

संप्रभु इंटरनेट कानूनः अप्रैल 2019 में रूसी प्राधिकारियों तथाकथित संप्रभु इंटरनेट कानून के साथ डिजिटल संप्रभुत्ता के लिए अपनी आकांक्षाओं को अन्य स्तर पर ले गयी। इस कानून ने व्यक्तिगत उपयोगकर्ताओं के दुरुपयोग और इंटरनेट समुदाय को अलग-थलग करने का द्वार खोल दिया।

इस कानून के पारित होने पर पुतिन ने यह दलील देते हुए राष्ट्रीय डीएनएस पर स्पष्टीकरण दिया कि अगर आईसीएएनएन शत्रुतापूर्ण कार्रवाई करते हुए रूस को वैश्विक इंटरनेट से अलग कर देता है तो यह रूसी इंटरनेट को काम करने देगा। उल्लेखनीय है कि डीएनएस वैश्विक इंटरनेट कोर डेटाबेस है।

वैश्विक इंटरनेट को विभाजित करनाः रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक इंटरनेट की अक्षुण्णता को रूसी कार्रवाई और पश्चिमी देशों में

प्रौद्योगिकी कंपनियों के कदमों को कमतर कर दिया है। एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए सोशल मीडिया ने रूस की सरकारी मीडिया तक पहुंच को अवरुद्ध कर दिया।

हालांकि, युद्ध क्षेत्र में इस पर लड़ाई नहीं लड़ी जा सकती है लेकिन वैश्विक 'इंटरकनेक्टिविटी' एक ऐसी चीज हो गई है जो रूस-यूक्रेन युद्ध में दाव पर लगी गई है।

इंग्लैंड बनाम भारत: 245 रनों पर सिमटी भारतीय पारी

इंग्लैंड को जीत के लिए मिला 378 रनों का लक्ष्य

बर्मिंघम (एजेंसी)। ऋषभ पंत ने एक बार फिर कमाल की बल्लेबाजी करते हुए दूसरी पारी में भी अर्धशतक जड़ा जिसकी बदौलत भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में 245 रन बना लिए जिससे इंग्लैंड को पांचवा टेस्ट जीतने के लिए 378 रनों का लक्ष्य मिला है।

गौरतलब है कि भारत अगर यह टेस्ट ड्रॉ भी करवा लेता है तो सीरीज में 2-1 से कब्जा बनाए रखेगा। वहीं इंग्लैंड को सीरीज में हार से बचने के लिए यह मैच जीतना ही होगा।

भारत ने दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 123 रन से की और कल के नाबाद बल्लेबाजों चेतेश्वर पुजारा (66) और पंत (57) ने सकारात्मक शुरूआत की।पुजारा ने बैकफुट पर चौके और फ्लिक से जेम्स एंडरसन पर लगातार दो चौके जड़े। पंत ने पहली पारी की तुलना में अधिक सतर्क होकर बल्लेबाजी की।

सुबह के सत्र में पुजारा और पंत के काम को इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने आसान किया जिन्होंने दिन की शुरुआत में काम चलाऊ स्पिनर जो रूट से तीन ओवर कराए।

पुजारा हालांकि स्टुअर्ट ब्रॉड की शॉर्ट और बाहर की ओर मूव होती गेंद पर बैकवर्ड प्वाइंट पर कैच दे बैठे।श्रेयस अय्यर (19) ने कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन एक बार फिर शॉर्ट गेंद पर सीधे मिडविकेट पर एंडरसन को कैच दे बैठे।

पंत ने पैड पर आई गेंद को चार रन के लिए भेजकर अर्धशतक पूरा किया और विदेशी सरजमीं पर एक ही टेस्ट में शतक और अर्धशतक जड़ने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बने।

पंत ने जैक लीच का स्वागत चौके से किया लेकिन इसी स्पिनर पर रिवर्स पुल करने की कोशिश में पहली स्लिप में जो रूट को कैच दे बैठे जिससे भारत का स्कोर छह विकेट पर 198 रन हो गया।मैथ्यू पोट्स ने शारदुल ठाकुर (04) को शॉर्ट गेंद पर फाइन लेग पर कैच कराया। पोट्स की गेंद पर एंडरसन ने कवर में जीवनदान दिया।

बेयरस्टो इस साल सबसे ज्यादा शतक लगाने बल्लेबाजों में नंबर एक पर पहुंचे -भारत के लिए ऋषभ और जडेजा ने लगाये सबसे ज्यादा शतक

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के आक्रमक बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो आजकल शानदार लय में हैं। बेयरस्टो ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बाद भारतीय टीम के खिलाफ भी अब शानदार प्रदर्शन किया है। इस बल्लेबाज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के आखिरी 2 मुकाबलों में लगातार 2 शतक लगाये थे। उसके बाद भारत के खिलाफ भी उन्होंने एक शानदार शतक लगाया है। इसके साथ ही बेयरस्टो साल 2022 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और अपने ही देश के खिलाड़ी जो रूट को पीछे छोड़ते हुए नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। ख्वाजा और रूट ने इस साल अबतक 4-4 शतक लगाए थे जबकि बेयरस्टो के शतकों की संख्या 5 हो गयी है।

इसके अलावा इस साल टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में भी वह शीर्ष पर पहुंच गये हैं। बेयरस्टो ने इसी के साथ ही सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा को पीछे छोड़ दिया है। ख्वाजा ने इस साल ऑस्ट्रेलिया की ओर से 6 मैच खेलते हुए 11 पारियों में 117.42 की औसत से 822 रन बनाए हैं। वहीं बेयरस्टो ने 6 मैच खेलते हुए 15 पारियों में 67.69 की औसत से 880 रन बनाये हैं। इसके पांच शतक और एक अर्द्धशतक शामिल है। वहीं भारतीय टीम के लिए इस साल सबसे ज्यादा शतक लगाने वालों में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा पहले नंबर पर हैं। इन दोनों ही खिलाड़ियों ने इस साल अबतक 505 और 305 रन बनाते हुए 2-2 शतक लगाए हैं। ऋषभ इस साल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में नौवें नंबर पर स्थित हैं। वहीं जडेजा 28वें स्थान पर कायम हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे एकदिवसीय में श्रीलंका को दस विकेट से हराया

पल्लीकेल (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में मेजबान श्रीलंकाई टीम को दस विकेट से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर मेजबान श्रीलंकाई टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। श्रीलंकाई टीम निर्धारित 50 ओवरों में 173 रनों पर आउट हुई। इसके बाद जीत के लिए मिले 174 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने बिना किसी नुकसान के ही 25 ओवर और चार गेंदों में हासिल कर लिया। इस प्रकार भारतीय टीम को सीरीज में 2-0 की बढ़त मिल गयी है।

इस मैच में श्रीलंकाई टीम ने पहले बल्लेबाजी की थी पर उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। भारत की युवा तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने शुरुआती ओवरों में ही तीन विकेट लेकर श्रीलंकाई बल्लेबाजी को ढ़हा दिया। इसके बाद कप्तान चमारी अट्टापट्टू ने 27 और संजीवनी ने 25 रन बनाकर पारी को संभालने का प्रयास किया। इन दोनो के आउट होने के बाद डीसिल्वा और अमा कंचना ने अच्छी बल्लेबाजी की। डीसिल्वा ने 32, कंचना ने 47 रन बनाए और टीम को 173 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। भारत की ओर से रेणुका ने 28 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि मेघना सिंह ने 43 रन देकर दो खिलाड़ियों को आउट किया। वहीं इसी प्रकार दीप्ति शर्मा ने 30 रन देकर 2 विकेट लिए। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम इंडिया की आक्रामक शुरुआत रही। शैफाली और मंधाना ने अपनी आक्रामक पारी से टीम को आसानी से जीत दिला दी।

मलेशिया मास्टर्स में लय जारी रखना चाहेंगे सिंधू और प्रणय

कुआलालंपुर (एजेंसी)। स्टार शटलर पीवी सिंधू और एचएस प्रणय मंगलवार से यहां शुरू हो रहे मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। सिंधू और प्रणय को पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 750 के क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था और ये दोनों खिलाड़ी इस सप्ताह शुरू हो रहे टूर्नामेंट में अपने खेल की खामियों को दूर कर सुधार करना चाहेंगे।

सिंधू ने इस साल सैयद मोदी इंटरनेशनल और स्विस ओपन के रूप में दो सुपर 300 खिताब जीते हैं, वहीं प्रणय खिताब जीतने के पांच साल के लंबे इंतजार को खत्म करने के लिए बेताब हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू विश्व दूर स्पर्धाओं के क्वार्टर और सेमीफाइनल में लगातार पहुंच रही हैं, लेकिन शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ वह थोड़ी कमजोर दिख रही हैं। इस साल कई टूर्नामेंटों के आखिरी के कुछ मैचों में उन्हें थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन, चीन की चेन यू फेई और ही बिंग जियाओ, कोरिया की आन से यंग और चीनी ताइपे की ताई जू यिंग जैसी खिलाड़ियों के खिलाफ हार का सामना सामना करना पड़ा है। इसने उनकी कमजोरियों को उजागर कर दिया है और वह आगामी राष्ट्रमंडल खेलों से पहले इसे दूर करने की कोशिश करेंगी। पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू के सामने शुरुआती दौर में बिंग जियाओ की चुनौती होगी। इस खिलाड़ी ने पिछले महीने इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 में सिंधू को बाहर का रास्ता दिखाया था। बिंग जियाओ के खिलाफ सिंधू के जीत-हार का रिकॉर्ड भले ही 8-10 का है लेकिन इस भारतीय खिलाड़ी ने तोक्यो ओलंपिक समेत पिछले चार में से तीन मुकाबले जीते हैं। इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे प्रणय पिछले साल विश्व चैंपियनशिप के बाद से लगातार क्वार्टर फाइनल में पहुंच रहे हैं। भारतीय टीम की थॉमस कप में ऐतिहासिक जीत के सूत्रधार रहे प्रणय के पास चैम्पियन बनने की काबिलियत है लेकिन वह आखिरी के कुछ मैचों की बाधा नहीं पार कर पा रहे हैं। केरल का यह 29 साल का खिलाड़ी इंडोनेशिया सुपर 1000 में सेमीफाइनल में पहुंचा था। वह मलेशिया में इंडोनेशिया के शेसर हिरेन रुस्तवितो के खिलाफ अपना अभियान शुरु करेंगे। इसके बाद के दौर में उनके सामने जोनाथन क्रिस्टी की चुनौती होगी जिन्होंने इस खिलाड़ी को पिछले सप्ताह हराया था। अन्य भारतीयों में, बी साई प्रणीत पहले दौर में ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन से भिड़ेंगे जबकि चोट से वापसी कर रहे समीर वर्मा के सामने चौथी वरीयता प्राप्त ताइवान के चोउ टिएन चीन की मुश्किल चुनौती होगी। दो बार की राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता साइना नेहवाल कोरिया की किम गा यून के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी। युगल वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों के लिए चुनी गई त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी मलेशिया की पर्ल टैन और थिनाह मुरलीधरन की जोड़ी से भिड़ेंगी, जबकि राष्ट्रमंडल खेलों की पूर्व कांस्य पदक विजेता अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी क्वालीफाइंग जोड़ी के खिलाफ पहला मैच खेलेगी।

सानिया-पाविच की जोड़ी विंबलडन टेनिस के मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

विंबलडन । भारत की महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और उनके क्रोएशिया जोड़ीदार मैट पाविच की जोड़ी विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। सानिया और पाविच की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी को दूसरे दौर के मैच में इवान डोडिग और लतीशा चान की जोड़ी से वॉकओवर मिला। सानिया और पाविच ने इस टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में स्पेन के डेविड वेगा हर्नांडेज और जॉर्जिया की नतेला जालामिडजे की जोड़ी को 6-4, 3-6, 7-6 से हराया था। अब क्वार्टर फाइनल में सानिया और पाविच की इस जोड़ी का मुकाबला ब्रूनो सोरेस और बीट्रिज हद्दाद मैया की ब्राजीलियाई जोड़ी या जॉन पीयर और गैब्रिएला डाब्रोवस्की की ऑस्ट्रेलियाई-कनाडाई जोड़ी से होगा। सानिया के करियर का यह अंतिम सत्र है , इसलिए वह इसमें जीत दर्ज करना चाहेंगी क्योंकि महिला युगल में वह चेक गणराज्य की जोड़ीदार लूसी हरडेका के साथ शुरुआती दौर में ही हार गई थीं। वहीं एक अन्य पुरुष एकल मुकाबले में कैम नॉरी ने प्री-क्वार्टर फाइनल में टॉमी पॉल को सीधे सेटों में हराया। वह एंडी मरे के बाद पिछले 5 साल में इस टूर्नामेंट के अंतिम आठ में पहुंचने वाले ब्रिटेन के पहले खिलाड़ी बने हैं। नौवीं वरीयता प्राप्त नॉरी ने 6-4, 7-5, 6-4 से जीत दर्ज की थी। यह पहली बार है, जब वह किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के तीसरे दौर से आगे बढ़े हैं। अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें बेल्जियम के डेविड गोफिन को हराना होगा।

महिला हॉकी विश्व कप : भारत ने इंग्लैंड को 1-1 से ड्रॉ पर रोका

एमस्टेलवीन (नीदरलैंड) (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को यहां एफआईएच विश्व कप के पूल बी के अपने पहले मैच में कड़े मुकाबले में इंग्लैंड से 1-1 से ड्रॉ खेला। इंग्लैंड को नौवें मिनट में इसाबेला पेटर ने बढ़त दिलाई लेकिन वंदना कटारिया ने 28वें मिनट में भारत को बराबरी दिला दी। पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमों ने एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी। भारत को पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के रूप में गोल करने का पहला मौका मिला लेकिन टीम ने इसे गंवा दिया। कुछ ही मिनटों बाद कप्तान और गोलकीपर सविता ने शानदार बचाव करते हुए इंग्लैंड को बढ़त बनाने से रोका।इसाबेला ने इसके बाद गेंद को डिफलेक्ट करके गोल में पहुंचाया और इंग्लैंड को बढ़त दिलाई। भारत ने पलटवार करते हुए लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन पहले प्रयास में गुरजीत कौर का शॉट गोल पोस्ट से टकरा गया जबकि उनके दूसरे प्रयास को इंग्लैंड की गोलकीपर हिंच ने नाकाम किया। भारत को 17वें मिनट में इस और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन इस बार भी गुरजीत गोल करने में विफल रहीं। तीन मिनट बाद सविता ने एक बार फिर इंग्लैंड को बढ़त दोगुनी करने से रोका और भारत को मुकाबले में बनाए रखा।

भारत को 28वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और इस बार वंदना ने रिबाउंड पर गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। भारत को मध्यांतर से ठीक पहले एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन हिंच ने एक बार फिर भारत को गोल करने से रोक दिया। तीसरे क्वार्टर में इंग्लैंड ने तेज शुरुआत की लेकिन गोल करने का मौका भारत को मिला। नेहा गोयल के शॉट को हालांकि हिंच ने रोक दिया। इंग्लैंड ने इसके बाद तीसरे क्वार्टर में दबदबा बनाए रखा लेकिन टीम गोल करने में नाकाम रही।

चौथे और अंतिम क्वार्टर में भी दोनों टीम के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। भारत को 56वें मिनट में बढ़त बनाने का मौका मिला लेकिन शर्मिला देवी काफी करीब से गोल करने में नाकाम रहीं और गेंद उनके पैर से टकरा गई। भारत को दो मिनट बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन टीम ने एक बार फिर गोल करने का मौका गंवा दिया और टीम को अंक बांटने को मजबूर होना पड़ा। भारत पूल बी के अपने अगले मैच में मंगलवार को चीन से भिड़ेगा।

महिला हॉकी विश्व कप : भारतीय टीम का आज चीन से होगा मुकाबला

नई दिल्ली । भारतीय टीम महिला हॉकी विश्व कप के अपने दूसरे मैच में मंगलवार को चीन से खेलेगी। पहले मुकाबले में टीम इंडिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला था। पहले मैच में उप कप्तान दीप ग्रेस एक्का, निक्की प्रधान, गुरजीत कौर और उदिता जैसी खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया जिससे इंग्लैंड की टीम को कोई अवसर नहीं मिला था। भारत की रक्षा पंक्ति ने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था जिसे वह आगे भी बनाये रखना चाहेगी। भारतीय टीम इस मैच में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने के मामले में विफल रही। केवल वंदना कटारिया ही पेनाल्टी पर गोल कर पायीं थीं। . अब भारतीय टीम को इन गलतियों को चीन के साथ मुकाबले में नहीं दोहराना होगा। भारतीय टीम इस मुकाबले में आक्रामक रुख के साथ ही जीत सकती है। चीन ने पूल बी के एक अन्य मैच में न्यूजीलैंड को 2-2 से बराबरी पर रोका था। भारतीय टीम चीन के खिलाफ प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी पर उसे अति आत्मविश्वास से बचना होगा।

विम्बलडन : लगातार 25वां ग्रास कोर्ट मुकाबला जीतकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचे जोकोविच

लंदन। विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने अपना सातवां विम्बलडन खिताब जीतने के प्रयास में नीदरलैंड के टिम वैन रिजथोवेन को हराकर प्रतियोगिता के क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। जोकोविच ने रविवार को हुए चौथे दौर के मुकाबले में रिजथोवेन को 6-2, 4-6, 6-1, 6-2 से हराया। यह जोकोविच की ग्रास कोर्ट पर लगातार 25वीं जीत थी। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, 'मुझे मैच से पहले पता था कि मिच के खिलाफ मुकाबला मुश्किल होने वाला है। मैंने इससे पहले उनका सामना कभी नहीं किया। मैंने उन्हें खेलते हुए देखा। ग्रास कोर्ट के लिए उनका खेलने का तरीका बहुत अच्छा है जो आज उन्होंने दिखा भी दिया। यह मुकाबला अच्छा रहा, खासकर पहले दो सेट में।' उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर मुझे लगता है कि मैं अच्छा खेला। मैं उनकी सर्विस लय में आ गया, तीसरे और चौथे सेट में उनकी सर्विस को बेहतर तरीके से पढ़ना शुरू किया।' तीन बार के विम्बलडन चैंपियन जोकोविच ग्रास पर लगातार 25 मुकाबले जीतकर सबसे ज्यादा लगातार मैच जीतने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने रविवार के परिणाम के साथ रॉड लेवर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। पहला स्थान अब भी रोजर फेडरर के पास है जिन्होंने 2003-08 के बीच लगातार 65 ग्रास कोर्ट मुकाबले जीते थे। क्वार्टरफाइनल में जोकोविच मंगलवार को 10वीं सीड जैनिक सिनर का सामना करेंगे।

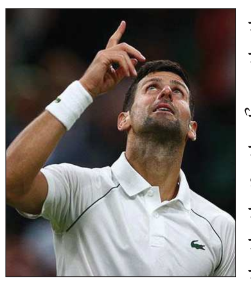

फुटबॉल टीम के सहायक कोच एलेक्स एम्ब्रोस बर्खास्त

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) का संचालन कर रही उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति (सीओए) के सदस्य एसवाई कुरैशी ने रविवार को बताया कि भारतीय महिला अंडर-17 टीम के सहायक कोच एलेक्स एम्ब्रोस को कथित तौर पर यौन दुर्व्यवहार के आरोप में बर्खास्त कर दिया गया है। यूरोप के ट्रेनिंग एवं अनुभव दौरे के दौरान एक खिलाड़ी के साथ 'दुर्व्यवहार' के कारण भारत के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एम्ब्रोस को निलंबित किया गया था और नॉर्वे से वापस बुलाया गया था। कुरैशी ने ट्वीट किया- अंडर-17 महिला टीम के सहायक कोच एलेक्स एम्ब्रोस को यौन दुर्व्यवहार के मामले में बर्खास्त कर दिया गया है। आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है। भारत में 11 से 30 अक्टूबर तक होने वाले फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप की तैयारी के लिए भारतीय टीम यूरोप के दौरे पर है। सीओए ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को भी इस मामले की जानकारी दी है। मुख्य कोच थॉमस डेनर्बी इस 'घटना' के गवाह थे और इससे नाबालिग के जुड़े होने के कारण उन्होंने तुरंत एआईएफएफ को इसकी जानकारी दी। अंडर-17 विश्व कप के शीर्ष मुकाबले तीन शहरों भुवनेश्वर, गोवा और नवी मुंबई में होंगे। भारत को टूर्नामेंट के ग्रुप ए में अमेरिका, मोरक्को और ब्राजील के साथ रखा गया है। भारत प्रतियोगिता के पहले दिन अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के खिलाफ करेगा जबकि मोरक्को और ब्राजील से क्रमशः 14 और 17 अक्टूबर को भिड़ेगा।

जमुना बोरा सहित 4 भारतीय मुक्केबाज एलोर्डो कप के फाइनल में

नयी दिल्ली (एजेंसी)। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता जमुना बोरा ने रविवार को कजाखस्तान की अनेल साकिश को हराकर कजाखस्तान के नूर सुल्तान में चल रहे एलोर्डो कप के फाइनल में जगह बनाई। असम की जमुना ने स्थानीय मुक्केबाज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 54 किग्रा भार वर्ग के सेमीफाइनल में सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की।

जमुना के अलावा तीन अन्य भारतीय मुक्केबाज कलाइवानी श्रीनिवासन (48 किग्रा), गितिका (48 किग्रा) और अल्फिया (81 किग्रा से अधिक) भी सोमवार को फाइनल में खेलेंगी। जमुना ने गति और फुटवर्क का शानदार नजारा पेश करते हुए अनेल के खिलाफ दबदबा बनाया और विरोधी मुक्केबाज को कई दमदार मुक्के जड़े।

दूसरे दौर में भी भारतीय मुक्केबाज हावी रही। जमुना ने समर्पण और धैर्य की बदौलत आसान जीत की नींव रखी और फाइनल में जगह बनाई। दो महिला मुक्केबाज साक्षी (54 किग्रा) और सोनिया (57 किग्रा) को हालांकि सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान की निगिना उकतामोवा और सितोरा तुर्दिबेकोवा के खिलाफ क्रमशः 0-5 और 2-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी। पुरुष वर्ग में चार भारतीय मुक्केबाजों को सर्वसम्मति से सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। कुलदीप (48 किग्रा) और जुगनू (92 किग्रा) को कजाखस्तान के मुक्केबाजों क्रमशः असिलबेक जेलिलोव और एबेक ओरलबे ने हराया जबकि अनंत को चीन के फैंग बो ने बाहर का रास्ता दिखाया। सचिन (57 किग्रा) ने 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता कजाखस्तान के सेरिक तेमिरझानोव को कड़ी टक्कर दी लेकिन अंततः उन्हें हार झेलनी पड़ी। शनिवार रात गितिका और अल्फिया ने फाइनल में जगह बनाई। गितिका ने उज्बेकिस्तान की मारजोना सेवरिएवा को 4-1 से हराया जबकि अल्फिया ने कजाखस्तान की वालेरिया एक्सेनोवा के खिलाफ दबदबा बनाया और रैफरी को दूसरे दौर के बीच में ही मुकाबला रोकना पड़ा। एलोर्डा कप के पहले टूर्नामेंट में भारत, उज्बेकिस्तान, मेजबान कजाखस्तान, क्यूबा, चीन और मंगोलिया जैसे देशों के शीर्ष मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं। टूर्नामेंट के चैंपियन मुक्केबाजों को 700 अमेरिकी डॉलर जबकि रजत और कांस्य पदक विजेताओं को क्रमशः 400 और 200 डॉलर दिए जाएंगे।

बिजली सुधार में विफलता को लेकर ओडिशा विधानसभा में भाजपा का शोर-शराबा

भुवनेश्वर, ०४ जुलाई (वार्ता) विपक्षी भाजपा सदस्यों ने सोमवार को ओडिशा विधानसभा में शोर-शराबा करते हुए आरोप लगाया कि राज्य में बिजली क्षेत्र में सुधार वांछित परिणाम देने में विफल रहा है।

सदन में बिजली क्षेत्र में सुधार पर एक स्थगन प्रस्ताव की स्वीकार्यता पर बहस पर चर्चा हो रही थी। भाजपा सदस्यों ने मंत्री के जवाब पर असंतोष व्यक्त किया और सदन से बाहर चले गए,

बहस में भाग लेते हुए, भाजपा के मुख्य सचेतक मोहन मांझी ने कहा कि हालांकि सरकार ने बिजली क्षेत्र में सुधार के लिए २०,००० करोड़ रुपये खर्च करने का दावा किया था, लेकिन वह वांछित परिणाम देने में विफल रही।

उन्होंने कहा कि सरकार को जांच करनी चाहिए कि बिजली क्षेत्र में सुधार के लिए पैसा कहां गया।

सुधार और उन्नयन के नाम पर करोड़ों रुपये की लूट हुई और बिजली उत्पादन और आपूर्ति में कुप्रबंधन हुआ है। मांझी ने कहा।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य के लोगों को गर्मी के दिनों में बार-बार बिजली कटौती के कारण अनकही परेशानी का सामना करना पड़ा। परीक्षा से पहले और दौरान लगातार बिजली कटौती के कारण पढ़ने में असमर्थ होने के कारण छात्रों को सबसे अधिक

नुकसान हुआ।

सरकार, भाजपा के मुख्य सचेतक ने आरोप लगाया, संकट के दौरान बिजली उत्पादन को बढ़ाने के लिए समीचीनता नहीं दिखाई।

मांझी ने कहा कि सरकार संकट के दौरान स्थिति से निपटने के लिए सौर ऊर्जा जैसी वैकल्पिक बिजली उत्पादन बनाने में विफल रही है।

उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च करने के बावजूद सरकार एटी एंड सी घाटे को कम करने में विफल रही है।

ओडिशा में प्रति यूनिट टैरिफ, माझी ने कहा कि तेलंगाना, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, राजस्थान, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक जैसे राज्यों की तुलना में अधिक था और आरोप लगाया कि राज्य सरकार उपभोक्ताओं का शोषण कर रही है,उन्होंने कहा कि ओईआरसी उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के बजाय बिजली वितरण कंपनियों के हितों की रक्षा कर रहा है।

सरकार विभिन्न कंपनियों पर लंबित बिजली के करोड़ों बकाया की वसूली करने में भी विफल रही।

उनकी पार्टी के सहयोगी मुकेश महालिंग और सनातन ने उनका समर्थन किया और सरकार से पूरे राज्य में २४ घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की.संतोष सिंह सलूजा और अधिराज पाणिग्रही (कांग्रेस) ने भी बिजली संकट को लेकर सरकार पर जमकर निशाना साधा।

सलूजा ने कहा कि अगर सरकार हर साल एटी एंड सी के नुकसान में १ प्रतिशत की कमी लाती तो अब तक इसे २२ प्रतिशत कम कर दिया होता। लेकिन सरकार इसे हासिल करने में नाकाम रही।

राज्य के ऊर्जा मंत्री प्रताप देब ने विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि पिछले २२ वर्षों के दौरान राज्य को पहले बिजली की कमी वाले राज्य से बिजली अधिशेष राज्य में बदल दिया गया है।

देब ने कहा कि सरकार ने अप्रैल २०२२ से शुरू होने वाले लगभग १२ दिनों के लिए कुछ क्षेत्रों में ५ से ८ प्रतिशत उपभोक्ताओं के लिए व्यस्त समय के दौरान आधे घंटे से एक घंटे के लिए अस्थायी बिजली कटौती का सहारा लिया।

यह एनटीपीसी दार्लीपाली सुपरक्रिटिकल प्लांट की एक इकाई के ५० दिनों से अधिक समय तक रोटेशन के आधार पर जबरन बंद रहने के बाद हुआ।

इस दौरान देश बिजली संकट से भी जूझ रहा था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बिजली एक्सचेंज के जरिए ४०० से ६०० मेगावाट बिजली खरीदना चाहती है, लेकिन उसे ४० से ६० मेगावाट ही दिया गया।

उन्होंने हालांकि दावा किया कि २५ अप्रैल के बाद बिजली कटौती नहीं हुई थी। सरकार ने बिजली वितरण कंपनियों को गर्मी के दौरान और परीक्षा अवधि के दौरान भी छात्रों के हित में बिजली कटौती का सहारा नहीं लेने का निर्देश दिया है।

श्री देब ने आगे कहा कि ओडिशा में प्रति यूनिट शुल्क राष्ट्रीय औसत से बहुत कम था और कहा कि बिजली क्षेत्र में सुधार के कारण एटी एंड सी हानि २००० में ५७ प्रतिशत से घटकर अब २६ प्रतिशत हो गई है।

उन्होंने कहा कि कुछ राज्य उपभोक्ताओं को राजस्व सब्सिडी दे रहे हैं। लेकिन बिजली सुधार के बाद राज्य सरकार ने उपभोक्ताओं को सीधे सब्सिडी नहीं देने का फैसला लिया है.

मंत्री ने कहा कि सरकार ने बिजली पारेषण के लिए बुनियादी ढांचे के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत लगभग १२०० करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

उन्होंने दावा किया कि बिजली सुधार से राज्य में उपभोक्ताओं की संख्या छह गुना बढ़कर १६ लाख से अब ९६ लाख हो गई है।

अतिरिक्त उच्च वोल्टेज ट्रांसफार्मर की क्षमता ४,२३५ एमवीए से बढ़ाकर २४,४२० एमवीए और वितरण ट्रांसफार्मर की संख्या ४०,१०० से बढ़ाकर २.५ लाख कर दी गई है।

देब ने कहा कि चरम मांग और ऊर्जा की आवश्यकता में लगभग तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई है और ग्रिड की संख्या ५८ से बढ़कर १७८ हो गई है।

उन्होंने कहा, सरकार पहले ही कुछ सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर चुकी है और ८०० करोड़ रुपये की लागत से टाटा पावर के सहयोग से वैकल्पिक बिजली पैदा करने की योजना बना रही है।

कॉलेज छात्रा की रैगिंग से मौत पर ओएचआरसी ने स्वत: संज्ञान लिया, रिपोर्ट मांगी

भुवनेश्वर:ओडिशा मानवाधिकार आयोग (ओएचआरसी) ने बीजेबी ऑटोनॉमस कॉलेज की एक छात्रा की वरिष्ठों द्वारा रैगिंग के कारण हुई मौत के मामले में शनिवार को स्वत: संज्ञान लिया।

ओएचआरसी ने पुलिस आयुक्त भुवनेश्वर-कटक को इस मुद्दे पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किया।

आयोग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस आयुक्तालय को अगली सुनवाई की अगली तारीख १९ जुलाई तक सीलबंद लिफाफे में जांच की स्थिति रिपोर्ट के साथ रिपोर्ट देने को कहा है।

आयोग ने कहा कि उसे इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में बीजेबी ऑटोनॉमस कॉलेज भुवनेश्वर में प्लस थ्री आर्ट्स प्रथम वर्ष की छात्रा की आत्महत्या के बारे में खबरें मिली हैं। आयोग ने कहा कि सुसाइड नोट से ऐसा प्रतीत होता है कि मौत बीजेबी स्वायत्त कॉलेज परिसर के अंदर छात्रावास में रैगिंग के कारण हुई, आयोग ने स्वत: संज्ञान लिया।

इसने कहा कि तेजेश्वर परिदा ने पिछले साल मार्च में रैगिंग फ्री कैंपस अभियान संगठन की ओर से एक पत्र दायर किया था।

परिदा ने प्रस्तुत किया कि आरएफसीए द्वारा २०२१ में आयोग के समक्ष एक और मामला दायर किया गया है जहां आयोग ने मुख्य सचिव से ओडिशा सरकार को एक रिपोर्ट मांगी है।

श्रवणी मेला को लेकर प्रशासन की बैठक

वेदव्यास त्रिवेणी संगम पर लगेगा सावन मेला
जिलापाल की अध्यक्षता में प्रस्तुति बैठक

राजेश दाहिमा

राजगांगपुर/राउरकेला :शहर के वेदव्यास संगम पर दो साल बाद प्रसिद्ध श्रावणी मेला इस साल लगेगा. पिछले दो वर्षों से कोविड महामारी के कारण यह मेला स्थगित था. इसे लेकर शनिवार को राउरकेला महानगर निगम कार्यालय में प्रस्तुति बैठक हुई,।

इस अवसर पर सुंदरगढ़ के जिलापाल डॉ. पराग हर्षद गवली और राउरकेला के एडीएम एवं महानगर निगम आयुक्त डॉ. शुभकर महापात्र उपस्थित थे. चूंकि श्रावणी मेला दो साल से बंद था, इस साल बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है, इसलिए इसे ध्यान में रखते हुए प्रशासन आवश्यक तैयारियां कर रही है, वेदव्यास में राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण कार्य के चलते यातायात प्रबंधन पर विशेष जोर दिया जाएगा, इसके अलावा विभिन्न विभागों द्वारा आम जनता की सुविधा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे.।

सुंदरगढ़ के जिलापाल डॉ पराग हर्षद गवली ने कहा १७ जुलाई से राउरकेला वेदव्यास पीठ में श्रावणी मेला लगेगा.मेला ७ अगस्त तक चलेगा.सावन के हर रविवार को उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए विशेष इंतजाम किए जाएंगे.।

आसपास के क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं द्वारा वेदव्यास पीठ से पानी उठाते हैं और विभिन्न शिव पीठों की यात्रा करते हैं, इसके अलावा वेदव्यास में शिव मंदिर में भी विभिन्न स्थानों से पानी लेते है, हर रविवार और सोमवार को भीड़ होगी ।

पुलिस महकमे को सुरक्षा कड़ी करने के निर्देश दिए गए हैं, बैठक में निर्णय लिया गया कि आवश्यकता नुसार महिला पुलिस व स्वयंसेवकों को तैनात किया जाएगा और भीड़ को पूरा करने के लिए विभिन्न नदी क्रॉसिंग पर बैरिकेड्स लगाए जाएंगे, और अधिकारियों ने सभी उपलब्ध पुलिस बलों, विशेष सेवाओं तैनात रहेंगे,।

एक अस्थायी स्वास्थ्य शिविर स्थापित किया जाए और एक डॉक्टर और आवश्यक स्वास्थ्य कर्मियों को नियुक्त किया जाए, वेदव्यास पीठ में नियमित सफाई पर विशेष ध्यान देने का निर्णय लिया गया है, और तैयारी बैठक में पानपोश के उप जिलापाल दौलत चंद्राकर, राउरकेला पुलिस के डीएसपी एस एन सामद, राउरकेला महानगर निगम के उपायुक्त सुधांशु कुमार भोई, सीतादेवी मांझी, लाठीकटा तहसीलदार मनस्विनी दास, अग्निशमन विभाग, स्वास्थ्य, पीएचडी, पीडब्ल्यूडी, एनएचएआई, टाटा पावर डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के कर्मचारी और वेदव्यास ट्रस्ट बोर्ड के अनुपम राय,रमेश गोपाल वासिया,राजेश गर्ग समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे.

आरपीएफ के ऑपरेशन नार्कोस को मिली बड़ी सफलता

महीने भर में राउरकेला-राजगांगपुर व झारसुगुड़ा स्टेशन से ३८० किलोग्राम गांजा जब्त

राजेश दाहिमा

राजगांगपुर/राउरकेलाः राजगांगपुर व झारसुगुड़ा स्टेशनों में महीने भर तक बरती गई सतर्कता व निगरानी के दौरान आरपीएफ के ऑपरेशन नार्कोस को बड़ी सफलता मिली.महीने भर में इन स्टेशनों में २५ लाख से अधिक मूल्य के तीन क्विंटल गांजा के साथ ३४ तस्कर को गिरफ्तार किया गया.

चक्रधरपुर मंडल के द्वारा चालाये जा रहे ठऑपरेशन नॉरकोसठ के तहत गांजा तस्करों पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है. पिछले ३० दिनों में कुल २२ मामले का उद्भेदन किया गया, जिसमें ३४ तस्करों को ३८०.३० किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया, बरामद किये गये गांजा का बाजार मूल्य २५,४२,३००/- रुपये है.।

रेलवे सुरक्षा बल, चक्रधरपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त ओंकार सिंह के मार्गदर्शन में रे.सु. ब. चक्रधरपुर मंडल द्वारा ०१ जून से ३० जून तक चलाये गये ठऑपरेशन नारकोस के तहत ट्रेन के माध्यम से किसी भी तरह के मादक पदार्थ की तस्करी करने वालों को पकड़ने एवं रोकथाम के लिए अभियान चलाया गया।

इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्पेशल टीम का गठन गिया गया साथ ही साथ ०२ स्पेशल नॉरकोटिक्स डॉग की राउरकेला और झारसुगुड़ा रेलवे स्टेशन पर तैनाती की गई है.पिछले ३० दिनों में इस अभियान के तहत रे.सु. ब. डॉग मैक्स की सहायता से रेलवे सुरक्षा बल / झारसुगुड़ा ने ०९ मामलों का उद्भेदन किया जिसमें १८ गांजा तस्करों को २१३ किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया है, जिसका बाजार मूल्य १०,६५,०००/- है।

वहीं पिछले ३० दिनों में रे.सु.ब. / डॉग मोंटी की सहायता से रेलवे सुरक्षा बल / राउरकेला ने कुल ०७ मामलों का उद्भेदन किया,जिसमें १० गांजा तस्करों को १००.८६ किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया, जिसका बाजार मूल्य ८,३२,३००/- है.?

वहीं रेलवे सुरक्षा बल/राजगांगपुर ने पिछले ३० दिनों में ०५ मामलों का उदभेदन किया जिसमें ०५ गांजा तस्करों को ६३ किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया, जिसका बाजार मूल्य ६,३०,०००/- है. साथ ही साथ रेलवे सुरक्षा बल / चक्रधरपुर ने भी एक गांजा तस्कर को ३.४५ किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया, जिसका बाजार मूल्य १५,०००/- है.।

ऐसे कुल २२ मामलों में ३४ गांजा तस्करों को ३८०.३० किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया. बरामद किये गये गांजा का बाजार मूल्य २५,४२,३००/- रुपये है. गिरफ्तार तस्करों को सम्बंन्धित आबकारी विभाग/राजकीय रेल पुलिस को उचित कार्यवाही के लिए सुपुर्द किया गया।

जहांउनपर मामला दर्ज किया गया है. रे.सु. ब. चक्रधरपुर मण्डल का यह ठऑपरेशन नॉरकोस रेल के माध्यम से किसी भी तरह के मादक पदार्थ की तस्करी करने वालों अपराधियों पर नकेल कसने के लिए आगे भी जारी रहेगा.

ओडिशा में ६ जुलाई को घोषित होगा मैट्रिक परीक्षा परिणाम

ओडिशा में ६ जुलाई को मैट्रिक परीक्षा परिणाम घोषित किया जाएगा। दोपहर एक बजे बोर्ड कार्यालय से परीक्षा परिणाम प्रकाशित किया जाएगा। अपराह्न २ बजे से छात्र-छात्रा सरकार की दो वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डट बीएसइओडिशा डाट एसी डट इन (www.bseodisha.ac.in) एवं डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डट बीएसइओडिशा डट एनआईसी डट इन (www.bseodisha.nic.in) में अपना परीक्षा परिणाम देख पाने की जानकारी आज राज्य शिक्षा मंत्री समीर रंजन दास ने उक्त जानकारी दी है।

जानकारी के मुताबिक इस साल मैट्रिक बोर्ड परीक्षा २९ अप्रैल से शुरू हुई थी और ७ मई को परीक्षा खत्म हुई थी। इस साल ३२०३ परीक्षा केन्द्र में कुल ५ लाख ७१ हजार ९०९ छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी थी। मैट्रिक परीक्षार्थी पार्ट वन आब्जेक्टिव परीक्षा सुबह ८ बजे से ९ बजे तक एवं पार्ट टू सबजेक्टिव परीक्षा सुबह ९ बजे से १० बजे तक हुई थी। परीक्षा केन्द्र में छात्रों के मोबाइल ले जाने पर सख्त प्रतिबंध था।

अब शिक्षा मंत्री समीर रंजन दास ने मैट्रिक परीक्षा परिणाम घोषित करने की तिथि घोषित की है। ६ जुलाई को दोपहर १ बजे मैट्रिक परीक्षा परिणाम घोषित किया जाएगा। परिणाम घोषित होने के एक घंटे बाद छात्र छात्रा वेबसाइट में परीक्षा परिणाम देख पाएंगे। हालांकि मंत्री ने कहा है कि परीक्षा परिणाम प्रकाशन के संदर्भ में बोर्ड की तरफ से विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

शेष विश्व से भारत के सांस्कृतिक अलगाव को समाप्त करने में स्वामी विवेकानंद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई: रचिता

जाजपुर; सामाजिक कार्यकर्ता रचिता मिश्रा स्वामी विवेकानंद को उनकी मृत्यु की वर्षगांठ पर याद करते हैं। रचिता ने कहा कि स्वामी विवेकानंद एक हिंदू भिक्षु थे और भारत में सबसे प्रसिद्ध आध्यात्मिक नेताओं में से एक थे। यह एक आध्यात्मिक मन से कहीं अधिक था; वे एक विपुल विचारक, एक महान सार्वजनिक वक्ता और एक भावुक देशभक्त थे। युवा भिक्षु और उनकी शिक्षाएं कई लोगों के लिए प्रेरणा थीं, और उनके शब्द आत्म-सुधार के लक्ष्य बन गए, खासकर देश के युवाओं के लिए। इसी वजह से उनका जन्मदिन १२ जनवरी भारत में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वामी विवेकानंद ने अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस के स्वतंत्र विचार दर्शन को एक नए प्रतिमान की ओर जारी रखा। उन्होंने समाज को बेहतर बनाने के लिए अथक परिश्रम किया, गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा की और अपने सभी प्रयासों को देश के लिए समर्पित कर दिया। वह हिंदू अध्यात्मवाद को पुनर्जीवित करने और विश्व मंच पर हिंदू धर्म को एक श्रद्धेय धर्म के रूप में स्थापित करने के लिए जिम्मेदार थे। सार्वभौमिक भाईचारे और आत्म-जागरूकता का उनका संदेश प्रासंगिक बना हुआ है, खासकर दुनिया भर में व्यापक राजनीतिक अशांति के वर्तमान संदर्भ में।

विवेकानंद का जन्म कलकत्ता में नरेंद्रनाथ दत्ता के एक धनी बंगाली परिवार में हुआ था और वे विश्वनाथ दत्ता और भुवनेश्वरी देवी की आठ संतानों में से एक थे। उनका जन्म १२ जनवरी १८६३ को मकर संक्रांति के दिन हुआ था। पिता विश्वनाथ एक सफल वकील थे जिनका समाज में काफी प्रभाव था। नरेंद्रनाथ की मां भुवनेश्वरी एक मजबूत और ईश्वरीय आत्मा वाली महिला थीं, जिनका उनके बेटे पर बहुत प्रभाव था। एक बच्चे के रूप में, नरेंद्रनाथ ने एक गहरी बुद्धि का प्रदर्शन किया। उनके शरारती स्वभाव ने वाद्य और गायन दोनों में संगीत में उनकी रुचि को झुठला दिया। वह अपनी पढ़ाई में पहले महानगरीय क्षेत्र में और बाद में कलकत्ता में प्रेसीडेंसी के कॉलेज में खड़ा था। उनके अच्छी तरह से अध्ययन किए गए ज्ञान ने उन्हें भगवान के अस्तित्व पर सवाल उठाने के लिए प्रेरित किया और कुछ समय के लिए वे अज्ञेयवाद में विश्वास करते थे लेकिन एक सर्वोच्च व्यक्ति के अस्तित्व को पूरी तरह से अनदेखा नहीं कर सके, उन्होंने कुछ समय के लिए केशब चंद्र सेन के नेतृत्व में ब्रह्मो आंदोलन के साथ संबद्ध किया। ब्रह्मो समाज ने हिंदू धर्म की पूजा करने वाले मूर्तिपूजा और अंधविश्वास के विरोध में एक देवता को मान्यता दी। ईश्वर के अस्तित्व के बारे में कई दार्शनिक प्रश्न जो उसके सिर में घूम रहे थे, अनुत्तरित रहे। इस आध्यात्मिक संकट के दौरान विवेकानंद ने पहली बार स्कॉटिश चर्च कॉलेज के निदेशक विलियम हस्ती से श्री रामकृष्ण के बारे में सुना। भगवान के लिए अपनी बौद्धिक खोज को पूरा करने के लिए, नरेंद्रनाथ सभी धर्मों के प्रमुख आध्यात्मिक नेताओं के पास जाते थे और उनसे एक ही सवाल पूछते थे: ठक्या आपने भगवान को देखा है ?ठ हर बार बिना संतोषजनक जवाब दिए वह चला गया। यही प्रश्न उन्होंने श्री रामकृष्ण से दक्षिणेश्वर काली के मंदिर परिसर में उनके आवास पर पूछा। एक पल की झिझक के बिना, श्री रामकृष्ण ने उत्तर दिया, ठहाँ, मेरे पास है। मैं भगवान को उतना ही स्पष्ट रूप से देखता हूं जितना मैं देखता हूं। " हम एक दूसरे को बहुत गहरे अर्थ में देखेंगे। ठविवेकानंद, शुरू में रामकृष्ण की सादगी से प्रभावित नहीं हुए, रामकृष्ण की प्रतिक्रिया पर चकित थे। रामकृष्ण ने धीरे-धीरे इस विवादास्पद युवक को अपने धैर्य और प्रेम से जीत लिया। नरेंद्रनाथ दक्षिणेश्वर जितना अधिक भ्रमण करते थे, उनके प्रश्नों के उत्तर उतने ही अधिक मिलते थे। १८८४ में, उनके पिता की मृत्यु के कारण नरेंद्रनाथ ने खुद को काफी वित्तीय कठिनाई में पाया, क्योंकि उन्हें अपनी मां और उनके छोटे भाई-बहनों का समर्थन करना पड़ा। उन्होंने रामकृष्ण से अपने परिवार की वित्तीय भलाई के लिए देवी से प्रार्थना करने को कहा। रामकृष्ण के सुझाव पर वे स्वयं मंदिर में प्रार्थना करने गए। लेकिन जैसे ही उन्होंने देवी का सामना किया, वे धन या धन नहीं मांग सके, बल्कि ठविवेकठ (विवेक) और ठबैराग्यठ (एकांत) के लिए कहा। उस दिन नरेंद्रनाथ के पूर्ण आध्यात्मिक जागरण को चिह्नित किया गया था और वे एक तपस्वी जीवन शैली के लिए तैयार थे। स्वामी विवेकानंद ने भविष्यवाणी की थी कि वह चालीस वर्ष तक जीवित नहीं रहेंगे। ४ जुलाई, १९०२ को, उन्होंने बेलूर मठ में छात्रों को संस्कृत व्याकरण पढ़ाने के लिए अपना कार्य दिवस बिताया। वह शाम को अपने कमरे में सेवानिवृत्त हुए और लगभग ९ बजे ध्यान में उनकी मृत्यु हो गई, वे ठमहासमाधिठ पहुंच गए होंगे और गंगा के तट पर महान संत का अंतिम संस्कार किया गया था। स्वामी विवेकानंद की जीवनी दुनिया को एक राष्ट्र के रूप में भारत की एकता की सच्ची नींव को प्रकट करने के लिए है। उन्होंने सिखाया कि इतनी महान विविधता वाले राष्ट्र को मानवता और भाईचारे की भावना से कैसे जोड़ा जा सकता है। विवेकानंद ने पश्चिमी संस्कृति की कमियों और उन्हें दूर करने में भारत के योगदान पर प्रकाश डाला। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने एक बार कहा था, ठस्वामीजी ने पूर्व और पश्चिम, धर्म और विज्ञान, अतीत और वर्तमान में सामंजस्य स्थापित किया है। और इसलिए वह महान है। उनकी शिक्षाओं के माध्यम से हमारे हमवतन लोगों ने अभूतपूर्व आत्म-सम्मान, आत्मविश्वास और मुखरता प्राप्त की। "विवेकानंद पूर्व और पश्चिम की संस्कृति के बीच एक आभासी पुल बनाने में सफल रहे हैं। उन्होंने हिंदू धर्मग्रंथों, दर्शन और जीवन के तरीके की व्याख्या की। पश्चिमी लोगों के जीवन ने उन्हें समझा दिया कि गरीबी और पिछड़ेपन के बावजूद विश्व संस्कृति को बनाने में भारत का बहुत बड़ा योगदान है। शेष विश्व से भारत के सांस्कृतिक अलगाव को समाप्त करने में स्वामी विवेकानंद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह स्वामी विवेकानंद की जीवनी, शिक्षाओं, प्रारंभिक जीवन, कार्यों, विचारों के बारे में था।

राउरकेला के छात्रों के लिए आईएएस टॉपर श्री कार्तिक पाणिग्रही द्वारा एक प्रेरक वार्ता

राउरकेला: को इस्पात इंग्लिश मीडियम स्कूल, सेक्टर - २० में राउरकेला के छात्रों के लिए ओडिशा के आईएएस टॉपर, श्री कार्तिक पाणिग्रही के साथ एक प्रेरक वार्ता आयोजित की गई थी। महाप्रबंधक प्रभारी (नगर सेवाएँ), श्री पी के दास, मुख्य अतिथि थे। जबकि महाप्रबंधक (नगर सेवाएँ), श्री एम के अग्रवाल इस अवसर पर सम्मानित अतिथि थे। सत्र में राउरकेला के १७ विभिन्न स्कूलों के दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के लगभग ३५० छात्रों ने भाग लिया।

छात्रों को संबोधित करते हुए श्री दास ने इस तरह की प्रेरक वार्ता आयोजित करने में शिक्षा विभाग के प्रयासों की सराहना की और छात्रों को एकनिष्ठता के साथ अपने लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

अपने जीवन के ज्वलंत उदाहरणों का हवाला देते हुए, श्री पाणिग्रही ने दर्शन और अनुशासन के महत्व, अध्ययन और विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी के तरीके, सक्रियता और असफलता और सफलता से निपटने के तरीकों के बारे में बात की। उन्होंने छात्रों से लक्ष्य की ओर ध्यान केंद्रित करने और उसकी ओर काम करने का आग्रह किया और असफलता को करियर के अंत समझने के बजाय सफलता का स्तंभ मानकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

वार्ता के पश्चात् विचार विमर्श सत्र में, छात्रों ने श्री पाणिग्रही के जीवन, उद्देश्य और यात्रा के बारे में जिज्ञासु प्रश्न पूछे। चर्चाओं ने छात्रों को अनुकरण करने के लिए दिलचस्प तथ्य, अंतर्दृष्टि और सुझाव दिए।

प्रारंभ में वरिष्ठ प्रबंधक (शिक्षा) और प्रधानाचार्य, आईईएमएस, सेक्टर - २०, डॉ बनमाली कर, ने स्वागत भाषण दिया और राउरकेला इस्पात संयंत्र और स्कूल के गौरवशाली इतिहास के बारे में बताया। सहायक महाप्रबंधक और प्रिंसिपल (आईवीएम) श्री कांगर नायक ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया। कक्षा - बारहवीं (आईईएमएस, सेक्टर - २०) की छात्रा, सुश्री आराधना पटनायक ने कार्यक्रम का संचालन किया।

Printed by Abinash Mishra Published by Abinash Mishra on behalf of (or owned) by Padmalaya Mishra And Printed at M/S Durga Madhav Printers, At-Bajrakabati Road Po-Buxibazar, Cuttack-1 Dist-Cuttack ODISHA)
Published at Thatari Sahi,Chauligang Po-Nayabajar, Cuttack-4, Dist-Cuttack ODISHA). **Editor-Abinash Mishra** Mob-9437045332 email:mahanadisuperfast20@gmail.com,

मुद्रक अविनाश मिश्र तथा प्रकाशक अविनाश मिश्र दबारा(स्वामी का नाम) पद्मालया मिश्र (मुद्रण स्थल) से मुद्रति तथा दुर्गा माधब प्रीण्टर्स आट-बज्रक बाटी रोड , बक्सीबजार ,कटक -1 (प्रकाशन स्थल) से प्रकाशीत थाटरी साही , चाउलीआ गंज ,कटक -753004 संपादक : अविनाश मिश्र